हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● सोमवार ● 29.07.2024 ● वर्ष : 15 ● अंक : 10 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

'मन की बात' में बोले पीएम, देश को नशा मुक्त बनाने में सहयोग करें, 'मानस' हेल्पलाइन में दें जानकारी

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में नशा मुक्त भारत की दिशा में सरकार के प्रयासों का उल्लेख करते हुए 'मानस' हेल्पलाइन पर इससे जुड़ी कोई भी जानकारी साझा करने की अपील की। 'मन की बात' के 112वें एपिसोड में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश को नशा मुक्त बनाने के लिए उनकी सरकार ने एक विशेष केंद्र 'मानस' खोला है। सरकार ने एक टोल फ्री नंबर 1933 जारी किया है, जिसमें नशा मुक्ति से जुड़े हुए परामर्श हासिल किए जा सकते हैं। इसके अलावा इस नंबर पर नशे से जुड़ी हुई कोई भी जानकारी साझा की जा सकती है। यह जानकारी गोपनीय रखी जाएगी। प्रधानमंत्री अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में देशवासियों को देश-समाज में हो रहे सकारात्मक पहलुओं से अवगत कराते हैं। इसी संदर्भ में उन्होंने बाघ संरक्षण की दिशा में हो रहे प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि देश में कई ऐसे गांव हैं जहां पर इंसान और बाघ के बीच में कभी टकराव की स्थिति नहीं आती। लेकिन जहां ऐसी स्थिति आती है वहां भी बाघों के संरक्षण के लिए अभूतपूर्व प्रयास हो रहे हैं।

पीएम ने पेरिस ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए की अपील

प्रधानमंत्री ने पेरिस ओलंपिक की बात की और लोगों से भारतीय

खिलाड़ियों का सोशल मीडिया के माध्यम से उत्साह बढ़ाने की अपील की। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय गणित ओलंपियाड का भी उल्लेख किया, जिसमें भारतीय छात्रों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि पुणे के रहने वाले आदित्य वेंकट गणेश, सिद्धार्थ चोपरा, दिल्ली के अर्जुन गुप्ता, ग्रेटर नोएडा के कनव तलवार, मुंबई के रुशील माथुर और गुवाहाटी के आनंदो भादुरी ने देश को यह उपलब्धि दिलाई है।

प्रधानमंत्री ने यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज साइट की सूची में असम के चराईदेउ मैदाम को शामिल किए जाने का विशेष उल्लेख

मोदी ने 'मन की बात' में रोहतक के हथकरघा उद्योग का किया उल्लेख

चंडीगढ़ : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में हरियाणा के रोहतक जिले के हथकरघा उद्योग का उल्लेख किया। उन्होंने विशेष रूप से 'उन्नति सेल्फ हेल्प ग्रुप' की महिलाओं की प्रशंसा की, जिन्होंने अपने कठिन परिश्रम और समर्पण से आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाया है। कई महिलाएं स्वयं-सहायता समूहों में शामिल होकर अपना सक्रिय रूप से योगदान दे रही हैं। हथकरघा उद्योग, सिलाई, कढ़ाई और अन्य हस्तशिल्प कार्यों में भी उनका योगदान उल्लेखनीय है।

किया। उन्होंने बताया कि अहोम राजवंश के लोग अपने पूर्वजों के शव को उनकी कीमती चीजों के साथ अहोम मैदान में रखते थे। पूर्वजों को सम्मान प्रकट करने का यह यूनिक तरीका है। उन्होंने लसित बोरफुकन की सबसे ऊंची प्रतिमा के अनावरण का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने हरियाणा के एक स्वयं सहायता समूह का उल्लेख किया, जिसने जिले की ढाई सौ से ज्यादा महिलाओं के जीवन को समृद्ध बनाने का काम किया है। उन्नति सेल्फ हेल्प ग्रुप की सहायता से इन्होंने ब्लॉक प्रिंटिंग और रंगा की ट्रेनिंग हासिल की है।

पीएम मोदी ने की स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की अपील

प्रधानमंत्री ने कहा कि 7 अगस्त को राष्ट्रीय हैंडलूम दिवस मनाया जाता है। हम सभी स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा दें। यह छोटा सा प्रयास अनेक लोगों की जिंदगी बदल सकता है। उन्होंने खादी की खरीदारी में हो रही रिकॉर्ड वृद्धि का उल्लेख करते हुए कहा कि अगस्त का महीना क्रांति का महीना होता है और हम इस महीने खादी खरीदें।

प्रधानमंत्री ने इंदौर में 'एक पेड़ मां' के नाम कार्यक्रम के दौरान 2 लाख से ज्यादा पौधे लगाए जाने के रिकॉर्ड का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह देखकर बहुत खुशी होती है कि बड़ी संख्या में लोग इसमें भाग ले रहे हैं। उन्होंने पिछले कुछ वर्षों से हर घर तिरंगा अभियान में हो रही जन भागीदारी को विशेष बताते हुए इस बार भी लोगों से इसमें भाग लेने और सेल्फी बिथ तिरंगा सोशल मीडिया पर साझा करने की अपील की। उन्होंने कहा कि तिरंगे को लेकर यह उल्लास यह उमंग एक दूसरे से हमें जोड़ती है। प्रधानमंत्री ने इस कार्यक्रम में एक खास प्रोजेक्ट 'परी' का जिक्र किया है, जिसे पब्लिक आर्ट ऑफ इंडिया के रूप में जाना जाता है। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट परी पब्लिक आर्ट को लोकप्रिय बनाने के लिए उभरते कलाकारों को एक मंच पर लाने का बड़ा माध्यम बन रहा है।

भारत की निशानेबाज मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में जीता कांस्य पदक

एजेंसी

लखनऊ : मनु भाकर ने रविवार 28 जुलाई को पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। हरियाणा की 22 साल की इस निशानेबाज ने चेटरौक्स शूटिंग सेंटर में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में तीसरा स्थान हासिल करने के बाद इन खेलों में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज बनीं। टोक्यो में दिल टूटने के तीन साल बाद भारत की इस सबसे प्रसिद्ध और प्रतिभाशाली निशानेबाजों में से एक ने अपने सपनों को पूरा किया और देश को गौरवान्वित किया। उन्होंने जबरदस्त वापसी की और कांस्य पदक अपने नाम किया। महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा का स्वर्ण और रजत पदक दक्षिण कोरिया की दो खिलाड़ियों ने जीता। ओह ये जिन 243.2 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक और किम येजी ने 241.3 के स्कोर के साथ रजत पदक अपने नाम किया।

मनु भाकर क्वालिफिकेशन राउंड में भी तीसरे स्थान पर रही थीं। इसके साथ ही उन्होंने शूटिंग में भारत के पदक के 12 साल के सूखे को भी खत्म किया। 2012 लंदन ओलंपिक में गगन नारंग और विजय कुमार ने शूटिंग में पदक जीता था। यह शूटिंग में भारत का

पांचवां पदक है। मनु से पहले चारों एथलीट्स पुरुष थे। वह राज्यवर्धन सिंह राठौड़, अभिनव बिंद्रा, गगन नारंग और विजय कुमार के क्लब में शामिल हो गईं।

एशियाई खेलों की टीम में नहीं थीं मनु

महज नौ माह पहले तक मनु भाकर 10 मीटर एयर पिस्टल की भारतीय टीम में भी शामिल नहीं थीं। बीते वर्ष वह हांगझोऊ एशियाई खेलों में खेलीं, लेकिन इस इवेंट की टीम में नहीं थीं। यह वह इवेंट है जो उनके दिल के सबसे करीब है। एशियाड से पहले मनु भाकर ने पिछले सारे विवादों को भुलाकर कोच जसपाल राणा का हाथा थामा तो इसकी एक वजह 10 मीटर एयर पिस्टल में वापस प्रभुत्व स्थापित करना था। एशियाड के बाद मनु का समर्पण और जसपाल का साथ काम आया। मनु ने न सिर्फ 10 मीटर एयर पिस्टल की ओलंपिक टीम में जगह बनाई बल्कि शनिवार को क्वालिफाइंग दौर में 580 का विश्वस्तरीय स्कोर कर तीसरे स्थान पर रहते हुए इस इवेंट के फाइनल में भी जगह बनाई।

मनु 50 से अधिक अंतरराष्ट्रीय और 70 से अधिक राष्ट्रीय पदक जीत चुकी हैं। 2021 में हुए ओलंपिक में वह सातवें स्थान पर रहीं। 2023 में मनु ने एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीता था। वह पेरिस ओलंपिक में 21 सदस्यीय भारतीय शूटिंग टीम से कई व्यक्तिगत स्पधाओं में हिस्सा लेने वाली एकमात्र एथलीट हैं। हरियाणा के झज्जर में जन्मीं मनु भाकर ने स्कूल के दिनों में टेनिस, स्केटिंग और मुक्केबाजी समेत कई खेलों में हिस्सा लिया। मुक्केबाजी खेलते वक्त मनु के आंख पर चोट लग गई थी। इसी के बाद उनका बॉक्सिंग में सफर खत्म गया। हालांकि, मनु के अंदर खेलों को लेकर एक अलग जुनून था, जिसके चलते वह एक बेहतरीन निशानेबाज बनने में कामयाब रहीं। अब उन्होंने देश को गौरवान्वित किया है।

पीएम मोदी ने मनु भाकर को ओलंपिक मेडल जीतने पर दी बधाई

नयी दिल्ली : भारतीय निशानेबाज मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक 2024 में इतिहास रच दिया है। मनु भाकर ने भारत को पहला पदक दिलाते हुए महिला 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में कांस्य पदक अपने नाम कर लिया है। मनु भाकर की इस उपलब्धि पर पीएम मोदी ने उन्हें बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह एक एक अविश्वसनीय उपलब्धि है। पीएम मोदी ने पर पोस्ट करते हुए कहा, "एक ऐतिहासिक पदक! मनु भाकर बहुत बढ़िया, पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत का पहला पदक जीतने के लिए! कांस्य पदक के लिए बधाई। यह सफलता और भी खास है क्योंकि वह भारत के लिए निशानेबाजी में पदक जीतने वाली पहली महिला बन गई हैं। एक अविश्वसनीय उपलब्धि!"

सीएम हेमंत ने पहला पदक जीतने के लिए मनु भाकर को दी बधाई

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पेरिस ओलंपिक में अपने शानदार खेल से देश के लिए पहला पदक जीतने के लिए मनु भाकर को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि भारत को पहला पदक दिलाने पर उन्हें बहुत-बहुत बधाई और जोहार। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर उन्हें बधाई दी है।

राष्ट्रपति ने एक बड़े फेरबदल में कई राज्यों के राज्यपालों को बदला

संतोष गंगवार बने झारखंड के नये राज्यपाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बड़ा फेरबदल करते हुए कई राज्यों के राज्यपालों को बदल दिया है। राष्ट्रपति ने पुडुचेरी और चंडीगढ़ के उपराज्यपाल के साथ-साथ राजस्थान, तेलंगाना, सिक्किम, झारखंड, छत्तीसगढ़, मेघालय, महाराष्ट्र और मणिपुर के राज्यपाल बदले हैं। यही नहीं राष्ट्रपति ने पंजाब के राज्यपाल और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक के रूप में बनवारीलाल पुरोहित का इस्तीफा भी स्वीकार कर लिया है।

राष्ट्रपति भवन की ओर से शनिवार देर रात जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि के. कैलाशनाथन को उनके कार्यालय का कार्यभार संभालने की तारीख से पुडुचेरी का उपराज्यपाल नियुक्त किया गया है।

हरिभाऊ किसनराव बागड़े को राजस्थान का राज्यपाल नियुक्त किया गया है, जबकि जिष्णु देव वर्मा को तेलंगाना का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। ओम प्रकाश माथुर सिक्किम और बरेली के पूर्व सांसद सह पूर्व केंद्रीय मंत्री संतोष कुमार गंगवार झारखंड के नए राज्यपाल होंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार देर रात झारखंड सहित नौ राज्यों के लिए नये राज्यपालों की नियुक्ति पर मुहर लगायी।

संतोष गंगवार झारखंड के 12वें राज्यपाल के रूप में शपथ लेंगे। झारखंड के पूर्व राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को महाराष्ट्र का गवर्नर नियुक्त किया गया है। संतोष कुमार गंगवार का जन्म एक नवंबर 1948 को उत्तर प्रदेश के बरेली में हुआ। उन्होंने आगरा विश्वविद्यालय और रोहिलखंड विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त की। वह वर्तमान में सार्वजनिक उपक्रमों की समिति के अध्यक्ष हैं। इससे पूर्व वह केंद्र सरकार में श्रम और रोजगार मंत्रालय के स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री थे। वह आठ बार के सांसद रहे हैं। लोकसभा चुनाव 2024 में उन्हें टिकट नहीं मिला था।

रमेन डेका को छत्तीसगढ़ का राज्यपाल नियुक्त किया गया है जबकि सी.एच. विजयशंकर मेघालय के राज्यपाल होंगे।

झारखंड के राज्यपाल के साथ तेलंगाना का अतिरिक्त प्रभार संभालने वाले सी.पी. राधाकृष्णन को महाराष्ट्र का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया को पंजाब का राज्यपाल नियुक्त किया गया और उन्हें केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ का प्रशासक भी नियुक्त किया गया है। वहीं सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य को असम का राज्यपाल नियुक्त किया गया है और उन्हें मणिपुर के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी प्रेस बयान में कहा गया है कि उपरोक्त नियुक्तियां उनके संबंधित कार्यालयों का कार्यभार संभालने की तारीख से प्रभावी होंगी।

मुख्यमंत्री ने झारखंड के नव नियुक्त राज्यपाल संतोष गंगवार को दी शुभकामनाएं

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रविवार को एक्स पर लिखा कि झारखंड के नव नियुक्त राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार। झारखंड की महान और वीर भूमि पर आपका हार्दिक स्वागत और अभिनंदन है। साथ ही महाराष्ट्र के राज्यपाल नियुक्त किये जाने पर सीपी राधाकृष्णन को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। उल्लेखनीय है कि बरेली के पूर्व सांसद सह पूर्व केंद्रीय मंत्री संतोष कुमार गंगवार झारखंड के नए राज्यपाल होंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार देर रात झारखंड सहित नौ राज्यों के लिए नये राज्यपालों की नियुक्ति पर मुहर लगायी। संतोष गंगवार झारखंड के 12वें राज्यपाल होंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार देर रात झारखंड सहित नौ राज्यों के लिए नये राज्यपालों की नियुक्ति पर मुहर लगायी। संतोष गंगवार झारखंड के 12वें राज्यपाल के रूप में शपथ लेंगे। झारखंड के पूर्व राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को महाराष्ट्र का गवर्नर नियुक्त किया गया है। संतोष कुमार गंगवार का जन्म एक नवंबर 1948 को उत्तर प्रदेश के बरेली में हुआ। उन्होंने आगरा विश्वविद्यालय और रोहिलखंड विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त की। वह वर्तमान में सार्वजनिक उपक्रमों की समिति के अध्यक्ष हैं। इससे पूर्व वह केंद्र सरकार में श्रम और रोजगार मंत्रालय के स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री थे। वह आठ बार के सांसद रहे हैं। लोकसभा चुनाव 2024 में उन्हें टिकट नहीं मिला था।

रमेन डेका को छत्तीसगढ़ का राज्यपाल नियुक्त किया गया है जबकि सी.एच. विजयशंकर मेघालय के राज्यपाल होंगे।

झारखंड के राज्यपाल के साथ तेलंगाना का अतिरिक्त प्रभार संभालने वाले सी.पी. राधाकृष्णन को महाराष्ट्र का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया को पंजाब का राज्यपाल नियुक्त किया गया और उन्हें केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ का प्रशासक भी नियुक्त किया गया है। वहीं सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य को असम का राज्यपाल नियुक्त किया गया है और उन्हें मणिपुर के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी प्रेस बयान में कहा गया है कि उपरोक्त नियुक्तियां उनके संबंधित कार्यालयों का कार्यभार संभालने की तारीख से प्रभावी होंगी।

सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना से आठ लाख से अधिक बेटियों को मिल रही सहायता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना समाज कल्याण विभाग की एक आदर्श योजना के रूप में देखी जा रही है। इस योजना से नौ लाख किशोरियों को जोड़ने की योजना पर काम चल रहा है। फिलहाल लगभग आठ लाख छात्राओं को इसका लाभ मिल रहा है। सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत कुल पांच बार में 40 हजार तक आर्थिक सहायता सरकार की ओर से दी जाती है। यह सहायता वर्ग आठ से प्रारम्भ हो कर उनके 12वीं तक पहुंचने तक मिलती रहती है।

क्या है योजना

हेमंत सरकार के महिला प्रोत्साहन और उनके शिक्षा में बेहतरी के प्रयास के रूप में इस योजना को देखा जा रहा है। हेमंत सरकार की

सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना से अब तक लगभग 8 लाख किशोरियों को जोड़ा जा चुका है। वर्ष 2022-23 में जहां इस योजना के तहत 7,28,332, वर्ष 2023-24 में 7,15,061, वहीं वर्ष 2023-24 में 2,07,296 अब तक आवेदन स्वीकृत किये जा चुके हैं। सरकार का इस वित्तीय वर्ष में 9 लाख छात्राओं को इससे जोड़ने का लक्ष्य है।

इस योजना के तहत सरकारी स्कूल में वर्ग 8 से 12वीं तक की प्रत्येक स्कूली छात्रा को कक्षा आठ में 2,500, नौवीं में 2,500, 10वीं में 5,000, 11वीं में 5,000 और 12वीं में 5,000 रुपये की सहायता उनके बैंक खाते में दी जाती है। जब किशोरी की उम्र 18 की हो जाये और उसका मतदाता पहचान पत्र बन जाये तो उसे एकमुश्त 20 हजार रुपये दिया जाते हैं ताकि वो उस पैसे से आगे की पढ़ाई या कोई प्रशिक्षण ले कर स्वाबलंबी बन सके।

लाभकारी है यह योजना

हेमंत सरकार ने देखा आठवीं वर्ग से किशोरियों को पढ़ाई करने के लिए कई छोटी-छोटी जरूरतें होती हैं। इन जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य से यह योजना लायी गई है। अपने खाते में आए इस सरकारी सहायता का लाभ छात्राएं खूब उठा रही हैं। पढ़ाई की छोटी-मोटी जरूरत खाते में आये पैसे से पूरी हो जाती है। सबसे महत्वपूर्ण बात है कि यह सहायता सरकार द्वारा स्कूलों को दिए जा रहे सहायता के अतिरिक्त है। सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का सबसे बड़ा फायदा यह हुआ कि दूर-दराज के गांव की किशोरियां अब विद्यालय नियमित रूप से आ रही है। इस योजना के कारण ड्रॉप आउट के मामले काफी कम हुए हैं।

जयशंकर ने टोक्यो में महात्मा गांधी की प्रतिमा का किया अनावरण

नयी दिल्ली : विदेश मंत्री एस. जयशंकर वर्तमान में भारत, अमेरिका, आस्ट्रेलिया और जापान चार हिन्द प्रशांत देशों के समूह क्वाड की बैठक में शामिल होने के लिए टोक्यो की यात्रा पर हैं। आज उन्होंने यहां अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय एजेंडे की प्रगति पर चर्चा की। विदेश मंत्री ने एक्स पर तस्वीरों के साथ जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि दोनों देशों का द्विपक्षीय एजेंडा लगातार आगे बढ़ रहा है। साथ ही क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर उनकी और विदेश मंत्री ब्लिंकन की व्यापक चर्चा हुई। वे कल क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने को लेकर उत्सुक हैं। इससे पहले उन्होंने जापान में भारतीय समुदाय से मुलाकात की और टोक्यो के एडोगावा में महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण किया।

नक्सलियों का शहीदी सप्ताह शुरू, चाईबासा में की पोस्टरबाजी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चाईबासा : जिले के जराईकेला ओपी क्षेत्र पंचपहिया में शनिवार की देर रात नक्सलियों ने पोस्टरबाजी की है। पोस्टरबाजी कर नक्सलियों ने लोगों से शहीदी सप्ताह मनाने की अपील की है। पोस्टरबाजी की सूचना मिलने पर रविवार की सुबह पुलिस मौके पर पहुंचकर सभी पोस्टर को जब्त कर लिया।

भाकपा नक्सलियों का शहीदी सप्ताह रविवार से शुरू हो गया है। इसी को लेकर नक्सलियों ने अपनी मौजूदगी दिखाने की कोशिश की है। नक्सलियों ने पंचपहिया गांव के स्कूल से लेकर डोमलाई गांव और जराईकेला के विभिन्न जगहों पर भारी संख्या में पोस्टरबाजी की है। साथ ही नक्सलियों ने बुकलेट भी छोड़ा है। इसमें नक्सलियों ने आदिवासी भाषाओं का उपयोग करते हुए कई नारा लिखे हैं। नक्सलियों द्वारा लगाये गये बैनर में 28 जुलाई से तीन अगस्त तक क्रांतिकारी जोश और संकल्प के साथ शहीदी सप्ताह मनाने की बात लिखी गयी है। साथ ही पोस्टरों में माओवादी छापेमारी युद्ध नियमों का सृजनात्मक रूप से पालन करने, अनावश्यक नुकसान को कम करने और गुरिल्ला युद्ध में जीत के अनुपात को बढ़ाने जैसी बातों का उल्लेख किया गया है।

भाकपा माओवादी हर साल 28 जुलाई से तीन अगस्त तक शहीदी सप्ताह मनाते हैं। इस दौरान वे मारे गये अपने साथियों का स्मारक बनाकर उन्हें याद करते हैं। नक्सली इस दौरान अपने प्रभाव वाले इलाकों में ग्रामीणों को एकत्रित कर शहीदी सप्ताह मनाते हैं।

एक नजर

उदयभान नारायण सिंह ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों का किया दौरा

हजारीबाग : उदयभान नारायण सिंह ने हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र के लाल कोठी, ओकनी, नवाबगंज, एवं हुडहुडु मुहल्ले के दौरा किया। इसी क्रम में हुडहुडु मुहल्ले में वार्ड के प्रबुद्ध लोगों के साथ बैठक की । वार्ड के लोगों के द्वारा सिंह का गर्मजोशी से स्वागत किया। लोगों ने उन्हें वार्ड की समस्याओं से अवगत कराया। उदयभान नारायण सिंह ने अपने संबोधन में कहा सभी लोगो के सहयोग से वॉर्ड एवं शहर की सभी समस्याओं को निदान किया जायेगा। इस बैठक में मुख्य रूप से वार्ड पार्षद सुबोध पासवान, श्रवण कुमार, उमेश साव, दीपक पासवान, विभाष रंजन, भोला राणा, उमेश पासवान, जय पांडेय, पप्पु यादव, दिनेश कुमार, रौशन दत्ता, दिलचंद, राणा, सहित काफी संख्या मे लोग उपस्थित थे।

युवाओं को नहीं मिल रहा रोजगार पलायन को हैं मजबूर : केदार यादव

बरही : युवा नेता सह विधायक उम्मीदवार केदार यादव ने बरही विधानसभा क्षेत्र में युवाओं के रोजगार के प्रति चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि बरही औद्योगिक क्षेत्र होते हुए भी यहां के युवाओं को रोजगार के लिए पलायन करना पड़ रहा है। कहा कि यहां के जनप्रतिनिधियों की अनदेखी के कारण आज रोजगार के लिए युवा अपने आप को ठगा महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रोजगार की व्यवस्था, घर-परिवार की रोजी-रोटी चलाने के लिए क्षेत्र में तेजी से युवाओं का पलायन बढ़ रहा है। सरकार तमाम दावों के बावजूद युवाओं को रोजगार मुहैया कराने में नाकाम है। कहा कि पलायन रोकने के लिए लोगों को क्षेत्र में ही रोजगार उपलब्ध कराना होगा। गांवों में शिक्षा के साथ-साथ बिजली, आवास, सड़क, संचार, स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं पर विशेष ध्यान देकर लोगों के पलायन को रोकना उनकी पहली प्राथमिकता होगी।

कोबरा जवानों के सहयोग से नक्सली गतिविधियों में आई है कमी : उमाशंकर अकेला

बरही : केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की एक इकाई कोबरा बटालियन 203 का 16वां स्थापना दिवस मनाया गया। जिसके अंतर्गत सेना के जवानों द्वारा कोबरा परिसर में विभिन्न स्टाल लगाकर मेला का आयोजन किया गया। मेला का उद्घाटन बरही विधायक उमाशंकर अकेला, कोबरा 203 वाहिनी के कमाण्डेन्ट पवन सिंह ने फीता काटकर किया। जिसके बाद वीर गति को प्राप्त शहीदों को पुष्पांजलि व दीपप्रज्वलित कर विधिवत कार्यक्रम की शुरूवात हुई। इस दौरान जवानों के बीच कई खेल-प्रतियोगता का भी आयोजन किया गया। कोबरा कमांडेंट 203 के कमांडेंट पवन सिंह ने विधायक उमाशंकर अकेला को प्रतीक चिन्ह भेंटकर स्वागत किया। विधायक उमाशंकर अकेला ने कोबरा वाहिनी की प्रशंसा करते हुए कहा कि आज बरही में कोबरा स्थापित होने से यहां के लोग सुरक्षित महशुश करते है। आज पूरा बरही सुरक्षित है। उन्होंने कोबरा के जवानों से अनुशासन सीखने की नशीहतें दी।

युवा कांग्रेस हजारीबाग ने लॉन्च किया हर घर खटाखट कार्यक्रम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : चलो पंचायत - चलो वार्ड के नारे के साथ सरकार की योजनाओं की जानकारी और संगठन को मजबूत करेंगे हम - प्रकाश यादव हजारीबागः कांग्रेस कार्यालय में युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रकाश यादव व युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय समन्वयक प्रशांत तिवारी, जिला प्रभारी कुमार रोशन, हजारीबाग जिला कांग्रेस अध्यक्ष शैलेंद्र यादवऔर जिला युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष पवन यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर युवा कांग्रेस के हर घर खटाखट कार्यक्रम को लॉन्च किया। कार्यक्रम को लॉन्च करते हुए राष्ट्रीय समन्वयक ने कहा कि हर घर खटाखट कार्यक्रम के तहत युवा कांग्रेस के सभी कार्यकताओं को झारखंड सरकार की 10 योजनाओं की जानकारी जनता को देंगे और बताएंगे कि किस प्रकार झारखंड में कांग्रेस गठबंधन की सरकार ने साढ़े चार वर्षों तक जनता को सरकारी योजनाओं से लाभान्वित करने का काम किया है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष शैलेंद्र यादव ने कहा कि आज जिला में हर घर खटाखट कार्यक्रम लॉन्च किया जा रहा है और इस कार्यक्रम के तहत हमारे युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता चलो पंचायत - चलो वार्ड के नारे के साथ जिला के पंचायतों में चौपाल लगाकर सरकार द्वारा जनता को दी जा रही योजनाओं की जानकारी और चर्चा जनता के साथ करेंगे युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष प्रकाश यादव ने कहा कि कैसे झारखंड सरकार ने सर्वजन पेंशन,200 यूनिट बिजली फ्री,2 लाख तक कृषि ऋण माफी,अबुवा आवास योजना, सावित्रीबाई फुले योजना के माध्यम से 8 क्लास से लेकर 18 साल तक की छात्राओं को चालीस हजार रुपए,सोना सोबरन धोती साड़ी योजना, पुरानी पेंशन स्कीम योजना, मुख्यमंत्री बहन बेटी स्वावलंबन योजना के माध्यम से राज्य के करोड़ों लोगों को लाभान्वित करने का काम कर रही है। हजारीबाग जिला युवा कांग्रेस प्रभारी कुमार रोशन ने कहा कि हर घर खटाखट कार्यक्रम के साथ साथ ही युवा कांग्रेस पंचायत और बूथ के युवाओं से भी संवाद कर उन्हें संगठन में जोड़ने का काम करेगी। कार्यक्रम के दौरान जिला महासचिव पप्पू कुमार ,बरही विधानसभा अध्यक्ष मनोहर यादव, हजारीबाग कांग्रेस नगर अध्यक्ष मनोज नारायण भगत, सुशांत तिर्की, बड़कागांव से बाबर, ईश्वर राम, बरकट्ठा से सुजीत पासवान, लेखराज, बरही से बरही प्रखंड अध्यक्ष मंजीत यादव,चौपारण प्रखंड अध्यक्ष पंकज कुमार, पदमा प्रखंड अध्यक्ष, वीरेंद, अरुण, हजारीबाग से कटकमसांडी प्रखंड अध्यक्ष अजय पासवान, विधानसभा उपाध्यक्ष गालिब अहमद, नगर अध्यक्ष रौनक सिंह, अजय वर्मा, रोहित चंद्रवंशी, मीडिया प्रभारी जिला मोहम्मद खालीद, विकाश कुमार, चंदन कुमार आदि शामिल हुए।

हजारीबाग में बनेगा अयोध्या के तर्ज पर भव्य राम मंदिर : नीरज कुमार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : अयोध्या की तर्ज पर हजारीबाग में भी भव्य राम मंदिर बनेगा। मंदिर का निर्माण सिंघानी फोर लेन के नजदीक होगा। इसकी जानकारी भाजपा नेता सह मंदिर निर्माण कमिटी के अध्यक्ष नीरज कुमार गुप्ता ने दी। नीरज कुमार गुप्ता ने बताया कि इसके लिए राम मंदिर निर्माण हेतु कमेटी का भी विस्तार किया गया है। जिसमें नीरज कुमार गुप्ता को अध्यक्ष, बसंत कुमार मेहता, कुणाल यादव, रामप्रकाश चौधरी, नितेश सिंह, राजू मेहता, छोटी मेहता को सचिव जबकि सतीश पासवान, आशीष कुमार साव, दिलीप पासवान, रतिलाल मरांडी, सचिन यादव और रवि गुप्ता को उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं मिंटू नायक, सुनील मेहता, रंजीत राम, अमित गुप्ता, मुकेश कसेरा, सुमित कुमार को सदस्य बनाया गया है। संरक्षण समिति में पूर्व जीप अध्यक्ष ब्रजकिशोर जायसवाल, सांसद मनीष जायसवाल और हरि किशोर यादव को बनाया गया है। भूमि पूजन में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी मुख्य रूप से उपस्थित होंगे। नीरज गुप्ता ने बताया कि रामभक्तो के शहर हजारीबाग में भव्य राममंदिर बनाना मेरा सपना था, जिसे जल्द भूमि पूजन के साथ पूरा करेंगे। साथ ही कहा कि यह मंदिर का निर्माण मै अपने खर्च से करूंगा।

खपरैल कच्चे मकान के गरीबों को झारखंड सरकार देगी अबुवा आवास : आरसी मेहता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : मिट्टी और खपरैल से बने कच्चे मकान में के बासिंदो को झारखंड सरकार के द्वारा अबुवा आवास दिया जाएगा। अब बेघर नहीं रहेंगे गरीब। हर हरिया हर मुड़िया 5 किलो निशुल्क चावल सोनिया गांधी द्वारा 20 वर्षों पूर्व से दिया जा रहा है। यह मोदी सरकार के द्वारा संचालित किया गया योजना नहीं है आम नागरिकों के टैक्स की राशि द्वारा गरीबों को चावल दिया जा रहा है। यह बातें कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हजारीबाग विधानसभा के उपविजेता डॉ आरसी मेहता ने कटकमसांडी प्रखंड के सुदूर व्रती जंगल मैं बसा गांव ढाठवा में कहा। ढाठवा गांव आदिवासी एवं पिछड़ों गरीबों का गांव है इस गांव में आधी आबादी मिट्टी के कच्चे मकान में रहता है मैं प्रखंड के वीडियो जिले के उपयुक्त एवं झारखंड के मुख्यमंत्री माननीय हेमंत सोरेन से गुजरिस करता हूं कि ऐसे सभी आदिवासी स्वर्ण सहित मूलवासी जरूरतमंदों का निरीक्षण कर बिना भेदभाव के अबुवा आवास मुहैया कराया जाए। अबुवा आवास के नाम पर गांव में दोहन किया जा रहा है ऐसे दोहन कार्यों पर निगरानी रखा जाए। आज मैं जिस मकान के सामने खड़ा हूं यह मकान मोसामात बेवा कोईली मुंडा का है इनका पति मोचीराम मुंडा का लगभग एक माह पूर्व विषैला सांप के काटने से मृत्यु हो चुका है पत्नी और परिवार के सदस्य बेसहारा हो चुके हैं सांप के काटने के बाद रोगी को कटकमसांडी के सरकारी अस्पताल ले जाया गया था जहां मृत्यु घोषित कर दिया गया था किसका पोस्टमार्टम नही कराया गया। आपदा के तहत 4-5 लख रुपए आपदा प्रोत्साहन राशि मिलता जो नहीं मिला। कटकमसांडी प्रखंड विकास पदाधिकारी का कर्तव्य बनता है कि मृतक परिवार को प्रोत्साहन राशि एवं अबुवा आवास देने का प्रक्रिया शुरू करें।

भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद ने नवजीवन हेल्थ केयर थेरेपी सेंटर का किया उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : लोहसिधंना रोड डॉ अनवर इकराम के समीप नवजीवन हेल्थ केयर थेरेपी सेंटर का उद्घाटन रविवार को भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद के द्वारा फीता काटकर किया गया इस अवसर पर उनके साथ जिला परिषद की सदस्य मंजू नंदिनी गदोखर के मुखिया नारायण साहू सहित कई विशिष्ट लोग मौजूद रहे। इस थेरेपी सेंटर में माइग्रेन, सिर दर्द, सर्भाइकल स्पन्डलाटिस, मधुमेह / डायबीटीज, पीठ दर्द, कमर दर्द, साईटिका, घुटनों का दर्द, अर्थराइटिस, कंधों का जकड़न, लकवा, नस रोग, पेट की गड़बड़ियाँ, मांसपेशियों का दर्द, आँख और कान की समस्यायें, मोटापा/अधिक वजन, उच्च/निम्न रक्तचाप, एनिमिया जैसे अनेकों बीमारियों की जांच एक छत के नीचे किया जाएगा। संचालक पिंकू गुप्ता ने बताया कि लोगों को किफायती दरों में यह सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, शहर वासियों को शहर से बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। मौके पर प्रदीप प्रसाद ने पत्रकारों से वातार्लाप करते हुए सेंटर की जरूरत और महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस तरह के सेंटर से समुदाय को मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी। इस सेंटर को समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन बताया। उन्होंने यह भी बताया कि इस सेंटर के माध्यम से लोगों को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता और सहायता मिलेगी, जिससे समाज में सकारात्मक बदलाव आएगा। साथ ही कहा संचालक को इस नए कार्य हेतु बहुत-बहुत बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं।

समाजसेवियों के सहयोग से दो मुहाना श्मशान घाट का किया गया समतलीकरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत कुमार के नेतृत्व में पश्चिमी पंचायत अंतर्गत दो मुहाना श्मशान घाट का समतलीकरण कर सुंदरीकरण किया गया। श्मशान घाट समतलीकरण में सहयोग करने वालों में मुख्य रूप से शमशान घाट सेवा समिति बड़कागांव के अध्यक्ष दिनेश सिंहा, अनुज कुमार, बीरेंद्र प्रसाद, दीपक कुमार और गणेश प्रसाद आदि हैं। बता दें कि उक्त शमशान घाट बरसात के कारण पूरा झाड़ियां से भर गया था जिससे अंतिम संस्कार करने में काफी दिक्कतें हो रही थी। मुखिया रंजीत कुमार ने कहा कि बहुत जल्द दो मुहाना शमशान घाट को सुंदरीकरण कर भगवानी की जाएगी। मौके पर मुख्य रूप से मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत कुमार, बीरेंद्र प्रसाद, दीपक कुमार, अनुज कुमार, सुजीत कुमार, गणेश प्रसाद, हरिश्चंद्र कुमार, फुलेंद्र कुमार, पारसनाथ महतो, सुरेंद्र कुमार, तुलसी कुमार, के अलावा दर्जनों लोगों उपस्थित थे।

रामचरितमानस सेवा संस्थान के अध्यक्ष संजय सिंह ने जिला कार्यालय का किया उद्घाटन

अगले 3 महीने में सेवा करने के कई रोड मैप कर चुका हूं तैयार, जनता के लिए रहूंगा सदैव समर्पित : संजय सिंह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग के वेल्स ग्राउंड के समीप श्री रामचरित मानस सेवा संस्थान के जिला कार्यालय का उद्घाटन सावन की दूसरी सोमवारी से पूर्व रविवार को संस्था के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने विधिवत रूप से फीता काटकर उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने समाज के प्रति निस्वार्थ भाव से कार्य करने वाले समस्त पत्रकार साथियों को रामचरित मानस पुस्तिका एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया। इसके बाद संजय सिंह ने श्री राम चरित मानस सेवा संस्थान के विषय में प्रकाश डालते हुए कहा की पूरे भारतवर्ष में कई कार्यालय लोगों की सेवा में संचालित है उन्हीं कार्यालय में से एक हजारीबाग में कार्यालय का उद्घाटन किया गया। आम जनता को हो रही रक्त की समस्याओं को दूर करने के लिए एक भव्य रक्तदान शिविर तथा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। गरीब बच्चों को उचित शिक्षा देने के लिए कार्य किया जाएगा गरीब बेटियों के कन्यादान करने हेतु कार्य किया जाएगा भाव संकल्प का लेकर हम चले हैं जनता के बीच। साथ ही उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि ऐसे कई गरीब बच्चे हैं जो खिलौने से वंचित रहते हैं उनके लिए खिलौना बैंक अर्थात टॉय बैंक संचालित किया जाएगा संचालित किया जाएगा। जिनके पास अधिक टॉय है वह हमारे कार्यालय में जमा कर सकते हैं ताकि हम गरीब वंचित बच्चों को वह उपलब्ध करवा कर उनके चेहरे पर खुशी लाने का प्रयास कर सके बहुत ही जल्द संस्था के द्वारा ओल्ड एज होम के बुजुर्गों को रजरप्पा मां छिन्नमस्तिका के भव्य दरबार में दर्शन कराया जाएगा। इसके अलावा उन्हें वस्त्र भेंट किया जाएगा हर 6 महीने में स्वास्थ्य शिविर आयोजन कर उनके स्वास्थ्य की ध्यान रखी जाएगी। बनकर बेटा करूंगा कम, आशीर्वाद देना जनता जनार्दन का काम। पत्रकारों को संबोधित करते हुए संजय सिंह ने कहा कि हजारीबाग से मेरा पुराना संबंध है यहां के लोग काफी मधुर व्यक्तित्व के धनी है इनके बीच सेवा का कार्य करना मेरे लिए बड़ा ही सौभाग्य का पल होगा साथ ही उन्होंने कहा कि लोगों की सेवा निस्वार्थ भाव से करना ही मेरा सबसे बड़ा उद्देश्य होगा, अगले 3 महीने में सेवा करने के कई रोड मैप कर चुका हूं तैयार, जनता के लिए रहूंगा सदैव समर्पित इसी भाव से हजारीबाग जिले में सेवा के प्रति समर्पित हो रहा हूं । मौके पर श्री राम चरित मानस संस्थान से जुड़े समस्त पदाधिकारियों एवं सदस्य गण मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

आजादी के बाद से उपेक्षित था गांव अब विधायक की पहल से बनेगा करोड़ों का पुल

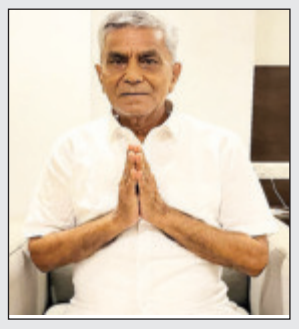

चौपारण : बरही विधायक सह निवेदन समिति के सभापति उमाशंकर अकेला प्रखण्ड के चहुँमुखी विकास की गाथा लगातार लिख रहे हैं। जिसमें कई ऐसी योजनाओं का भी कार्य हुआ है जो आजादी के बाद भी नहीं हो पाया था। ऐसा ही एक और योजना का कार्य विधायक बरही विधायक उमाशंकर अकेला के अथक प्रयास से होने जा रहा है। विधायक मीडिया प्रभारी मनोज कुमार यादव ने बताया कि चौपारण प्रखंड के सुदवर्ती गांव ग्राम पिपराकोनी जो आजादी के बाद भी मुख्यालय से अछूता है। बरसात के दिनों में नदी में पानी भरने के बाद गांव के लोगों को मुख्यालय आने के लिए भी सोचना पड़ता है, स्कूली बच्चों की पढ़ाई हो या बीमार लोगो को अस्पताल लाना, काफी मुश्किल हो जाता है। अब विधायक अकेला के प्रयास के बाद 3,20,68000 (तीन करोड़, बीस लाख,अड़सठ हजार) की लागत से पुल का निर्माण होने जा रहा है। जिसका ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग से निविदा(टेंडर) निकल चुका है। इस पूल के निर्माण होने से ग्राम पथलगड़वा, बुकाड आना जाना काफी सुगम हो जायेगा।

अंबा प्रसाद की पहल से बुढ़वा महादेव मंदिर में विद्युतीकरण का कार्य युद्ध स्तर पर जारी

बड़कागांव : सावन के महीने में विधायक अंबा प्रसाद द्वारा बड़कागांव बुढ़वा महादेव मंदिर तक विद्युतीकरण का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। लगातार प्रयासों के बाद विधायक अंबा प्रसाद के निदेर्शानुसार कार्य धरातल पर उतर गया है, बिजली के खंभे लगे शुरू हो गए हैं, ऊपर मंदिर में ट्रांसफार्मर भी उपलब्ध कराया जायेगा। विधायक कार्यालय के कर्मचारी स्वयं स्थल पर मौजूद होकर अपने देख रेख में कार्य करवा रहे है। वहीं इस अवसर पर प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए विधायक ने कहा कि बुढ़वा महादेव मंदिर को पर्यटन क्षेत्र घोषित करने का कार्य किया गया है जिसके बाद मंदिर में माल बहुत सुविधा उपलब्ध कराने का कार्य तेजी से जारी है वही मंदिर के विकास के लिए रूपरेखा तैयार की जा रही है विगत दिनों जिला कार्यक्रम पदाधिकारी समेत कई अधिकारियों ने बुढ़वा महादेव मंदिर में विकास कार्यों को लेकर निरीक्षण एवं प्राक्कलन तैयार करने का निर्देश दिया है। वहीं बुढ़वा महादेव मंदिर तक बिजली पहुंचाने के नेक कार्य के लिए स्थानीय विधायक सुश्री अंबा प्रसाद का शिव भक्तो ने आभार व्यक्त किया है। आभार व्यक्त करने वालों में पूर्व प्रखंड अध्यक्ष विशेश्वर नाथ चौबे, मनोज ठाकुर, पंचम कुमार, विक्की कुमार, परमेश्वर मेहता, अनुराग बसु, भीमदेव, गणेश महतो, कुलदीप राणा, रोहित ठाकुर, संजीत राम, अनिल राणा, बनवारी राम, महेश राम सहित कई लोग शामिल थे।

भाजपा जिला अध्यक्ष सड़क दुर्घटना में हुए घायल सांसद मनीष जायसवाल ने जाना कुशलक्षेम

हजारीबाग : हजारीबाग के भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानन्द सिंह की गाड़ी अनियंत्रित होने से कटकमसांडी के कंचनपुर पंचायत स्थित ग्राम हेडलाग के मोहडर के समीप रविवार को सड़क दुर्घटना हो गया। वे कटकमसांडी प्रखंड में आयोजित भाजपा के बूथ अध्यक्षों के सम्मान समरोह में भाग लेकर लौट रहें थे। गाड़ी खुद भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह ड्राइव कर रहे थे और उनके साथ भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाशपति ओझा, सुमन कुमार पप्पू, मनोज गिरी और विवेक जोशी गाड़ी में बैठे थे। दुर्घटना में भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानन्द सिंह के सिर पर चोट लगी और मनोज गिरी का हाथ डिस्लोकेट हो गया बाकी लोगों को चोट नहीं आई है। घायल अवस्था में भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानन्द सिंह सहित अन्य घायल को तत्काल शहर के हरनगंज रोड़ स्थित वीणा जेनरल हॉस्पिटल में इलाज के लिए हुए भर्ती कराया गया जहां भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह का स्टिच लगाकर छुट्टी कर दिया गया। रेस्ट के लिए उन्हें तत्काल उनके घर ले जाया गया । रविवार को ही हजारीबाग से लोकसभा सत्र के लिए दिल्ली के लिए रवाना हुए हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल को जैसे ही सुचना प्राप्त हुई तत्काल उन्होंने अपने प्रतिनिधि के रूप में रंजन चौधरी को अस्पताल भेजा। रंजन चौधरी तत्काल अस्पताल पंहुचे और घायल जिला अध्यक्ष विवेकानन्द सिंह, मनोज गिरी सहित अन्य का कुशलक्षेम जाना और इसकी सूचना सांसद मनीष जायसवाल को दी। सांसद मनीष जायसवाल ने भी भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानन्द सिंह और अन्य घायलों से मोबाइल के जरिए बात करके उनका कुशलक्षेम जाना एवं ईश्वर का शुक्रिया जताया की सड़क दुर्घटना होने के बावजूद भाजपा जिला अध्यक्ष सहित अन्य भाजपा नेता सुरक्षित हैं। सांसद मनीष जायसवाल ने ईश्वर से भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानन्द सिंह सहित अन्य घायलों के जल्द स्वास्थ्य लाभ की कामना भी की ।

भाजपा पश्चिमी मंडल का बूथ कार्यकर्ता सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

कटकमसांडी : कटकमसांडी मुख्यालय अंतर्गत कटकमसांडी पंचायत भवन सभागार में कटकमसांडी भाजपा पश्चिमी मंडल की ओर से सभी पंचायत के बूथ अध्यक्षों को सम्मान समारोह का कार्यक्रम भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह के नेतृत्व में आयोजन किया गया था। इस सम्मान समारोह का मुख्य अतिथि भाजपा के जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह जी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य केपी ओझा, जिला के युवा महामंत्री सुमन कुमार पप्पू शामिल हुए। कार्यकर्ता संगठन के रीढ़ होते हैं इसलिए वे सदैव सम्मान के पात्र होते हैं। खासकर वैसे कार्यकर्ता जिन्होंने पार्टी को अपने परिश्रम के बल पर सींच कर इतना बड़ा रूप दिया है। पंचायत भवन सभागार में भाजपा द्वारा वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और बूथ अध्यक्षों के सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने यह बातें कही। उन्होंने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं. दीनदयाल उपाध्याय जैसे लोगों के परिश्रम का ही परिणाम है कि आज भाजपा का स्वरूप इतना बड़ा हुआ है।

एक नजर

रांची से होकर चलने वाली भुवनेश्वर-धनबाद स्पेशल ट्रेन को मिला विस्तार

रांची : यात्रियों की सुविधा के लिए रेल मंत्रालय ट्रेनों के परिचालन में विस्तार कर रहा है। वहीं ट्रेनों में सुविधाएं भी बढ़ाई जा रही है। अब रेलवे ने ट्रेन संख्या 02832/02831 भुवनेश्वर-धनबाद-भुवनेश्वर स्पेशल ट्रेन वाया-रांची के परिचालन अवधि में विस्तार किया गया है। जिसके तहत ट्रेन संख्या 02832 भुवनेश्वर-धनबाद स्पेशल ट्रेन वाया रांची, यात्रा प्रारंभ दिनांक 31-07-2024 से यात्रा प्रारंभ दिनांक 29-09-2024 तक प्रतिदिन भुवनेश्वर से प्रस्थान करेगी। वहीं ट्रेन संख्या 02831 धनबाद-भुवनेश्वर स्पेशल ट्रेन वाया-रांची यात्रा प्रारंभ दिनांक 01-08-2024 से यात्रा प्रारंभ दिनांक 30-09-2024 तक प्रतिदिन धनबाद से प्रस्थान करेगी। इन ट्रेनों की समय सारणी, ठहराव एवं कोच संयोजन पूर्ववत रहेंगे।

संत जेवियर्स कॉलेज के यूजी सेमेस्टर-दो की परीक्षाएं 22 से

रांची : रांची के संत जेवियर्स कॉलेज के यूजी और पीजी सेमेस्टर दो की परीक्षाएं 22 अगस्त से शुरू होंगी। मिली जानकारी के अनुसार यूजी एनईपी, सीबीसीएस और पीजी सीबीसीएस एंड सेमेस्टर की परीक्षाएं होंगी। इसमें आखिरी क्लास 7 अगस्त तक होगी। छात्र 16 अगस्त से 20 अगस्त तक एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकेंगे। वहीं, एंड सेमेस्टर परीक्षा की शुरूआत 22 अगस्त से होगी।

सीसीएल ने खान सुरक्षा में जीते दो पुरस्कार

रांची : सीसीएल ने रविवार को कोलकाता में आयोजित खान सुरक्षा पुरस्कार-2024 समारोह में दो पुरस्कार जीते। खान सुरक्षा महानिदेशालय (डीजीएमएस) के तत्वावधान में कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सयाल डी ओपनकास्ट खदान को लघु ओपनकास्ट खदान श्रेणी में प्रथम पुरस्कार और अशोक ओपनकास्ट खदान को मध्यम ओपनकास्ट खदान में द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कार के इतिहास में पहली बार कोयला, धातु और तेल खनन कंपनियों के प्रतिभागियों ने एक साथ भाग लिया। खान सुरक्षा महानिदेशक प्रभात कुमार अवसर विशेष पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे जबकि कोल इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष पीएम प्रसाद ने समारोह की अध्यक्षता की। डीजीएमएस, कोल इंडिया लिमिटेड और अन्य कंपनियों के सामूहिक प्रयासों ने खदानों में उच्च सुरक्षा मानकों को बनाए रखने के महत्व को सफलतापूर्वक प्रदर्शित किया।

झामुमो की मजबूती के लिए बूथ स्तर पर कार्यक्रम करने का निर्देश

रांची : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के रांची और गढ़वा जिला के पंचायत स्तरीय कार्यकताओं की बैठक रांची के हरमू स्थित सोहराई भवन में रविवार को हुई। पार्टी के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने बैठक में आए कार्यकताओं के मन में राज्य की लोक कल्याणकारी योजनाओं के सम्बन्ध में उठ रहे जिज्ञासा को शांत किया और पार्टी की मजबूती के लिए बूथ स्तर पर कार्यक्रम करने का निर्देश दिया। साथ ही राज्य सरकार की ओर से चलाए जा रहे लोक कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार करने और सांगठनिक रूप से युद्ध स्तर पर कार्यक्रमों को आयोजित कर योजनाओं का लाभ राज्य के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य सुनिश्चित करने को कहा।

केंद्र शासित राज्य बनाने वाले बयान पर जेएमएम ने बीजेपी सांसद निशिकांत को घेरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : बीजेपी सांसद निशिकांत दूबे के क्रेंद्र शासित राज्य बनाने वाले बयान पर आज जेएमएम ने सांसद को घेरा। जेएमएम प्रवक्ता सुप्रीयो भट्टाचार्य ने आज प्रेस वार्ता कर कहा कि बीजेपी ने देश में विभाजनकारी राजनीति की बुनियाद रखी है। इसका नतीजा बहुत गंभीर होने वाला है। आपको थाड़ा पीछे ले जाना चाहते हैं। कहा, बीजेपी ने जब यहां विधासभा चुनाव के लिए अपने अभियान की शुरूआत की तो मध्यप्रदेश के पूर्व सीएम और मौजूदा केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौरहान को चुनाव प्रभारी बनाया गया। सह प्रभारी बनाये गये असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा। कहा जिस दिन से चुनावी अभियान में इनका प्रवेश हुआ, उस दिन से झारखंड में धर्म का जहर घोला जा रहा है। जहर घोलने का ये काम समाज में लगातार हो रहा है। इसका नतीजा ये हुआ कि बीजेपी के गोड्डा सासंसद निशिकांत ने संसद में एक बयान दिया। ये बांग्लादेश घुसपैठिया से संबंधित है। सासंद ने कहा झारखड का संथाल परगना प्रमंडल, बिहार का कोशी प्रमंडल और बंगाल के मालदा और कुछ औ? हिस्से को अलग करके केंद्र प्रशासित राज्य बनाया जाये।

ये कोई साधारण बयान नहीं

सुप्रीयो ने कहा, ये कोई साधारण बयान नहीं है। ये अचानक से दिया गया बयान नहीं है। ये एक सोची-समझी साजिश के तहत दिया गया बयान है। कहा, झारखंड, बिहार और प बंगाल को विखंडित करने के लिए, ये बीजेपी की दूरगामी सोच है। कहा, झारखंड में इस साल चुनाव होने है। 2025 में बिहार में चुनाव होने हैं। साथ ही 2026 में प बंगाल में चुनाव होना है। कहा, निशिकांत के बयान को इसी संदर्भ में देखना चाहिये। कहा 2019 को 5 अगस्त के दिन जम्मू कश्मीर को विखंडित कर दिया गया, जो भारत के संघीय ढांचे का एक अटूट हिस्सा था। राज्य का दर्जा छीन लिया गया। इस राज्य को दो हिस्सों में बांट दिया गया। एक लद्दाख का इलाका और दूसरा जम्मू यानी घाटी का इलाका। कहा कि झारखंड के साथ तीन राज्यों को भी इसी तरह से बांटने की साजिश की जा रही है। कहा कि जम्मू-कश्मीर के विभाजन को आगामी पांच अगस्त को पांच साल हो जायेंगे। लेकिन वहां विधानसभा का चुनाव नहीं हुआ है।

संसद में क्या कहा निशिकांत ने

बता दें कि 25 जुलाई को संसद में बीजेपी सांसद निशिकांत ने कहा, 'मालदा, मुर्शिदाबाद, अररिया, साहिबगंज, किशनगंज, कटिहार को यूनियन टेरिटरी बनाइए नहीं तो हिंदू खाली हो जाएंगे। ठफ्ठ लागू करिए। ममता बनर्जी की पुलिस और मालदा-मुर्शिदाबाद से लोग हमारे यहां आकर हिंदुओं को भगा रहे हैं।' सासंद के इस बयान का व्यापक पैमाने पर विरोध हो रहा है। कल केंद्र शासित राज्य बनाने वाले बयान पर जेएमएम ने बीजेपी सांसद निशिकांत को घेरा रांची जिला समिति द्वारा रांची के फिरायालाल चौक में सांसद निशिकांत दूबे का पुतला दहन किया गया था।

नक्सलियों के शहीदी सप्ताह के मद्देनजर पुलिस अलर्ट : आईजी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भाकपा माओवादियों के शहीद सप्ताह को लेकर झारखंड पुलिस पूरी तरह से अलर्ट है। आईजी अभियान सह पुलिस प्रवक्ता एवी होमकर ने आज बताया कि भाकपा माओवादी नक्सली संगठन की ओर से चारु मजूमदार और कन्हाई चटर्जी के शहादत दिवस पर रविवार से तीन अगस्त तक एक सप्ताह का शहीद सप्ताह मनाये जाने की खबर प्राप्त हुई है। नक्सलियों के जरिये पोस्टर एवं पम्पलेट के माध्यम से दहशत फैलाने का प्रयास किया गया है। आईजी ने बताया कि इस अवधि में नक्सलियों के जरिये सरकारी सम्पति, सड़क और रेल की सम्पतियों को नुकसान पहुंचाने का का प्रयास किया जा सकता है। नक्सली अब सिमट कर कुछेक इलाकों में रह गये हैं, जिसमें चाईबासा के सारंडा, कोल्हान, सरायकेला, लातेहार, चतरा- गया बोर्डर और पारसनाथ में संयुक्त सुरक्षा बलों के जरिये लगातार अभियान चलाये जा रहे हैं। नक्सलियों के जरिये विशेष कर रेल मार्ग एवं सड़कों पर जहां छोटी-मोटी घटनाएं कारित कर अपना अस्तित्व बचाने का प्रयास किया जा रहा है। जनमानस की सुरक्षा, सरकारी सम्पति की सुरक्षा पब्लिक ट्रांसपोर्ट एवं ग्रामीणों के बीच सुरक्षा की भावना उत्पन्न करने के लिए पुलिस मुख्यालय के जरिये पर्याप्त संख्या में संयुक्त सुरक्षाबलो की तैनाती की गयी है। होमकर ने बताया कि पुलिस नक्सलियों के एक सप्ताह के शहीद सप्ताह को विफल करने के लिए पूरी तरह मुस्तैद है। इसी क्रम में चाईबासा के कोल्हान सारंडा क्षेत्र में सुरक्षा बलों को क्षति पहुंचाने के उद्देश्य से आईईडी, नक्सली पोस्टर बरामद किये गये हैं। इस दौरान भी चाईबासा के टोन्टो थानान्तर्गत तुम्बाहाटा क्षेत्र में सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने के नापाक मंसूबे को विफल करते हुए पांच किलो आईईडी बरामद किया गया। नक्सलियों के जरिये खुद को बचाने के उद्देश्य से लगाये जाने वाले विस्फोटकों से काफी संख्या में ग्रामीणों को क्षति पहुंचती है। उन्होंने बताया कि दिनों-दिन नक्सलियों का जनाधार घट रहा है और उनकी बौखलाहट सामने आ रही है। उनके जरिये अपना वजूद बचाने का प्रयास किया जा रहा है।

खादगढ़ा बस स्टैंड से पुलिस ने अफीम के साथ तस्कर को किया गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के खादगढ़ा बस स्टैंड से पुलिस ने अफीम के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस को ये सफलता सिटी डीएसपी के नेतृत्व में एसएसपी के क्यूआरटी टीम की ओर से की गयी छापेमारी में मिली है। पुलिस ने इस बाबत बताया है कि राजधानी रांची के लोअर बाजार थाना क्षेत्र स्थित खादगढ़ा बस स्टैंड से अफीम के साथ एक तस्कर को एसएसपी की क्यूआरटी टीम ने गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक पकड़ा गया तस्कर अफीम की खेप चौपारण ले जाने के फिराक में था। हालांकि इसकी भनक पुलिस को लगी तो बस स्टैंड में छापेमारी कर तस्कर को दबोच लिया। वहीं अफीम भी बरामद किया गया है। फिलहाल तस्कर से पुलिस पूछताछ कर रही है। बरामद अफीम की कीमत कितनी है, इस बारे में पुलिस ने जानकारी नहीं दी है।

संताल परगना में 25 से 30 प्रतिशत डेमोग्राफी बदली : आशा लकड़ा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची की पूर्व मेयर सह राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य आशा लकड़ा ने कहा कि संताल परगना प्रमंडल की डेमोग्राफी तेजी से बदल रही है। बांग्लादेशी मुसलमान वहां की आदिवासी युवतियों से शादी कर उनकी जमीन हड़प रहे हैं। स्थिति इतनी भयावह हो गई है कि बांग्लादेशी मुसलमानों के कारण वहां के आदिवासी समुदाय उनके खिलाफ कुछ भी नहीं बोल पा रहे हैं और ना ही उनके खिलाफ थाना में एसटी केस दर्ज करा पा रहे हैं। आशा लकड़ा ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन में कई उदाहरणों को भी सामने रखा। उन्होंने कहा कि इन उदाहरणों से स्पष्ट हो जाएगा कि बांग्लादेशी मुसलमान कैसे संथाल परगना की भोली-भाली आदिवासी युवतियों से शादी कर डेमोग्राफी को चेंज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेशी मुसलमानों के कारण संताल परगना में 25 से 30 प्रतिशत डेमोग्राफी चेंज हो चुका है। हालात ऐसे ही रहे तो वहां भी बंगाल जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाएगी।

सेना भर्ती रैली के दूसरे दिन 645 युवाओं ने लिया हिस्सा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्य के सभी जिलों के अभ्यर्थी अग्निवीर ट्रेड्समैन आठवीं और दसवीं श्रेणी के लिए खेलगांव के स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स के मैदान में शारीरिक दक्षता परीक्षा में शामिल हुए। सेना भर्ती के दूसरे दिन रविवार को लगभग 645 उम्मीदवारों ने हिस्सा लिया। इसी बीच उम्मीदवारों का जोश और जुनून उच्च स्तर का देखने को मिला। मौसम बहुत ही सुहावना रहा । मौसम को ध्यान में रखते हुए दौड़ सुबह लगभग 03.30 बजे शुरू हुई। जांबाज युवाओं ने अपने पूरे जोश और जुनून के साथ भारतीय सेना में शामिल होने के लिये शारीरिक दक्षता परीक्षा में हिस्सा लिया। रैली स्थल पर बार कोड रीडर की मदद से अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड को स्कैन करने के बाद उन्हें बैचिंग एरिया में बैच संख्या आवंटित की जाती है। रन वेटिंग एरिया में जाने के बाद, बैच की क्रम संख्या के अनुसार उन्हें 1.6 किलो मीटर दौड़ में हिस्सा लेना होता है। इस पड़ाव को सफलता पूर्वक पार करने के बाद सफल अभ्यर्थियों का बायोमेट्रिक प्रणाली के माध्यम से वेरिफिकेशन तथा रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया के तहत सम्पूर्ण डेटा कम्प्यूटर में दर्ज किया जा रहा है। रैली स्थल पर अभ्यर्थियों एवं उनके तमाम दस्तावेजों की सैन्य टीम की ओर से गहनता से जांच की जा रही है। सफल और योग्य उम्मीवारों को शाम को मेडिकल जांच के लिए मेडिकल स्लिप जारी की जाती है। अगले दिन सुबह और निर्धारित दिन सफल अभ्यर्थियों की सैन्य चिकित्सा अधिकारियों द्वारा मेडिकल जांच प्रकिया शुरू होती है। सभी उम्मीदवारों को अपने आपको मेडिकल जांच के लिए अनुरूप मानदण्डों के अनुसार तैयार होकर आने को कहा गया। रैली स्थल पर जिला प्रशासन के सहयोग से सेना भर्ती कार्यालय रांची की ओर से रैली स्थल पर अभ्यर्थियों की हर सुविधा का ध्यान रखा जा रहा हैं। अभ्यर्थियों के लिए पानी की सुविधा का खास ध्यान रखा गया। इसके साथ साथ उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा भी उम्मीदवारों के लिए तैयार रही।

मवेशीपालन से समुचित लाभ के लिए बेहतर प्रजनन प्रबंधन की जरूरत: डॉ अमरीश त्यागी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नयी दिल्ली के सहायक महानिदेशक (पशु पोषण एवं दैहिकी) डॉ अमरीश कुमार त्यागी ने मवेशी पालन से समुचित लाभ के लिए गाय-भैंस के प्रजनन प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि मवेशियों में हीट की एक भी अवधि मिस करने पर लाखों का नुकसान हो सकता हैक सही प्रजनन प्रबंधन से इन पशुओं से वर्ष में 300 दिन तक दुग्ध प्राप्त किया जा सकता है जबकि ध्यान नहीं देने से इसकी आधी अवधि में ही दुग्ध मिल पायेगा। डॉ त्यागी रविवार को बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के खरीफ अनुसंधान परिषद की दोदिवसीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पशुपालन में 70-80 प्रतिशत लागत उनके चारा-दाना पर आती है इसलिए स्थानीय रूप से उपलब्ध पोषकता से भरपूर चारा एवं औषधीय पौधों का इस्तेमाल उनके आहार में करना चाहिए। वैज्ञानिकों को इन पहलुओं पर शोध अनुशंसा पशुपालकों को उपलब्ध कराना चाहिए कृषि उपज, मांस एवं दुग्ध के प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि प्रसंस्कृत उत्पाद की पोषकता एवं विशिष्टता की बढ़िया से ब्रांडिंग और मार्केटिंग की जानी चाहिए ताकि बेहतर मूल्य मिल सके। वन उत्पादकता संस्थान, रांची के निदेशक डॉ अमित पांडेय ने वैसे अनुसंधान को प्राथमिकता देने की वकालत की जिससे समाज में परिवर्तन आ सके तथा किसान उसे आसानी से अपना सकें। बीएयू के कुलपति डॉ एससी दुबे ने देशी पशु नस्लों के आनुवंशिक सुधार, पशु रोगों के सिस्टेमेटिक सर्वेक्षण, जांच एवं टीकाकरण, पशुओं को दिए जा रहे खाद्य पदार्थों के सुरक्षा पहलुओं एवं पोषण संवर्धन पर अनुसंधान कार्यक्रम सुदृढ़ करने पर जोर दिया कउन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के पशु प्रक्षेत्रों की स्थिति बेहतर बनाने की काफी संभावना है। उनके वैज्ञानिक प्रबंधन, सूचनाओं के इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले तथा प्रक्षेत्रों के काम पर शोधपत्र के प्रकाशन की जरुरत है। अनुसंधान निदेशक डॉ पीके सिंह ने स्वागत भाषण करते हुए शोध उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। बैठक में पशुचिकित्सा एवं वानिकी संकाय के विभागाध्यक्षों एवं वैज्ञानिकों ने विभाग की वर्ष 2023 की अपनी अनुसंधान उपलब्धियां का विवरण तथा खरीफ 2024 का तकनीकी कार्यक्रम प्रस्तुत किया कबीएयू के पूर्व कुलपति डॉ जीएस दुबे, केंद्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक डॉ एनबी चौधरी तथा कृषि प्रणाली का पहाड़ी एवं पठारी अनुसंधान केंद्र, पलांडू के प्रधान वैज्ञानिक डॉ एके सिंह ने शोध कार्यक्रमों में सुधार के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

संक्षिप्त खबरें

रांची के सिख समुदाय ने 'लहू बोलेगा' संगठन को किया सम्मानित

रांची : रविवार को रांची के सिख समुदाय द्वारा लहू बोलेगा संगठन को सम्मानित किया गया। संगठन की ओर से संस्थापक नदीम खान ने मेडल व स्मृति पत्र ग्रहण किया। मौके पर गुरुनानक सेवक जत्था एवं गुरुद्वारा श्री गुरुनानक सत्संग सभा, रातू रोड़, रांची की ओर से झारखंड राज्य स्तरीय शहीद भगत सिंह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर गुरुद्वारा रातू रोड़, रांची में झारखंड के विभिन्न जिलों के 72 मानवतावादी और समाजसेवी लोगों को सम्मानित किया गया। इस दौरान स्वैच्छिक रक्तदान संगठन लहू बोलेगा, रांची को भी सम्मानित किया गया। मौके पर संगठन की ओर से लहू बोलेगा के नदीम खान, इंजीनियर शाहनवाज अब्बास, मो मुर्शिद आदि मौजूद रहे। खान ने रांची के सिख समुदाय को आभार कहा। विशेषकर गुरुनानक सेवक जत्था एवं गुरुद्वारा श्री गुरुनानक सत्संग सभा का आभार व्यक्ति किया।

आदिवासी हॉस्टल में छात्रों की पिटाई पर आयोग गंभीर, मुख्य सचिव और डीजीपी से मांगा जवाब

रांची : पाकुड़ में दो दिन पहले आदिवासी हॉस्टल में पुलिसकर्मियों ने बेरहमी से आदिवासी छात्रों की पिटाई कर दी। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने इस मामले को संज्ञान में लेते हुए मुख्य सचिव, डीजीपी, डीसी और एसपी को रविवार को नोटिस जारी किया है। साथ ही तीन दिनों में विस्तृत जानकारी ईमेल या डाक के जरिये मांगी गई है। इस संबंध में आयोग के उपनिदेशक आरके दुबे ने नोटिस जारी किया है। उल्लेखनीय है कि शराब के नशे में धुत एक पुलिसकर्मी घटना से पूर्व आदिवासी हॉस्टल पहुंचा और उसने एक गायब लड़की के हॉस्टल में होने की बात कही थी। इसके बाद संबंधित पुलिस कर्मी ने 150 पुलिस कर्मियों को बुलाकर आदिवासी छात्रों की बेरहमी से पिटाई की। इस घटना में 11 आदिवासी छात्रों के घायल होने की बात कही गई है।

मुस्लिम घुसपैठियों के खिलाफ चल रहे आंदोलन से बौखलाया झामुमो : प्रतुल शाहदेव

रांची : भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने रविवार को कहा कि भाजपा के द्वारा लगातार संताल सहित झारखंड के दूसरे क्षेत्रों में बांग्लादेशी घुसपैठियों को बसाए जाने के मुद्दे पर मुखरता के कारण झामुमो बदहवास हो गई है। दरअसल, यही बांग्लादेशी घुसपैठिए इस गठबंधन के वोट बैंक की राजनीति का एक हिस्सा है। प्रतुल ने कहा कि खुद इसी सरकार के स्पेशल ब्रांच में दो जून, 2023 को सभी उपायुक्त को पत्र लिखा था कि संथाल परगना के मदरसों में इन मुस्लिम बांग्लादेशी घुसपैठियों के सरकारी दस्तावेज को बड़े पैमाने पर संगठित तरीके से तैयार किया जाता है और फिर इन्हें प्रदेश के दूसरे हिस्से में भेजा जाता है। प्रतुल ने कहा कि भाजपा ने इस बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठ की आवाज को संथाल परगना से लेकर केंद्रीय चुनाव आयोग तक मुखरता से उठाया है। अब गठबंधन को अपना घुसपैठियों का वोट बैंक खतरे में दिख रहा है, जिसके कारण झामुमो के नेता बदहवास होकर अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। प्रतुल ने कहा कि झामुमो ने आज कांग्रेस के विधायक नेहा शिल्पी नेहा तिर्की के उसे बयान से किनारा नहीं किया, जिसमें उन्होंने बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठियो की तुलना बिहारियों से कर डाली थी। प्रतुल ने कहा यह बेहद शर्मनाक और शर्मसार करने वाला वाकया है। जब आप देश के नागरिकों की तुलना जबरन देश में घुस आए घुसपैठियों के साथ करेंगे। प्रतुल ने कहा कि पांच वर्षों से झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाली सरकार प्रदेश में है लेकिन घुसपैठियों के विषय में इन्होंने अभी तक कभी कोई बड़ा कदम नहीं उठाया। घुसपैठियों को संरक्षण देकर यह सरकार झारखंड के मुसलमान का भी अहित कर रही है। क्योंकि, अल्पसंख्यक कल्याण की योजनाओं को ज्यादातर यही मुस्लिम घुसपैठिए डकार जाते हैं। आदिवासियों के हितों पर भी यह लव जिहाद, लैंड जिहाद और पॉलिटिकल जिहाद के जरिए चोट कर रहे हैं। पाकुड़ के केकेएम कॉलेज में आदिवासी छात्रावास में रात में पुलिस ने बर्बरता से मारपीट की थी। इसके बाद हजारों छात्रों का जमीनी आक्रोश से भी राज्य सरकार सकते में आ गई है।

बाहरियों की नियुक्तियों पर बंधु की बोलती बंद : रमाकांत महतो

रांची : भाजपा के प्रवक्ता रमाकांत महतो ने कहा कि स्थानीयता, जल, जंगल, जमीन और आदिवासियत के नाम राजनीति चमकाने वाले और आय से अधिक संपत्ति रखने के मामले में कोर्ट से सजा पा चुके पूर्व विधायक बंधु तिर्की भाजपा पर आरोप लगाने से पहले राज्य में बाहरियों की हो रही नियुक्तियों में बारे में हेमंत सरकार से पूछने की हिम्मत करते। जेपीएससी और जेएसएससी में जिस तरीके से नियमों को ताक पर रखकर पेपर लीक एवं परीक्षा सेंटर सेटिंग्स कराकर खुलेआम नौकरियां बेची जा रही हैं। इसमें 70 प्रतिशत से अधिक राज्य के बाहर के अभ्यर्थी शामिल हैं। महतो ने कहा कि खतियान आधारित स्थानीय एवं नियोजन नीति बनाने को राज्य एक लोकप्रिय कल्याणकारी सरकार को गिराने वाले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ये पूछने का हिम्मत क्यों नहीं जुटा पाते कि सरकार के बनने के छह माह के अंदर 1932 आधारित स्थानीय और नियोजन नीति बनाने का दंभ भर रहे थे। स्थानीय युवाओं को संवेदक बनाकर 75 प्रतिशत विकास योजनाओं में भागीदारी सुनिश्चित करने, बेरोजगारों को भत्ता देने, निजी संस्थानों में 75 प्रतिशत स्थानीय युवाओं को नियोजित करने जैसे कई बुनियादी मुद्दे आज गौण क्यों हो गए। प्रदेश प्रवक्ता रमाकांत महतो ने कहा कि बंधु तिर्की इस सरकार में नीति नियामक बॉडी यानी राज्य समन्वय समिति के सदस्य हैं। उन्हें मंत्री का दर्जा प्राप्त है। सरकारी सुख सुविधाओं का लाभ ले रहे हैं। कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष हैं। सरकार के नुमाइंदे बने हुए हैं और राग अलाप रहे कि सीएनटी, एसपीटी और पेसा कानून की धज्जियां उड़ाकर आदिवासियों की जमीन कब्जा कर लूटी जा रही है। रक्षक ही भक्षक बने हुए हैं, आरोप लगाते हैं। आखिर बंधु तिर्की इतना संवेदनशील ज्ञान किसे बांट रहे हैं? हेमंत सरकार को या राज्य की जनता को या भाजपा को। स्पष्ट करना चाहिए। सरकार के सिरमौर बने हुए हैं और आरोप भाजपा पर मढ़ते हैं। शायद इन्हें अपनी जिम्मेदारी का बोध नहीं। महतो ने कहा है कि सरकार को सीएनटी एसपीटी का उल्लंघन कर जमीन लूट पर एसआईटी या आयोग गठित कर जांच कराने में किसने रोका है। मुख्यमंत्री पर ही सीएनटी का जमीन उल्लंघन का आरोप है। उसपर बंधु तिर्की का मुंह बंद क्यों है। टीएसी को कमजोर करने लिए विवादों के घेरे में रखा गया है। उल्टे संवैधानिक पद आसीन राज्यपाल पर अंगुली उठाते हैं। बंधु तिर्की एचईसी में विस्थापन की बात करते हैं। उन्हें मालूम होना चाहिए कि ये विस्थापन का कैंसर का बीज कांग्रेस का ही रोपा हुआ है। एनआईसी में जमीन का हेराफेरी राज्य सरकार द्वारा संरक्षित है। प्रदेश प्रवक्ता रमाकांत महतो ने बंगलादेशी घुसपैठियों पर सीधा आरोप लगाते हुए कहा है कि एक और बन्धु तिर्की कहते हैं कि राज्य में राज्य में घुसपैठ होने की बात स्वीकार करते हुए उस पर कार्रवाई की बात करते हैं वहीं दूसरी ओर कांग्रेसी कैबिनेट मंत्री इरफान अंसारी और स्पीकर घुसपैठ को सिरे से खारिज करते हैं। ये द्वैधात्मक और वोट बैंक राजनीति इस सरकार की नियति बन गयी है जो ज्यादा दिन नहीं चलनेवाली। जनता सब जान चुकी है।

एक नजर

सड़क की मांग हुई पूरी, 80 लाख की लागत से होगा तैयार

बोकारो : पूरे बोकारो को सब्जी और फल खिलाने वाला दुंदीबाग हटिया सड़क को लेकर वर्षो से त्रासदी झेल रहा था आज सड़क का सपना दूंदीबाग के व्यवसाई को भाजपा सांसद ढुल्लू महतो व बोकारो विधायक बिरंची नारायण के अथक प्रयास से पूरा होने जा रहा है पीसीसी सड़क का शिलान्यास करने पहुंचे सांसद व विधायक को पुष्प गुच्छ व अंगवस्त्र दे कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया । आपको बताते चले की दूंदीबाग हटिया में 80 लाख के लागत से बनने वाले पीसीसी सड़क का शिलान्यास भाजपा सांसद ढुल्लू महतो व विधायक बिरंची नारायण ने संयुक्त रूप से नारियल फोड़ कर किया सांसद ने कहा की हमने जो आप लोगों से सड़क का वादा किया वो आज पूरा किया आपलोगों ने हमे जीता कर अपना आशीर्वाद दिया ,मैं बोकारो के गरीब जनता का काम को अपना समझ कर पूरा करूंगा

विस्थापित गांवों को पंचायत का दर्जा दे सरकार : डॉ प्रकाश

बोकारो : सैकड़ो की संख्या में 20 विस्थापित गांव के प्रतिनिधि मंडल भाजपा नेता डॉ प्रकाश सिंह के नेतृत्व में पंचायत को मांग को लेकर सेक्टर 09 मोर के पास रचेतावनी सभा कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें दर्जनों पुरुषों ने अर्धनग्न अवस्था में काले कलर का लुंगी और धोती पहने हुए,सर में काला पट्टी बांधे हुए और हाथों में कल बैलून लिए हुए काला दिवस मनाया और चेतावनी सभा का आयोजन किया। यह कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों ने बड़े ही प्रतीकात्मक तरीके से अपने दर्द को बयां किया। 20 विस्थापित गांव के प्रतिनिधि सैकड़ो की संख्या में हाथों में संविधान की प्रति लेकर बार-बार यह नारा लगा रहे थे कि हमें संवैधानिक आजादी झारखंड सरकार को देनी होगी, झारखंड सरकार हाय हाय, विस्थापित गांव को पंचायत का दर्जा देना होगा, अधिकार नहीं तो वोट नहीं अभी तरह-तरह के नारे लगाकर ग्रामीण अपना दर्द और आक्रोश झारखंड सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे क्योंकि पिछले विधानसभा चुनाव में हेमंत सोरेन विस्थापित गांव को पंचायत देने की बात कही थी जो पूरे 5 साल भी जाने के बाद अभी पूरे होने के आसार नहीं लग रहे है। ग्रामीणों का कहना था कि आजादी के अमृत महोत्सव के बाद भी विस्थापित गांव को पूर्ण रूपेण संवैधानिक आजादी नहीं मिली पंचायत के अधिकार नहीं होने के कारण वहां रहने वाले लोग आज भी सरकारी सुविधाओं से वंचित है।

अलंकार ज्वेलर्स से लाखों के गहने उड़ा ले गये चोर

धनबाद : सरायला थाना क्षेत्र स्थित खुशबू अलंकार ज्वेलर्स को बीती रात चोरों ने अपना निशाना बनाया। दुकान का शटर उखाड़कर चोर लाखों की संपत्ति पर हाथ साफ किया है। दुकान मालिक ने सरायला थाना में चोरी की शिकायत की है. दुकान मालिक राजकुमार वर्मा के मुताबिक, सुबह करीब 4:30 बजे उनको दुकान में चोरी होने की सूचना मिली। आकर देखा तो दुकान के शटर उखड़े हुए थे। दुकान के अंदर गया तो सारे सामान गायब थे। उन्होंने बताया कि चोर दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरा को भी ले गये। पड़ोस के एक दुकान का भी सीसीटीवी कैमरा चोरी हो गया। मामले को लेकर थाना में शिकायत की गयी है । पुलिस मामले की छानबीन में जुट गयी है।

झारखंड राज्य विद्यालय रसोईया संघ ने सरकार के खिलाफ आंदोलन करने की दी चेतावनी

- विभिन्न जिलों के रसोइया संघ 29 जुलाई से 2 अगस्त तक विस के सामने करेगा धरना प्रदर्शन
- झारखंड रसोईया संघ ने सरकार पर धोखाधड़ी और वादा खिलाफी का लगाया आरोप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

तोपाचांची : तोपचांची रसोईया संघ ने तोपचांची के हटिया मैदान में अपनी विभिन्न मांगों को लेकर बैठक की। बैठक में झारखंड सरकार के खिलाफ आंदोलन करने की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही नूतन देवी को बिना कारण कार्य से हटाये जाने को लेकर रोष प्रकट किया। संघ ने राज्य सरकार पर धोखाधड़ी और वादा खिलाफी का आरोप लगाया। कहा कि शिक्षा सचिव ने बीते साल 3 अगस्त को रसोइयों की पांच सूत्री मांगों को लेकर दो माह के अंदर लागू करने का लिखित आश्वासन दिया था। लेकिन एक साल होने के बाद भी हमारी मांगों को पूरा नहीं किया गया। सरकार ने इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया। विभिन्न जिलों के रसोइया संघ 29 जुलाई से 2 अगस्त तक झारखंड विधान सभा के समक्ष धरना प्रदर्शन करेंगे।

इस संबंध में रसोइया संघ के जिला अध्यक्ष मुन्ना खान ने बताया कि आज भी रसोइया को मात्र 66 रुपये और 66 पैसे की दर से मानदेय दिया जाता है. रसोइया के साथ अन्याय किया जा रहा है संघ ने सभी रसोईया संयोजिका को स्थाई करने, सभी को न्यूनतम वेतन देने, पांच लाख का निशुल्क बीमा, साल में दो सेट साड़ी व पेंशन स्कीम लागू करने औप ग्रेच्युटी का लाभ देने की मांग की थी। मुन्ना खान ने कहा कि अगर हमारी मांगों को दरकिनार किया गया तो आगामी विधानसभा चुनाव में सरकार के खिलाफ मत प्रयोग के लिए सभी रसोइया बाध्य होंगे. मौके पर जिला अध्यक्ष मुन्ना खान, कोसाध्यक्ष कैलाश प्रसाद, डीलू राम, उषा देवी, अनिता देवी, सुभद्रा देवी , सरस्वती देवी , शीला देवी, अमीना बीबी, नाजरा खातून, कुलसुम बीबी, नूतन देवी, बसंती देवी, जामुन देवी, सहित दर्जनों रसोइया संयोजिका मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

संत लोयोला की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में हुई मिस्सा आराधना

बोकारो : लोयोला डे के उपलक्ष्य में संत जेवियर विद्यालय के चैपल हाल में शनिवार को पवित्र मास का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के प्राचार्य महोदय फादर अरुण मिंज , एस.जे. , फादर मनोज , फादर निर्मल सहित सिस्टर्स , उपप्रधानाचार्य, शिक्षकवृंद, अभिभावकगण व विद्यार्थीगण सम्मिलित हुए। जिसमें संत इग्निसियस ऑफ लोयोला को याद किया गया। इस समारोह में सभी फादर्स को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया क्योंकि इनके द्वारा जेसुइट के सिद्धांतों को मजबूत रूप से लेकर बढ़ा जा रहा है। पूरे संसार के येसु समाजी को संत लोयोला के येसुसंघी होने पर गर्व है। संत इग्नासियुस ने कहा था कि मनुष्य को इससे क्या लाभ, जब वह सारा संसार कमा ले, लेकिन अपनी आत्मा गँवा दे। पूरे संसार के जेसुईट्स संत इग्नासियुस लोयोला के इन्हीं वाक्यों को अपनी समर्पित सेवा में जीवंत कर रहे हैं। उनका यह वचन सभी येसु समाजियों के लिए है। यह समस्त मनुष्यों के जीवन में सकारात्मक बदलाव और आध्यात्मिकता का बीज बोने वाला है। इस अवसर पर मसीहियों ने संत इग्नासियुस लोयोला के आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया। उनके बताए गए रास्ते पर चलने का निर्णल लिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रार्थना भजन से वातावरण सकारात्मकता से परिपूर्ण रहा। लोयोला डे के उपलक्ष्य में मास के संचालन के दौरान शिक्षकों के लिए प्रश्नोत्तरी सत्र का भी आयोजन किया गया जो जेसुइट्स सिद्धांत पर आधारित था। प्रश्नोत्तरी सत्र के दौरान सभी शिक्षकों का उत्साह व उमंग देखने लायक था। प्राइमरी खण्ड , मिडिल खण्ड , हाई स्कूल , प्लस टू , सोशल सर्विस स्कूल हिंदी मीडियम एवं ऑफिस स्टाफ के अलग-अलग समूह बनाए गए। विजेता टीम के रूप में विद्यालय के मिडिल खण्ड ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

सेल-बीएसएल की गुआ अयस्क खदान ने माइंस सेफ्टी में प्रथम पुरस्कार जीता

बोकारो : सेल-बोकारो इस्पात संयंत्र के झारखंड खान समूह के अंतर्गत आने वाले गुआ अयस्क खदान ने 28 जुलाई, 2024 को कोलकाता के बिस्वा बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में आयोजित प्रतिष्ठित खान सुरक्षा पुरस्कार 2024 में ओपन कास्ट मीडियम कैटेगरी माइंस में प्रथम पुरस्कार जीता है। यह कार्यक्रम खान सुरक्षा महानिदेशालय के तत्वावधान में अखिल भारतीय खान सुरक्षा संघ द्वारा आयोजित किया गया था। यह पुरस्कार बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी श्री बीके तिवारी ने राउरकेला इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारीश्री अतानु भौमिक की उपस्थिति में प्राप्त किया। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक जे दासगुप्ता, अधिशासी निदेशक अनूप कुमार, मुख्य महाप्रबंधक श्री कमल भास्कर और बीएसएल, झारखंड खान समूह एवं कोलियरीज प्रभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय स्तर के खान सुरक्षा पुरस्कार 2024 का उद्देश्य पूरे भारत में खनन कार्यों में सर्वोत्तम प्रथाओं को बढ़ावा देना और सुरक्षा को बढ़ाना है। एमएसए का उद्देश्य कोयला, धातु और तेल एवं गैस खनन क्षेत्रों के प्रतिभागियों के बीच खान सुरक्षा प्रथाओं में उत्कृष्टता को पहचानना और पुरस्कृत करना था। सुरक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए इन उद्योगों की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करके, इस पहल का उद्देश्य खान सुरक्षा में निरंतर सुधार और सतर्कता की संस्कृति को बढ़ावा देना है।

बिजली कटौती के खिलाफ प्रदर्शन 31 को : बिके चौधरी

बोकारो : शहर मे बिजली कटौती एवं आवास अनुरक्षण इत्यादि से नगर प्रशासन द्वारा अनदेखी किये जाने को लेकर आज जय झारखंड मजदूर समाज कार्यालय सेक्टर 9 मे बैठक हुई जिसकी अध्यक्षता युनियन के महामंत्री बि के चौधरी ने किया । बैठक मे उपस्थित बिभागीय युनियन नेताओ ने हाल के दिनों से आबासों मे 24 घंटे मे से 15,16 घंटे हो रहे बिजली कटौती के कारण हो रहे परेशानी पर अपना अपना बिचार दिया तथा प्रबंधन के खिलाफ आक्रोश ब्यक्त किया ।महामंत्री बि के चौधरी ने कहा कि पहले से हो रहे बिजली कटौती से तो परेशानी था हीं लेकिन आये दिन हो रहे बिजली कटौती तो आज तक के सारे रिकार्ड को तोड़ रहा है ।दुसरे तरफ सेक्टर-9,8,6,11, इत्यादि सेक्टरों मे सड़क का काम आधा अधुरा पड़ा हुआ है साथ साथ आवास अनुरक्षण, आवास लाईसेंस योजना सहित अनेको समस्याओ को लेकर दिनांक 31 जूलाई दिन बुधवार को संध्या 4,30 बजे नगर प्रशासन बिभाग मे कुम्भकर्ण रूपी प्रबंधन को जगाने के लिये प्रदर्शन किया जायगा ।

प्रबंधन की दमनात्मक कर्रवाई को लेकर सीटू कर्यालय में हुई बैठक

बोकारो : इस्पात मजदूर मोर्चा के युनियन कार्यकताओं की बैठक सेक्टर 9 युनियन कार्यालय की गई। बैठक में, बोकारो स्टील प्रबंधन द्वारा ठेका मजदूरों के खिलाफ की जा रही दमनात्मक कार्रवाई पर गम्भीरता पूर्वक विचार किया गया और आने वाले दिनों में इसके खिलाफ जबरदस्त मजदूर आन्दोलन संगठित करने पर विचार किया गया। बैठक को सम्बोधित करते हुए युनियन के संयुक्त महामंत्री बी.डी. प्रसाद ने कहा कि लगभग 20 हजार ठेका मजदूर बोकारो स्टील प्लांट में काम करते हैं। इनकी संख्या परमानेंट मजदूरों - कर्मचारियों का लगभग दुगनी है। इसलिए ठेका मजदूर इस्पात उत्पादन से लेकर मुनाफा कमाने में दोगुना महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। लेकिन, बोकारो स्टील प्रबंधन इन ठेका मजदूरों की मजदूरी , भत्ता, ग्रैच्युटी, सम्मानजनक बोनस, छुट्टी आदि सुविधाओं के लिए कोई सिस्टम नहीं बनाना चाहती है। बल्कि ठेका मजदूरों की ए.डब्लू.ए.की राशि को शॉप स्तर के पदाधिकारी ठेकेदारों की सांठ-गांठ से हड़प लेते हैं। विरोध करने पर ठेकेदार से मिलकर मजदूर का गेट पास छीन कर काम से बाहर निकालवा देते हैं। इतना हीं नहीं अब तो बोकारो स्टील प्रबंधन इन ठेका मजदूरों को डराने-धमकाने के लिए बोकारो जेनरल अस्पताल में मेडिकल जांच कराने का आदेश जारी कर दिया है। बी.पी.,सुगर जैसे मामूली लक्षण पाये जाने पर नॉट फिट फॉर ड्यूटी का रीमार्क्स लिख कर काम से बाहर निकाल देते हैं ।यह निर्णय कितना ठेका मजदूर विरोधी और बर्बर है इसे आसानी से समझा जा सकता है।

डीएवी-6 की बालिकाओं ने चेस, खो-खो, कराटे, बॉक्सिंग में जीता स्वर्ण पदक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर 6 में चार दिवसीय कलस्टर लेवल के दूसरे दिन व-14, व- 17 एवं व -19 का चेस, खो-खो, कराटे, कबड्डी, बॉक्सिंग, वुशु का फाइनल मैच खेला गया, जिसमें खो-खो व-14 बालिका वर्ग में डीएवी-6 ने डीएवी दुग्दा को हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया । इस खेल-कूद चेस, कराटे, खो-खो, बॉक्सिंग प्रतियोगिता का परिणाम क्रमशः इस प्रकार से है अंडर 14 कराटे 35-40' में श्रुति महतो प्रथम तथा 42-46' निधि रत्न ने द्वितीय स्थान, चेस प्रतियोगिता अंडर-17 बालिका वर्ग में शांभवी झा, आशी स्मृति, केया सावर्ण व अन्निका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, बॉक्सिंग प्रतियोगिता की अंडर-17 बालक वर्ग में 60 ' में मनीष कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त कियो कराटे प्रतियोगिता अंडर-14में बालक 40-45 ' में आद्विक अचिंत्य ने प्रथम, अनिरुद्ध द्वितीय तथा अंडर-17 52-55 ' समूह में आरुष शाह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया । वुशू प्रतियोगिता अंडर-17 बालक वर्ग में सुजल कुमार डीएवी ललपनिया, प्रथम आदित्य कुमार द्वितीय स्थान डीएवी कथारा अंजन कुमार डीएवी ललपनिया ने प्रथम स्थान तथा दीपक कुमार 45' वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया । बॉक्सिंग प्रतियोगिता में सुशांत डीएवी ललपनिया 52'समूह में प्रथम स्थान विजय कुमार डीएवी कथारा ने द्वितीय स्थान, संस्कार डीएवी कथारा प्रथम स्थान, जिशान जरी 56' वर्ग डीएवी ललपनिया द्वितीय स्थान शुभम राज 60 केजी समूह में डीएवी ललपनिया ने प्रथम स्थान व शोर्य सकुजा डीएवी कथारा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया ।

बाघमारा से मिला मौका तो क्षेत्र का करूंगा संपूर्ण विकास : सूरज महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : चुनाव के पूर्व बाघमारा विधानसभा के 40 हजार परिवार को जन शक्ति दल (संगठन) से जोड़ना है फिलहाल बाघमारा विधानसभा के 15 हजार परिवार को संगठन से जोड़ने में सफलता मिली है,उक्त बातें जन शक्ति दल के अध्यक्ष सुरज महतो ने काको मोड़ स्थित अपने प्रधान कार्यालय में पत्रकारों से कहा कि बाघमारा में 15 साल से एक जनप्रतिनिधि ने सिर्फ जनता को ठगने का कार्य किया ,विकास शून्य है,लोगो मे मुझे आशीर्वाद दिया तो विकास की धारा बहेगी,उन्होंने एक सवाल के जबाब में कहा कि बाघमारा में बेरोजगारों को रोजगार देने के बजाय गोली बम थमाने का कार्य किया जा रहा है। युवा बेरोजगारों को रोजगार देकर क्षेत्र में नई दिशा देने का कार्य करेंगे। बाघमारा में नया परिवर्तन लाने की बात कही,श्री महतो के कहा कि बाहरी भीतरी करने का राजनीति जुमला है,जो झारखंड में है वह झारखंडी है ।बाघमारा मे रहने वाले को कण कण में अधिकार है, आउटसोर्सिंग कमाने का जरिया है जिसे गुंडा चला रहे है मेरे आने के बाद यहाँ के लोग आउटसोर्सिंग चलाएंगे,तभी लोगो को रोजगार मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि बाघमारा को कोयला लोहा चोरी करने वाले नेताओं से बचने के लिये व साफ छवि वाले को एक मौके देने की अपील की। उन्होंने कहा कि बाघमारा की जनता मुझे एक मौका देती है तो मैं बाघमारा को सम्पूर्ण विकास के अलावे पूर्ण रूप से गुंडा राज को खत्म करेंगे। बाघमारा की जनता मामा भगिना की कार्यशैली जान चुकी है इसलिये इसबार यहाँ की जनता विधानसभा चुनाव में मामा भगिना को जबाब देने का कार्य करेगी। अब जनता का पैसा खाने वाले की खैर नही। जनता भी इस बार बदलाव के मूड में है। विकास क्या होती है मौका मिलने के बाद जनता को विकास की धार नजर में आएगी।

होटल में प्रताड़ना का खेल, महिला मैनेजर ने पांच अधिकारियों पर लगाए गंभीर आरोप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : शहर के एक नामी गिरामी होटल के पांच अधिकारियों के ऊपर गंभीर आरोप लगें हैं। यह आरोप होटल में कार्यरत महिला मैनेजर ने लगाई हैं। महिला मैनेजर ने होटल के पांच अधिकारियों के ऊपर जबरदस्ती शारीरिक शोषण, मानसिक उत्पीड़न एवं षडयंत्र के तहत नौकरी से हटाने की कोशिश का आरोप लगाया हैं। महिला मैनेजर की शिकायत पर 25 जुलाई को महिला थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई. प्राथमिकी दर्ज होने के बाद कोर्ट में शनिवार को पीड़ित महिला मैनेजर का 184 के तहत बयान दर्ज कर लिया गया हैं।

होटल के महिला मैनेजर ने पांच अधिकारियों पर लगाए गंभीर आरोप

38 वर्षीय पीड़ित महिला मैनेजर ने अपनी शिकायत में कहा है कि विगत करीब 03 महीने (01.04.2024) से धनसार थाना क्षेत्र के एक निजी होटल रूप में कार्य कर रही हूं. ये होटल खोलने से पहले होटल प्रबंधन द्वारा अन्य कर्मचारी भी नियुक्त किए गए हैं। जिसमें प्रतीक मोहन होटल प्रबंधक, एचआर प्रबंधक, राजीव गोस्वामी सहायक निदेशक (विक्रय), संजीत कुमार सुरक्षा प्रबंधक और होटल के कार्यालय प्रबंधक मुख्य हैं। 8 फरवरी 2024 को होटल खुला और मेहमानों के कमरों, बैठकों और कार्यक्रमों के लिए बुकिंग शुरू कर दी। पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया है कि मेरी नियुक्ति के बाद ही होटल के व्यवसाय से जुड़े हुए मुद्दों पर अन्य कर्मचारियों से मेरा मतभेद होता था। जिसके कारण मैं अपनी राय उन सबों के समक्ष रखती थी। कुछ कर्मचारियों के पद में वरीय होने के कारण यह अपनी राय को जबरदस्ती मुझ पर थोप कर मुझसे मनवाना चाहते थे, जिसका मैं विरोध करती थी।

चुनाव में जनता मजदूर संघ रोहित यादव को करेगा मदद : सिद्धार्थ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बाघमारा (धनबाद) : स्वागत भवन श्यामडीह में राजद के बाघमारा प्रखंड के कार्यकर्ता सह मिलन समारोह को संबोधित करते हुये प्रखंड अध्यक्ष रोहित यादव ने कहा कि कार्यकर्ता के मांग पर आने वाले विधानसभा चुनाव मैदान में उतरेंगे,श्री यादव ने कहा कि बाघमारा में विगत 15 साल में भाजपा के विधायक ने आज तक कोई कार्य नही किया,क्षेत्र में पानी बिजली बेरोजगारी की समस्या के साथ गुंडा गर्दी चरम पर है,जब तक बाघमारा की जनता बदलाव नही करेगी तब तक विकास कैसे दिखेगा। बाघमारा में पार्टी की जीत दर्ज करने पर विचार विमर्श किया गया। उन्होंने कहा कि गठबंधन ने पार्टी को टिकट दिया तो ठीक नही तो जनता व कार्यकताओं के मांग पर निर्दलीय भी चुनाव लड़ने के लिये तैयार है। वर्तमान जनप्रतिनिधि के ऊपर कई मामले है उसे पुलिस क्यो नही गिरफ्तार करती है। जनता मजदूर संघ के महामंत्री सह जेबीबीसीसीआई सदस्य सिद्धार्थ गौतम उर्फ मनीष सिंह ने कहा कि बाघमारा की जनता अपने आप को ठगा महसूस कर रहे है,यहाँ बीसीसीएल के 5 - 5 एरिया होने के बाबजूद भी क्षेत्र व क्षेत्र की जनता अपनी बदहाली को लेकर अपने जनप्रतिनिधि को जिम्मेवार मानते है,उन्होंने कहा कि रोहित यादव हमारे संगठन के केंद्रीय पदाधिकारी है अगर ये चुनाव लड़ते है तो हमारा यूनियन है साथ मिलेगा,बाघमारा में जैसे को तैसा नेता चाहिये। बाघमारा में शिक्षा, स्वास्थ में सुधार नही हुई, बेरोजगारी चरम पर है। कार्यक्रम में राजद के प्रखंड अध्यक्ष रोहित यादव,ज म संघ के महामंत्री सिद्धार्थ गौतम उर्फ मनीष सिंह,रामजी यादव, दिलीप मिश्रा,टेकलाल गोप, जयराम दास सैकड़ो अन्य कार्यकर्ता सहित सैकड़ो लोग मौजूद थे।

जनता ने सत्ताधारी दल को मौका दिया और उसने सिर्फ धोखा दिया : सुदेश महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : आजसू पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा कि जनता ने सरकार को अपना बहुमूल्य मत देकर जनसेवा का मौका दिया था लेकिन सरकार ने जनता से वादा खिलाफी कर उन्हें धोखा दिया है। पिछले चुनाव में बड़े-बड़े वादों की पोटली लेकर जनता के समक्ष जाने वाली सरकार पांच सालों में एक भी वादे को धरातल पर नहीं उतर पाई। जेएमएम के लिए विकास का अर्थ परिवार का विकास है राज्य के विकास से इनका कोई वास्ता नहीं। सुदेश कुमार महतो रविवार को चंडीपुर फुटबॉल मैदान में आयोजित चंदनकियारी विधानसभा क्षेत्र स्तरीय चूल्हा प्रमुख सम्मेलन सह शपथ ग्रहण समारोह में बोल रहे थे। मौके पर उपस्थित सभी चूल्हा प्रमुखों ने शपथ ग्रहण किया। सुदेश महतो ने कहा कि हर साल दो हजार रुपये चूल्हा खर्च देने की बात कहने वाली सरकार अब अपने कार्यकाल के अंतिम महीने में जनता को चूल्हा खर्च की जगह चुनाव खर्च देने की बात कह रही है। यह जनता को भ्रमित करने की एक और साजिश है। राज्य की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए किसानों और खेती को मजबूत करने की आवश्यकता है। खेत खाली न रहे और खेतों में 7 महीने तक खेती हो इसकी तैयारी है। उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों का विकास हमारी प्राथमिकता है। तुष्टिकरण नहीं विकास की राजनीति हमारी पहचान है। चंदनकियारी अपने विचार और विवेक पर चलेगा।

एक नजर

रूगड़ा चुनने गयी महिला को जंगली हाथी ने कुचलकर मार डाला

खूंटी : जिले के ग्रामीण इलाकों में जंगली हाथियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। तपकारा थाना क्षेत्र के लोहाजिमी जंगल में रविवार को एक जंगली हाथी ने रूगड़ा चुनने गयी पोलो मुंडाइन (55) को कुचलकर मार डाला। वह लोहाजिमी मुखिया टोली की रहने वाली थी।
जानकारी के अनुसार पोलो मुंडाइन अन्य महिलाओं के साथ जंगल के किनारे मवेशी चराने गयी थी। उसी बीच वह जंगल के अंदर रूगड़ा चुनने चली गयी। जंगल के अंदर मौजूद जंगली हाथी ने उसे अपनी चपेट में ले लिया और उसे उठाकर पटक दिया तथा पैरों से बुरी तरह कुचल दिया। इससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गयी। हाथी ने उसके शव को बुरी तरह क्षत विक्षत कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय लोग वहां पहुंचे और इसकी सूचना स्थानीय पुलिस और वन विभाग को दी गयी। सूचना पाकर झामुमो नेता सुदीप गुड़िया, मुखिया पुष्पा गुड़िया, कृष्णा बड़ाईक,तपकारा थाना के एएसआई रामजानुल हक, प्रभारी वनपाल नितेश केशरी, वनरक्षी संजय मुंडा, मनोज सिंह, जुनुल होरो, संजय साहू, पीटर पॉल आदि घटनास्थल पहुंचे। वन विभाग द्वारा तत्काल सहायता राशि के तौर पर 20 हजार रुपये मृतक के डवजनों को दिया गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल खूंटी भेजा गया।

नाबालिग को भगा कर ले जाने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत स्थित घाघरा थाना क्षेत्र के एक गांव की नाबालिक लड़की को भगाकर ले जाने के आरोपी युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल घाघरा थाना क्षेत्र के एक गांव की नाबालिक लड़की को भगा कर ले जाने के आरोपी युवक को घाघरा पुलिस ने गिरफ्तार कर गुमला जेल भेज दिया। इस संबंध में रविवार की शाम 5 बजे जानकारी देते हुए थाना प्रभारी तरुण कुमार ने बताया कि घाघरा थाना क्षेत्र के एक गांव की नाबालिक लड़की को युवक द्वारा भगाकर ले जाने के खिलाफ नाबालिक के पिता ने घागरा थाने में लिखित आवेदन दिया था। जिसमें नाबालिक के पिता ने बताया था कि टोटो दसई टोली गुमला निवासी धनेश्वर उरांव उसकी नाबालिक बेटी को बहला फुसला कर विगत जून 2023 में भगाकर ले गया था। इसके बाद काफी खोजबीन की गई। लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका था।विगत 23 जुलाई 2024 को जब उसकी नाबालिक पुत्री घर लौटी तो इस संबंध में जानकारी हुई।जिसके बाद घाघरा थाना में उक्त आरोपी युवक के खिलाफ पिता ने लिखित आवेदन दिया । जिसके बाद प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई करते हुए आज उक्त युवक को गिरफ्तार कर उसे जेल भेज दिया गया है।

कांवरियों का जत्था देवघर रवाना

गुमला : गुमला सदर प्रखंड टोटो ग्राम के कांवरियों का जत्था देवघर रवाना हुआ, रविवार को कांवरियों का पहला जत्था देवघर के लिए रवाना हुआ। इससे पहले शिवभक्तों ने टोटो के संतोषी मंदिर में पूजा अर्चना किए। बोल बम के जय जयकार, हर हर महादेव के जयकारे लगाए। सावन में शिवभक्तों में खासा उत्साह दिख रहा है। अरुण साहू ने बताया कि सभी लोग सुल्तानगंज से जल उठाकर पैदल कांवर यात्रा करेंगे। बाबा नगरी देवघर पहुंच कर जलार्पण की जाएगी। मौके पर रोहित साहू, कैलाश साहू, सुशील साहू, अरुण साहू, सूरज साहू,निर्मल साहू, दीपक साहू, संदीप साहू, सुदीप साहू,आदित्य साहू, मुकेश साहू,प्रवीन साहू,महेश सहित मौजूद थे।

विधायक की अनुशंसा पर खूंटी की कई सड़कों का होगा सुदृढ़ीकरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : खूंटी के विधायक और राज्य के पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री नीलकंठ सिंह मुंडा की अनुशंसा पर खूंटी विधानसभा क्षेत्र में कई सड़कों के निर्माण कार्य का मार्ग प्रशस्त हुआ। है। इस संबंध में विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा ने बताया कि उन्होंने कुछ दिनों पूर्व नद सड़कों के निर्माण की अनुशंस की थी, जिसकी प्रशासनिक स्वीकृति मिल गई है। उन्होंने कहा कि सड़के विकास का प्रवेश द्वार होती हैं। उन्होंने कहा कि सड़कों के बन जाने से व्यवसायियों, किसानों, छात्रों और आम लोगों को काफी लाभ होगा। उन्होंने बताया कि ग्रामीण कार्य विभाग,कार्य प्रमंडल खूंटी के लिए मुख्यमंत्री ग्राम सड़क सुदृढ़ीकरण योजना के अंतर्गत वर्ष 2024 /25 में जिन सड़कों के सुदृढ़ीकरण कार्य की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई, उनमें ये सड़कें शामिल हैं। मुरहू तपकरा मेन रोड से खूंटी चाईबासा मेन रोड भाया कोड़ाकेल गोड़ा टोली पंचघाघ तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य, मुरहू सरवादा बीटी रोड से नील फैक्ट्री तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य, सिल्दा मोड़ से पंगुरा भाया दहूगड़ा डहकेला तक कुल लंबाई 21.300 किमी। इसके निर्माण पर 1243.803 लाख रुपये खर्च होंगे। कर्रा प्रखंड में कर्रा-लोधमा मेन रोड, छापागढ़ा से घुनसूली से डाडी, फुदी बाजार तक पथ सुदृढ़ीकरण कार्य, जरिया मोड़ से पदमपुर पथ सुदृढ़ीकरण कार्य, कर्रा बिरदा मेन रोड सांगोर से करो नदी भाया पलसा सरदुलला तक सुदृढ़ीकरण कार्य। इसकी कुल लंबाई 18.300 किमी है और लागत 1270.929 लाख रुपये है। मुरहू प्रखंड में घाघरा बांधटोली से जामटोली टोंगरी तक पथ निर्माण कार्य की प्रशासनिक स्वीकृति विभाग द्वारा प्रदान की गई। इसकी कुल लंबाई 1.400 किमी और लागत 142.886 रुपये है।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच चौकीदार बहाली की परीक्षा संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिले में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच चौकीदार बहाली के लिखित परीक्षा रविवार को संपन्न हो गई। डीसी चंदन कुमार के निर्देश पर विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर कदाचार मुक्त परीक्षा संपन्न हो, इसकी पूरी व्यवस्था की गई थी। डीसी चंदन कुमार के साथ एसपी मनोज कुमार ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया और वहां चल रही परीक्षा का जायजा लिया। रामगढ़ शहर के अलग-अलग आठ केन्द्रों पर चल रही लिखित परीक्षा को लेकर रविवार को सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। इस दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने रामगढ़ उच्च विद्यालय कोयरीटोला, छावनी मध्य विद्यालय नई सराय रामगढ़, छावनी मध्य विद्यालय सुभाष चौक एवं गांधी स्मारक प्लस टू उच्च विद्यालय, रामगढ़ का निरीक्षण कर चल रही लिखित परीक्षा का जायजा लिया। मौके पर उपायुक्त ने सभी केंद्राधीक्षकों सहित परीक्षा कार्य में लगे सभी संबंधित दण्डाधिकारियों, अधिकारियों आदि को चौकीदार बहाली के तहत निर्धारित नियमों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करते हुए पूरी पारदर्शिता के साथ लिखित परीक्षा पूर्ण कराने का निर्देश दिया। वहीं उपायुक्त ने सभी को आपसी समन्वय के साथ कार्य पूर्ण करने सहित अन्य आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी आशीष गंगवार, नजारत उप समाहर्ता रविंद्र कुमार गुप्ता, एसएमपीओ विक्रम सोनी सहित अन्य उपस्थित थे।

सूखा राहत योजना के तहत ट्रैक्टर देने के नाम पर साइबर अपराधी ने ठगे 35 सौ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत बसिया थाना स्थित मोरिंग ग्राम निवासी 23 वर्षीय सत्यनारायण राम से साइबर अपराधियों द्वारा लोगों को तरह-तरह के हथकांडे अपना कर ठगने का मामला सामने आ रहा है। मीडिया के माध्यम से लोगों को लगातार जागरूक भी किया जा रहा है। बावजूद लोग ठगी का शिकार हो रहे हैं ताजा मामला गुमला थाना क्षेत्र का है। सदर अस्पताल गुमला में इलाज कराने आए मोरेंग बसिया निवासी 23 वर्षीय सत्यनारायण राम को शनिवार को एक कॉल आया।अनजान नंबर से कॉल करने वाले ने खुद को कृषि विभाग का पदाधिकारी बताया और बताया कि सूखा राहत योजना के तहत उसका एक ट्रैक्टर निकला है जिसे उसे भेजा जा रहा है। जिसके लिए सिक्योरिटी चार्ज के नाम पर 7500 जमा करना होगा। राशि जमा नहीं करने पर उक्त ट्रैक्टर को किसी अन्य किसान को दे दिया जाएगा। इसके बाद किसान उस अधिकारी की बातों में आ गया और उसके द्वारा भेजे गए क्यूआर कोड में 3500 भेज दिया। कुछ देर बाद किसान के मोबाइल के फिर कॉल आया अधिकारी ने कहा जो वाहन ट्रैक्टर लेकर जा रहा है उसका किराया देना होगा। जिसके लिए उसे12000 जमा करना होगा। तब किसान ने कहा यहां ट्रैक्टर पहुंचाने के बाद पैसों का भुगतान किया जाएगा। तब अधिकारी ने कहा कि पहले पैसा देना पड़ेगा तभी सामान जा पाएगा। इसके बाद सत्यनारायण राम को ठगी का एहसास हुआ और वह गुमला थाना पहुंचा।

शाल का बोटा लदा ट्रक पलटा चालक व उपचालक सुरक्षित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चैनपुर : चैनपुर प्रखंड क्षेत्र के कुरूमगढ़ थाना अंतर्गत वन कार्यालय कुरूमगढ़ के पास लकड़ी बोटा लोड 12 चक्का ट्रक शनिवार देर रात करीब 11:00 बजे पलट गई। हालांकि इस हादसे मे किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। ट्रक में लोड शाल बोटा वैध या अवैध यह जांच का विषय है। हालांकि मौके पर वनकर्मी रविवार की सुबह उपस्थित थे ट्रक को मशीन की मदद से खाई से बाहर निकाला गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार देर रात ट्रक कुरूमगढ़ जंगल से बोटा लोड कर निकल रहा था वहीं वन कार्यालय के पास सड़क संकरी होने एवं बारिश के कारण मिट्टी ढीली होने से ट्रक एक ओर झुक गई और खाई में जा गिरी वहीं चालक व उपचालक ट्रक से कूद कर अपनी जान बचा ली। ट्रक में कुल 81 बोटा लोड था जो वनकर्मियों के अनुसार रामअवतार अहीर रैयत का परमिट का साल वृक्ष पतन हुआ था जिसका परिवहन शनिवार को किया जा रहा था पर बारिश के कारण ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गई जिसे बाहर निकालने की प्रक्रिया की जा रही है। आपको बताते चले की कुरूमगढ़ वन क्षेत्र में कई लकड़ी माफिया सक्रिय हैं जो चोरी छुपे अवैध रूप से साल वृक्षों की कटाई कर रात के अंधेरे में बड़ी गाड़ियों के माध्यम से चोरी कर रहे हैं। लकड़ी माफिया के द्वारा लगातार क्षेत्र से बड़े-बड़े साल के पेड़ों की कटाई करने से क्षेत्र में जंगल की भी कमी हो रही है। क्षेत्र के कई लोगों का यह भी कहना है कि रैयती के नाम पर अंधाधुंध पेड़ों की जो कटाई हो रही है इससे धीरे-धीरे हमारा जंगल समेटता जा रहा है। लोग बताते हैं कि माफिया वन विभाग की मिली भगत से एक दो या तीन पेड़ों का परमिशन करा कर 10 20 30 पेड़ों की कटाई कर देते हैं।

झारखंड पार्टी की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत स्थित पालकोट प्रखंड अंतर्गत कोलेंग पंचायत स्थित नवाडीह गांव में झारखंड पार्टी की बैठक हुई। बैठक में झारखंड पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सह पूर्व मंत्री एनोस एक्का मुख्य रुप से उपस्थित रहे।बैठक में सर्वप्रथम एनोस एक्का ने नवाडीह गांव के ग्रामीणों की सारी समस्याओं से अवगत हुये। ग्रामीणों ने कहा कि हमनें हर चुनाव में भाजपा और कांग्रेस का साथ दिया।लेकिन सभी ने भरोसा को तोड़ने का काम किया। हमलों आज भी रोजगार और बिजली, पानी, सड़क सहित विभिन्न समस्याओं से जूझ रहे हैं। एनोस एक्का ने सारी समस्याओं का निदान करने का ग्रामीणों को भरोसा दिलाया। इसके बाद बैठक में उपस्थित सभी लोगों ले सामुहिक रुप से संकल्प लिया। की आने वाले विधानसभा चुनाव में झारखंड पार्टी की प्रत्याशी और केंद्रीय अध्यक्ष सह पूर्व मंत्री एनोस एक्का की पुत्री आइरीन एक्का को ऐतिहासिक मतों से विजयी दिलायेंगे। इस अवसर पर एनोस एक्का ने कहा कि झारखंड पार्टी सिर्फ विकास की राजनीतिक करती है। क्षेत्र का विकास होगा तो जनता खुशी का जीवन व्यतीत करेंगे। आने वाले विधानसभा चुनाव में आप हमारा साथ दें। मैं आपसे वादा करता हूं। की आपके गांव में विकास के सभी सुविधाएं मुहैया कर दूंगा। आपसे किया गया वादा का एक बार भरोसा करें। और इस बार के विधानसभा चुनाव में हमारा साथ देकर हमें सेवा करने का मौका दें। एनोस एक्का ने कहा कि जाति-धर्म अलग है। और राजनीतिक अलग है। हम सिर्फ विकास की राजनीतिक करते हैं। आपके क्षेत्र का विकास चाहते हैं। आप हमारा साथ दें।हम आपकी हर समस्याओं को दूर करने का प्रयास करेंगे। गांव में बेरोजगारी खत्म हो जायेगी।सभी के हाथों में काम होगा।और सभी परिवार खुशहाली का जीवन व्यतीत करेंगे। आपने वर्षों से जो सपना देखा है। उसे मैं पुरा करुंगा। बस इस बार के विधानसभा चुनाव में हमारा साथ दें। फिर देखियेगा। क्षेत्र का विकास कैसे होता है। हम पर भरोसा करें।और इस बार के विधानसभा चुनाव में हमारा साथ दें। इस अवसर पर प्रखंड उपाध्यक्ष चंदन साहू,महासचिव निक्कू साहू,उत्तम कुमार साहू,महादेव केशरी,लखन कंसारी,रितेश पाठक,अविनाश केशरी सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित थे।

एनोस एक्का के समक्ष 40 लोगों ने थामा झापा का दामन

पालकोट : कोलेंग पंचायत अंतर्गत नवाडीह गांव में झारखंड पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सह पूर्व मंत्री एनोस एक्का के समक्ष भाजपा और कांग्रेस के लगभग 40 लोगों ने झारखंड पार्टी की सदस्यता ग्रहण किया। सदस्यता ग्रहण करने वालों में शिव ब्रत साहू,विनोद कुमार साहू, मुन्ना खडिया,आनंद सिंह, लाल मोहन साहू,अजित केरकेट्टा, अनिल साहू, राहुल कुमार ओहदार, राजकुमार साहू, सुनिल कुमार साहू,भरत सिंह,विकास चौबे, सत्यनारायण साहू,संतोष कुमार सिंह, विनोद साहू,अवधेश सिंह,आंगद चीक बडाईक सहित 40 लोगों ने झारखंड पार्टी की सदस्यता ग्रहण किया।

डीवीसी के 77वें स्थापना दिवस पर महिला एथलीट मीट का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : डीवीसी के 77वें स्थापना दिवस पर केटीपीएस के तत्वावधान में रविवार को महिला एथलीट मीट का आयोजन हुआ। महिला एथलीट में कई महिलाओं ने हिस्सा लिया। केटीपीएस के सीनियर जीएम दिलीप कुमार सिंह की पत्नी नीलम सिंह ने कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। महिलाओं ने विभिन्न स्पधाओं जैसे शॉटपुट, जेवेलिंग थ्रो, रिले रेस आदि में बड़े उत्साह और स्पोर्टी तरीके से भाग लेकर आकर्षक रूप से खेलों में अपनी क्षमता दिखाई।
विभिन्न खेलों में विजेता हुई महिलाओं को 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। नीलम सिंह ने डीवीसी के 77वें स्थापना दिवस पर लोगों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दामोदर घाटी निगम, संयुक्त राज्य अमेरिका के टेनेसी वैली अथॉरिटी की तर्ज पर बना स्वतंत्र भारत की पहली बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना है, जो भारत देश के विकास का आधार बनकर मिल का पत्थर साबित हुई है। स्थापना दिवस पर आयोजित खेल में महिलाओं की भागीदारी एवं उनकी खेल क्षमता ने काफी रोमांचित किया है। उन्होंने कहा कि आयोजन में महिलाओं ने अपनी सहभागिता देकर आज के स्थापना दिवस को और यादगार बनाया है। देश के विकास में आज महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़कर अपनी उपस्थिति दर्ज करने की जरूरत है। केटीपीएस के मुख्य अभियंता दिलीप सिंह ने परियोजना की नई योजनाओं के बारे में बताया एवं आयोजन में महिलाओं की भागीदारी की प्रसंशा करते हुए कहा कि खेल स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है एवं यह आपसी भाईचारे को भी बढ़ाता है।
मंच संचालन मांडवी एवं सुमा नायक ने संयुक्त रूप से किया।

संक्षिप्त खबरें

भारत विकास परिषद ने जरूरतमंदों के बीच छाते का किया वितरण

रामगढ़ : रामगढ़ शहर में भारत विकास परिषद संस्थान के तत्वावधान में रविवार को जरूरतमंदों के बीच छाते का वितरण किया गया। शहर के सुभाष चौक, बस स्टैंड, सब्जी मंडी में सुदूर गाँव से आए सब्जी विक्रता के बीच छतरी वितरण किया गया। मौके पर संस्था के अध्यक्ष हरीश चौधरी ने कहा निर्धन महिलाओं के बीच छाता वितरण करना सुखद अनुभव है। भारत विकास परिषद् अपने सामाजिक उतरदायित्व का निर्वहन करता रहा है। कार्यक्रम मे सचिव प्रदीप कुमार शर्मा ने कहा कि आगामी दिनों में रिक्सा चालकों के बीच रेन कोट एवं छाते का वितरण किया जाएगा। मौके पर मुख्य रूप से उपाध्यक्ष अनिल गोयल, कोषाध्यक्ष रामप्रवेश गुप्ता, मनोज मोदी, प्रकाश अग्रवाल, सूरज अग्रवाल, दीपक खंडेलवाल, अजय कुमार अग्रवाल, वरुण बगड़िया, रामप्रवेश गुप्ता तथा उमेश राजगढ़िया इत्यादि अनेकों सदस्य मौजूद थे। सचिव प्रदीप कुमार शर्मा ने कहा रेन कोट एवं छाता वितरण का प्रोग्राम आगे भी जारी रहेगा।

लूट और जान से मारने की कोशिश मामले को लेकर युवक ने कराई प्राथमिक दर्ज

गुमला : गुमला सदर थाना में पलामू निवासी सचिन सिंह ने अपने अपहरण लूटपाट और जान से मारने की कोशिश मामले को लेकर सचिन सिंह ने गुमला सदर थाना में कराई प्राथमिकी दर्ज, दो आरोपियों को पुलिस ने हिरासत में लेकर गहराई से छानबीन और पुछताछ शुरू कर दी और पुछताछ के बाद उक्त दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर गुमला जेल भेज दिया हैं। सचिन सिंह ने शनिवार को अपने लिखित प्राथमिकी में बताया है की मैं सचिन सिंह पलामू जिला अंतर्गत स्थित उदयपुर ग्राम का निवासी हूं और रांची में रहकर अपना वाहन किराये में चलाता हूं मैं रेलवे स्टेशन रांची में अपना वाहन खड़ा किया था, इसी क्रम में शुक्रवार के संध्या 7 .30 बजे मेरे पास दो लोग आयें और बोले की मेरी मां काफी सीरियस है , उसे सिंसई से रांची लाना है बोलकर 2 ,700 रुपया में गुमला सदर थाना स्थित कसीरा ग्राम निवासी विजय साहू और तिर्रा ग्राम निवासी अशोक साहू ने मेरे वाहन बुक कर सिसई के लिए चले और सिसई पहुंचने पर उन्होंने कुछ दूर दाहिने तरफ चलने को कहा और एक सुनसान निर्जन स्थान पर पेशाब करने के बहाने गाड़ी रूकवाई और पिस्टल दिखाकर मेरा आईफोन लूट लिया और उसे स्विच ऑफ करने लगे जब मोबाइल का स्विच ऑफ नहीं हुआ तो उसे तोड़कर पानी में फेंक दिया और दूसरा मोबाइल सहित मेरे पर्स में रखें 12 ,000 हजार रुपया, डाइविंग लाइसेंस , आधार कार्ड , एटीएम कार्ड आदि सब कुछ लूट लिया और मेरे मुंह को बांधकर गाड़ी के पीछे सीट पर बैठा दिया, और खुद उक्त गाड़ी को चलाने लगे और भंडारिया ग्राम पहुंच गए, इसी क्रम में सड़क पर एक बाइक खड़े होने के कारण उक्त गाड़ी को साइड करने के क्रम में उक्त गाड़ी मिट्टी में फंस गई।

कोडरमा में करंट से मजदूर की मौत

कोडरमा : कोडरमा थाना क्षेत्र के तीनतारा में चेक डैम निर्माण के दौरान रविवार को करंट से कार्य में लगे मजदूर की मौत हो गई। मृतक की पहचान जिले के सतगावां प्रखंड के बासोडीह निवासी राजेंद्र मुर्मू (35) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार राजेंद्र मुर्मू चैक डैम निर्माण के कार्य में लगा हुआ था। वह ढलाई के लिए छड़ की कटिंग कर उसे सीधा कर रहा था। इसी दौरान कार्यस्थल के ऊपर से गुजरे तार से छड़ सट गया और उसे करंट का जोरदार झटका लगा। इसके बाद स्थानीय लोग तुरंत उसे सदर अस्पताल कोडरमा लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत्य घोषित कर दिया। घटना के बाद निर्माण कार्य में लगे सभी मजदूर मौके से फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच-पड़ताल शुरू की।

पिकअप वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवक हुए घायल

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत स्थित पालकोट थाना क्षेत्र अंतर्गत पेट्रोल पंप के समीप एक पिकअप वाहन के टक्कर से मोरेंग बसिया निवासी आलोक बड़ा और विक्रम सोरेन गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक दोनों युवक किसी काम से गुमला आ रहे थे , तभी सामने से एक पिकअप दोनों को टक्कर मारते हुए घटना स्थल से फरार हो गया। बाद में स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पालकोट ले जाया गया। जहां इलाज के उपरांत दोनों उक्त दोनों युवक को सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना में आलोक के सिर और हाथ में काफी चोट लगी जबकि विक्रम के चेहरा, हाथ, पैर में चोट लगी है।

किराना दुकान में अज्ञात चोरों ने की 10 हजार की चोरी

गुमला : गुमला जिला मुख्यालय के डीएसपी रोड में एक दुकान को बीती रात चोरों ने अपना शिकार बनाया। चोरों द्वारा छत का एस्बेस्टर तोड़कर अंदर घुसकर 10, 000 तक के नगद राशि के साथ दुकान में रखे कई सामानों को चोरी करने का काम किया गया है शहर में लगातार बढ़ती चोरी की घटनाओं के कारण लोगों में पहले से आक्रोश बना हुआ था अब शहर के बीचो मुख्य सड़क के किनारे दुकान में हुई चोरी से लोगों में काफी आक्रोश का माहौल बना दिया है हालांकि लोगों का मानना है कि युवा नशा के चपेट में आकर चोरी की घटनाओं को लगातार अंजाम दे रहे हैं ऐसे में पुलिस को शक्ति से कार्रवाई करने की आवश्यकता है वहीं जिस व्यक्ति के दुकान में चोरी हुई उसने बताया कि काफी मेहनत करके उन लोगों ने पैसा जुगाड़ करके दुकान शुरू किया था ऐसे में चोरी की घटना होने के बाद वे पूरी तरह से सड़क पर आ गए हैं उनके लिए एक-एक पैसा मायने रखता है। अनिल ने बताया प्रतिदिन की भांति 25 जुलाई की रात करीब 9:00 बजे अपनी दुकान बंद कर घर गया था 26 जुलाई की सुबह जब मैं दुकान खोला तो देखा की दुकान का एस्वेस्टर टूटा हुआ है वही गल्ला में रखे 10, 000 नगद गायब थे शनिवार को गुमला थाना को आवेदन सौंपते हुए पीड़ित ने कार्रवाई की मांग की है।

खनन विभाग ने की छापेमारी, अवैध रूप से भंडारित 37,500 घन फुट बालू को किया जब्त

बोकारो : उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर अवैध खनन परिवाहन पर रोक को लेकर जिला खनन पदाधिकारी रवि कुमार सिंह के नेतृत्व में टीम द्वारा छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार देर रात को खनन विभाग की टीम ने चंदनकियारी प्रखंड अंतर्गत भोजुडीह पश्चिमी पंचायत के ग्राम गुंडलिभिठा क्षेत्र में अवैध खनन के रोकथाम को लेकर छापेमारी अभियान चलाया। इसी क्रम में टीम ने गुंडलिभिठा में अवैध रूप से बालू भंडारित लगभग 37,500 घनफिट पाया गया। जिसे टीम ने विधिवत जब्त कर संबंधित के विरुद्ध थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई।

हिमाचल प्रदेश में आपदा प्रबंधन और न्यूनीकरण

कुलभूषण उपमन्यु

हमालय देश के लिए पानी, शुद्ध हवा, उपजाऊ मिटटी दे कर जिंदा रहने के लिए सबसे जरूरी हवा, पानी और भोजन की सुरक्षा की व्यवस्था करता है। हिमालय की इन पर्यावरणीय सेवाओं को बनाए रखकर ही देश और हिमालय क्षेत्र के भविष्य को सुरक्षित किया जा सकता है। इसलिए हिमालय के पर्यावरणीय तंत्र को सुरक्षित रखना और विकास के कार्यों में आपसी विरोधाभास समाप्त करना ही मुक्ति का मार्ग है। हमारी निर्माण गतिविधियों को वैकल्पिक तकनीकों द्वारा पर्वत विशिष्ट मॉडल के रूप में विकसित करना होगा। सड़क निर्माण से लेकर जल विद्युत तक।

समग्र हिमालय की तरह हिमाचल प्रदेश भी जलवायु परिवर्तन के इस दौर में लगातार आपदाओं की चपेट में आता जा रहा है। गत वर्ष की तबाही को अभी तक प्रदेश भूल नहीं पाया है। आपदा प्रभावितों के जख्मों पर अभी तक भी पूरी तरह से मरहम नहीं लगाया जा सका है। प्रदेश की कमजोर आर्थिकी और केंद्रीय सहायता के इंतजार में बहुत काम लटका पड़ा है। खासकर जिनके मकानों के नीचे की जमीन भी क्षतिग्रस्त हो गई है, उन्हें वन संरक्षण अधिनियम के चलते वैकल्पिक जमीन देना भी असंभव बना हुआ है। हिमाचल प्रदेश का 67 प्रतिशत भूभाग वन भूमि है, जिसका भूमि उपयोग बदलना टेढ़ी खीर बना हुआ है। गत वर्ष दो हजार घर पूरी तरह से तबाह हो गए थे और नौ हजार आंशिक रूप से तबाह हुए। 400 से अधिक मूल्यवान जीवनकाल का ग्रास बन गए थे। बाढ़ और भू-स्खलन का यह दौर चाहे जलवायु परिवर्तन के चलते भयंकर स्थिति में पहुंच गया हो या अवैज्ञानिक निर्माण कार्यों के कारण, दोनों ही मामलों में ये आपदाएं मानव निर्मित ज्यादा हैं और प्राकृतिक कम।

हालांकि, हम इन्हें प्राकृतिक आपदाएं कह कर अपनी गलतियों को छुपाने की कोशिश करते रहते हैं। बाढ़ और भू-स्खलन प्राकृतिक तौर पर भी आते रहते हैं, किंतु मानव निर्मित कारणों से ये घटनाएं भयानक बन जाती हैं। जलवायु परिवर्तन भी तो मानव निर्मित आपदा ही है। पिछले डेढ़-दो सौ वर्षों की औद्योगिक क्रांति के बाद के वर्षों में वायुमंडल में हरित प्रभाव पैदा करने वाली कार्बन डाई ऑक्साइड और मीथेन जैसी गैसों के उत्सर्जन के कारण ही तो वैश्विक तापमान में वृद्धि हुई है, जो जलवायु परिवर्तन द्वारा अतिवृष्टि, अनावृष्टि और ग्लेशियरों के पिघलने का कारण बन रही है।

ग्लेशियर पिघलने के कारण हिमालय क्षेत्र में ग्लेशियर के भाग टूट कर और कुछ मलबा मिश्रण घाटियों में फंस कर कृत्रिम झीलों का निर्माण करता है। ये झीलें अचानक टूट जाती हैं और नीचे भयानक बाढ़ की विभीषिका का मंजर पेश होता है। 90 के दशक में पारछू नदी के उद्गम के नीचे बनी झील के टूटने से सतलुज नदी में आई भयानक बाढ़ ने बड़ी तबाही मचाई थी। पिछले साल हुई तबाही में कई जगह बादल फटने की घटनाएं भी कारण बनीं। जब 100 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में एक घंटे में 10 सेंटीमीटर या इससे अधिक बारिश हो जाए, तो उसे बादल फटना कहा जाता है। ये बादल फटने की घटनाएं भी वैश्विक तापमान वृद्धि के कारण ही बढ़ी हैं।

अब जलवायु परिवर्तन एक सच्चाई बन चुका है। इसलिए हमें हिमालय में निर्माण कार्य इस खतरे को ध्यान में रख कर ही उचित सावधानी से करने चाहिए, क्योंकि हिमालय पर दोहरा खतरा है। एक तो जलवायु परिवर्तन के कारण अतिवृष्टि और ग्लेशियर पिघलने के कारण आने वाली बाढ़ों का खतरा बढ़ जाता है। दूसरे, हिमालय एक कम उम्र का पहाड़ है, जो अभी तक भी बन रहा है। इस कारण कमजोर और भुरभुरा है। भारी बारिश की मार न सह सकने के कारण भू-स्खलन का शिकार हो जाता है। ऐसे नाजुक भू-स्थल को जब अंधाधुंध तोड़फोड़ का शिकार बनाया जाता है, तो भू-स्खलन की तबाही आ जाती है। जब ये भू-स्खलन का मलबा नदी नालों में पंहुचता है, तो उनका तल ऊपर उठ जाता है, जिससे पानी और बाढ़ का बहाव अप्रत्याशित रूप से ऊपर तक तबाही मचा देता है। इस दृष्टि से जल विद्युत के लिए बांध, सुरंगें, चौड़ी सड़कें बनाने के लिए निकला मलबा ढलानों पर फेंके जाने से तबाही को बढ़ाने का कार्य करता है। इन निर्माण कार्यों के लिए भारी मात्रा में वृक्ष कटान भी होता है, जो कमजोर भू-स्थल को और कमजोर कर देता है। खनन कार्य भी इसी तरह तबाही का कारण बनता है।

ये सभी कार्य एक ओर तो प्रकृति विध्वंस का कारण बनते हैं और दूसरी ओर सरकारी और इन निर्माण और खनन से जुड़े लोगों के लिए आय का साधन होते हैं। विकास के लिए इनका होना जरूरी माना जाता है। इस तरह जो स्थानीय जनता इस तबाही से त्रस्त होती है, वह इनका विरोध करती है और जो इससे लाभान्वित होते हैं, वे इसके पक्ष में खड़े होते हैं, जिससे समाज में आपसी टकराव भी हो जाते हैं। जैसे टिहरी बांध निर्माण के समय बांध विरोधी और बांध समर्थक दो हिस्सों में उस प्रभावित क्षेत्र की जनता बंट गई थी, जो विस्थापित हो जाते हैं, उनकी त्रासदी तो अनंत होती है और कुछ पीढ़ियों तक विस्थापन का दंश उनको झेलना पड़ता है। इस द्वंद्व में हिमालय क्षेत्र फंसा हुआ है। एक तरफ गड्ढा और एक तरफ खाई वाली स्थिति है, जिससे निकलना देश और हिमालय के स्थानीय हित के लिए जरूरी है।

हिमालय देश के लिए पानी, शुद्ध हवा, उपजाऊ मिटटी दे कर जिंदा रहने के लिए सबसे जरूरी हवा, पानी और भोजन की सुरक्षा की व्यवस्था करता है। हिमालय की इन पर्यावरणीय सेवाओं को बनाए रखकर ही देश और हिमालय क्षेत्र के भविष्य को सुरक्षित किया जा सकता है। इसलिए हिमालय के पर्यावरणीय तंत्र को सुरक्षित रखना और विकास के कार्यों में आपसी विरोधाभास समाप्त करना ही मुक्ति का मार्ग है। हमारी निर्माण गतिविधियों को वैकल्पिक तकनीकों द्वारा पर्वत विशिष्ट मॉडल के रूप में विकसित करना होगा। सड़क निर्माण से लेकर जल विद्युत तक। उदाहरण के लिए सड़क निर्माण कट एंड फिल तकनीक से करके डंपिंग से होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है। हालांकि, पर्यटन भी ऐसे क्षेत्र के रूप में उभर रहा है, जो स्थानीय आजीविका के लिए जरूरी आधार बनता जा रहा है, किंतु इसके कारण भी पहाड़ी ढलानों पर बढ़ते बोझ और कचरा प्रदूषण के चलते इसका भी नियमन किया जाना चाहिए।

इस व्यवसाय से जुड़े कुछ संवेदनशील लोग उत्तरदायी पर्यटन की अवधारणा के विकास और लागू करने की बात कर रहे हैं। इससे पर्यावरण की सुरक्षा के साथ-साथ पर्यटन व्यवसाय का टिकाऊपन भी सुनिश्चित हो सकेगा। मंडी और कुल्लू जिलों में कुछ समूह इस दिशा में कार्यरत हैं। इन सावधानियों के साथ विकास को देखना आपदाओं को कम करने में मददगार होगा। फिर भी कुछ आपदाओं की संभावना तो बनी ही रहेगी, जिसके लिए आपदा प्रबंधन व्यवस्था को चाक-चौबंद करना होगा। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के रूप में अच्छा कार्य हो रहा है, किंतु तत्काल राहत के लिए स्थानीय समुदायों, स्वयंसेवी संस्थाओं, महिला मंडलों, युवा मंडलों, पंचायतों को जागरूक करना और प्रशिक्षित करना होगा, ताकि जब तक प्रशिक्षित संगठन आपदा ग्रस्त स्थान पर पहुंचे तब तक तात्कालिक सहायता उपलब्ध हो सके।

(लेखक, जल-जंगल-जमीन के मुद्दों के जानकार हैं।)

संपादकीय

करों पर अधिकारा

खनिजों पर देय रॉयल्टी कोई कर नहीं है और संविधान के तहत राज्यों के पास खदानों और खनिजयुक्त भूमि पर कर लगाने का विधायी अधिकार है। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र द्वारा खदानों और खनिजों पर लगाए गए हजारों करोड़. रुपये के करों की वसूली पर फैसला दिया। झारखंड और ओड़िशा जैसे खनिज समृद्ध राज्यों ने इन करों की वापसी के लिए अदालत से आग्रह किया था। नौ न्यायाधीशों की खंडपीठ ने राज्यों से इस पर लिखित दलीलें मांगी हैं। 8:1 के बहुमत के फैसले में कहा कि खनिजों पर देय रॉयल्टी नहीं है। संविधान की दूसरी सूची की प्रविष्टि 50 के अंतर्गत संसद को खनिज अधिकारों पर कर लगाने की शक्ति नहीं है। पीठ ने माना कि खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 राज्यों को खदानों तथा खनिजों पर कर लगाने से प्रतिबंधित नहीं करता। 1989 के शीर्ष अदालत के फैसले में कहा गया था कि खनिजों पर रॉयल्टी कर है। उसमें रॉयल्टी को वह भुगतान बताया गया था जो उपयोगकर्ता पक्ष बौद्धिक संपदा या अचल संपत्ति-परिसंपत्ति के मालिक को देता है। ये राज्य हजारों करोड़. की वसूली पिछली तारीख से आदलत के मार्फत करवाना चाहते हैं। सामाजिक व्यवस्था में राज्य यथासंभव सामाजिक, आर्थिक, विकास संबंधी, सुरक्षा, कानून-व्यवस्था, आरोग्यता, शिक्षा जैसे साधन मुहैया कराता है। राज्य सरकारें सभी व्ययों तथा कर निर्धारण की जिम्मेदारी निभाती हैं। राज्यों और केंद्र के दरम्यान कई बार खींचतान की स्थिति उत्पन्न होती रहती है। खासकर जिन राज्यों में विपक्षी दलों की सरकार होती हैं, उन्हें केंद्र की नीतियों या आर्थिक मदद को लेकर सहयोगपूर्ण रवैया न रखने जैसी शिकायतें आम हैं। निःसंदेह केंद्र संविधान के तहत कानून बनाता है और राष्ट्रीय स्तर की नीतियों के विकास और कार्यान्वयन का जिम्मा उसी का होता है परंतु राज्यों के अधिकारों की पूरी तरह अनदेखी नहीं कर सकता। ओड़िशा और झारखंड प्रमुख खनिज उत्पादक राज्य हैं, जिनकी आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं रही। इसलिए अदालत का यह फैसला उनके विकास में महत्त्वपूर्ण साबित हो सकता है।

चिंतन-मनन

कर्त्तव्य को बनाएं सर्वोपरि लक्ष्य

अध्यापक ने विद्यार्थियों से पूछा- 'रामायण और महाभारत में क्या अंतर है?' विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी समझ के अनुसार उत्तर दिए। अध्यापक को संतोष नहीं हुआ। एक विद्यार्थी ने अनुरोध किया- 'आप ही बताइए' अध्यापक बोला-रामायण और महाभारत में सबसे बड़ा अंतर है 'हक-हकूक' का। रामायण में राम ने अपना अधिकार छोड़ा, राज्य छोड़ा और चौदह वर्षों तक वन में जाकर रहे। वे चाहते तो अधिकार के लिए लड़ाई कर सकते थे। दशरथ उन्हें वन में नहीं भेजना चाहते थे। अयोध्या की जनता उनके वन-गमन से व्यथित थी। पर राम ने अपने कर्त्तव्य को अधिकार से ऊपर रखा। पिता के कहे का पालन उनके जीवन का महान आदर्श था।

महाभारत का संपूर्ण कथानक अधिकारों की लड़ाई का कथानक है। कौरव और पांडव आपस में चचेरे भाई थे। भाई-भाई के रिश्तों में जो गंध होती है, मिठास होती है, अपनापा होता है, उसका दर्शन ही वहां कहां होता है! पांडव सब कुछ जुए में हार गए। सब वादे पूरे कर वे लौटे तो दुर्योधन ने पांच गांव तो क्या, सूई की नोक के बराबर भूमि भी देने से मना कर दिया।

ये दो उदाहरण हैं - हमारे सामने। प्रथम उदाहरण अपनेपन से भरे आत्मीय संबंधों का है। यह संबंधों की मधुरता व्यक्ति को कभी आत्मकेंद्रित नहीं होने देती। वह अपने बारे में नहीं सोचता; परिवार, समाज और देश के बारे में सोचता है। उसका अपना कोई स्वार्थ होता ही नहीं। पद-प्रतिष्ठा और सुख-सुविधा के संस्कारों से वह ऊपर उठ जाता है। ऐसा वही व्यक्ति कर सकता है, जो कर्त्तव्य को अपने जीवन का सवरेपरि लक्ष्य मानता है। वह संस्कृति सफल होती है जो कर्त्तव्यनिष्ठ व्यक्तियों को जन्म देती है।

वह शताब्दी सफल होती है, जो कर्त्तव्य की धारा को सतत प्रवाही बनाकर जन-जन तक पहुंचाती है। वह परंपरा सफल होती है, जो कर्त्तव्य का बोध देती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूजा-प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और सुख-सुविधा की अर्थहीन चिंता छोड़कर व्यक्ति अपने जीवन को कर्त्तव्य के लिए समर्पित कर दे।

मिसाल कायम करते झुंझुनू के जवान

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान में शेखावाटी क्षेत्र के झुंझुनू जिले के अमर सपूतों की इस वीर भूमि के रणबांकुरों ने जहां स्वतंत्रता पूर्व के आन्दोलनो में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया था। वहीं स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद सेना द्वारा लड़ी गयी लड़ाइयों में भी इस धरती की माटी में जन्मे वीरों ने समय-समय पर अपना पराक्रम दिखाया हैं। वीरों की इस धरती ने सदियों से जन्म लेते रहे सपूतों के दिलों में देशभक्ति की भावना को प्रवाहित किया हैं। वास्तव में यहां की धरती को यह वरदान सा प्राप्त होना प्रतित होता हैं कि इस पर राष्ट्रभक्ति के कीर्तिमान स्थापित करने वाले लाडेसर ही जन्म लेते हैं। चाहे 1948 का पाकिस्तानी कबायली हमला हो या 1962 में चीन से युद्ध हो या 1965 व 1971 का भारत-पाक युद्ध। यहां के वीरों ने मातृभमि की रक्षा हेतू सदैव अपना जीवन बलिदान किया हैं। सेना के तीनो अंगो की आन की रक्षा के लिये यहां के नौजवान सैनिकों के उत्सर्ग को राष्ट्र कभी भुला नही सकता हैं।

राजस्थान में झुंझुनू जिले के नवयुवको में सेना में भर्ती होने की बहुत पुरानी परम्परा रही हैं। यहां के गांवों में घर-घर में सैनिक होता हैं। सेना के प्रति यहां के लगाव के कारण अंग्रेजो ने यहां एक सैनिक छावनी की स्थापना कर ह्यशेखावाटी ब्रिगेड ह्यका गठन किया था। देश रक्षा के लिये सेना में शहादत देना राजस्थान की परम्परा रही है। झुंझुनू जिले के वीर जवानो को उनके शौर्यपूर्ण कारनामों के लिये समय-समय पर भारत सरकार द्वारा विभिन्न अलंकरणों से नवाजा जाता रहा हैं। अब तक इस जिले के कुल 130 से अधिक सैनिकों को वीरता पुरस्कार से नवाजा जा चुका है। जो पूरे देश में किसी एक जिले के सर्वाधिक हैं।

भारतीय सेना में योगदान के लिये झुंझुनू जिले का देश में अव्वल नम्बर हैं। वर्तमान में इस जिले के 55 हजार जवान सेना में कार्यरत हैं। वहीं जिले में करीबन 60 हजार भूतपूर्व सैनिक व अर्धसैनिक बलों के जवान हैं। आजादी के बाद भारतीय सेना की और से राष्ट्र की सीमा की रक्षा करते हुये यहां के 486 जवान शहीद हो चुके हैं। जो पूरे देश में किसी एक जिले से सर्वाधिक हैं। कारगिल युद्व के दौरान पूरे देश में 527 जवान शहीद हुये थे जिनमें यहां के 19 सैनिक शहीद हुये थे जो पूरे देश में किसी एक जिले से शहादत देने वालों में सर्वाधिक जवान थे। झुंझुनू जिले से अब तक 486 से अधिक सैनिक जवान सीमा पर शहीद हो चुके हैं। यहां के गांवों में लोकदेवताओं की तरह पूजे जाने वाले शहीदों के स्मारक इस परम्परा के प्रतीक हैं। इस जिले के वीरों ने बहादुरी का जो इतिहास रचा है उसी का परिणाम है कि भारतीय सैन्य बल में उच्च पदों पर सम्पूर्ण राजस्थान की ओर से झुंझुनू जिले का ही वर्चस्व रहा है। इस क्षेत्र के सैनिकों ने भारतीय सेना में रहकर विभिन्न युद्धो में बहादुरी एवं शौर्य की बदौलत जो वीरता पदक प्राप्त कियें हैं वे किसी भी एक जिले के लिये प्रतिष्ठा एवं गौरव का विषय हो सकता हैं। सीमा युद्ध के अलावा जिले के बहादुर सैनिकों ने देश मे आंतरिक शान्ति स्थापित करने में भी सदैव विशेष भूमिका निभाई हैं। सीमा संघर्ष एवं नागा होस्टीलीटीज हो या आपरेशन ब्लूस्टार या श्रीलंका सरकार की मदद हेतु किये गये आपरेशन पवन अथवा कश्मीर में चलाया गया आतंकवादी अभियान रक्षक या कारगिल युद्व। सभी अभियान में यहां के सैनिको ने शहादत देकर जिले का मान बढ़ाया हैं।

झुंझुनू जिले के हवलदार मेजर पीरूसिंह शेखावत को 1948 के युद्व में वीरता के लिये देश का सर्वोच्च सैनिक सम्मान परमवीर चक्र से सम्मानित किया जा चुका है। परमवीर चक्र पाने वाले पीरूसिंह शेखावत देश के दूसरे व राजस्थान के पहले सैनिक थे। यहां के सैनिकों ने द्वितीय विश्व युद्व में भी बढ़चढ़ कर भाग लिया था। आज भी यहां द्वितीय विश्व युद्व के पूर्व सैनिकों की विधवाओं को सरकार से पेंशन मिल रही है।

यहां के जवानो ने सेना के सर्वोच्च पदों तक पहुंच कर अपनी प्रतीभा का प्रदर्शन किया है। इस जिले के चित्तोसा गांव के एडमिरल विजय सिंह शेखावत भारतीय नो सेना के अध्यक्ष रह चुकें है। वहीं स्व. कुन्दन सिंह शेखावत थल सेना में लेफ्टिनेन्ट जनरल व भारत सरकार के रक्षा सचिव रह चुके हैं। जे.पी.नेहरा, सत्यपाल कटेवा, लेफ्टिनेंट जनरल केके रेप्सवाल सेना में लेफ्टिनेन्ट जनरल पद से सेवानिवृत हुये हैं। लेफ्टिनेंट जनरल बसंत कुमार रेप्सवाल सेना सेवा कोर में कार्यरत हैं। इसके अलावा यहां के काफी लोग सेना में मेजर जनरल, ब्रिगेडियर, कर्नल, मेजर सहित अन्य महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत है। देश में झुंझुनू एकमात्र ऐसा जिला हैं जहां सैनिक छावनी नहीं होने के उपरान्त भी गत पचास वर्षों से अधिक समय से सेना भर्ती कार्यालय कार्यरत है। जिससे यहां के काफी युवकों को सेना में भर्ती होने का मौका मिल पाता है।

जिले में इतने अधिक लोगों का सेना से जुड़ाव होने के उपरान्त भी सरकार द्वारा सैनिक परिवारों की बेहतरी व सुविधा उपलब्ध करवाने के लिये बहुत कुछ किया जाना अभी बाकी है। कारगिल युद्व के समय सरकार द्वारा घोषित पैकेज में यह बात भी शामिल थी कि हर शहीद के नाम पर उनके गांव में किसी स्कूल का नामकरण किया जायेगा मगर जिले के ऐसे कई शहीदों के नाम पर अब तक सरकार ने स्कूलों का नामकरण कई नहीं किया है।

झुंझुनू जिले के दोरासर गांव में सैनिक स्कूल प्रारम्भ हो चुकी है जिसका लाभ सेना में जाने वाले यहां के युवाओं को मिलेगा। 19 साल पहले हमने करगिल तो जीत लिया था, लेकिन शहीदों के परिवारों के सामने आज भी समस्याओं के कई करगिल खड़े हैं। जिन पर जीत दर्ज करनी अभी बाकी हैं। सरकार द्वारा झुंझुनू जिले को देश का सैनिक जिला घोषित कर यहां के सैनिक परिवारों को सुविधाये उपलब्ध करवाने की तरफ पर्याप्त ध्यान दे तो आज भी झुंझुनू क्षेत्र से अनेक पीरूसिंह पैदा होकर देश के लिये प्राण न्योछावर कर सकते हैं। झुंझुनू जिले के सैनिको की बहादुरी देखकर कवि ने अपनी रचना में भी झुंझुनू के वीरो का गुणगान इस प्रकार किया है।

शुरा निपजे झुंझुनू, लिया कफन का साथ ।
रण-भूमि का लाडला, प्राण हथेली हाथ ।।

वैश्विकी: भारत-चीन संबंध-नई करवट

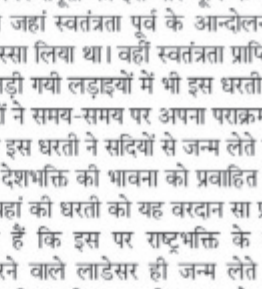

डॉ. दिलीप चौबे

भारत-चीन संबंधों को लेकर कूटनीतिक जगत में आजकल काफी चर्चा है। गलवान घाटी में हुए घटनाक्रम के बाद पिछले चार वर्षों में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैन्य तैनाती जारी रही तथा कूटनीतिक नोकझोंक भी चलती रही। विवाद के कुछ क्षेत्रों में सैनिकों की वापसी हुई लेकिन अन्य मामलों में प्रगति नहीं हुई। बदलते अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में दोनों देशों ने कुछ लचीला रुख अपनाया है जिससे आशा बंधती है कि द्विपक्षीय संबंध पटरी पर आ सकते हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद नई सरकार देश में रोजगार सृजन और उत्पादन गतिविधियां बढ़ाने पर विशेष जोर दे रही है। इसमें चीन की भूमिका हो सकती है। सीमा विवाद के बावजूद चीन भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी संकेत दिया है कि भारत चीन से निवेश का इच्छुक है। इसे सरकार की नीति में बदलाव कहा जा सकता है। वह घरेलू और विदेशी मोर्चे पर नई परिस्थितियों का तकाजा भी हो सकता है। रूस की ओर से भारत चीन संबंधों को सामान्य बनाने के लिए लगातार कोशिश होती रही हैं। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव राजनीति त्रिगुट (रूस-भारत-चीन) को सक्रिय बनाने की कोशिश करते रहे हैं। रूस-भारत-चीन (रिक) प्रक्रिया के तहत तीनों देश पूर्व में विचार-विमर्श करते रहे। गलवान घटनाक्रम के बाद यह प्रक्रिया बंद हो गई थी। अब इसे पुनर्जीवित करने की कोशिश हो रही है। रूस तो यह भी चाहता है कि आगामी महीनों में वहां आयोजित होने वाली ब्रिक्स शिखर वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय वार्ता आयोजित हो। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हाल में अपनी लाओस यात्रा के दौरान चीन के विदेश मंत्री वांग यी से विचार-विमर्श किया था।

संभव है कि इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी के बीच शिखर वार्ता आयोजित करने पर चर्चा हुई हो। बहुत संभव है कि शिखर वार्ता के लिए आवश्यक माहौल बनाने के सिलसिले में दोनों देश सीमाओं से सैनिक पीछे हटाने का फैसला कर लें। यदि ऐसा होता है तो शिखर वार्ता के पक्ष में जनमत अनुकूल रहेगा।

विदेश मंत्री जयशंकर यात्रा के अगले चरण में जापान में क्वाड़ विदेश मंत्रियों के साथ बैठक करेंगे। क्वाड़ की ऐसी बैठक काफी समय बाद हो रही है। कारण स्पष्ट है। अमेरिका और क्वाड़ के अन्य सदस्यगण यह जानते हैं कि चीन के साथ संघर्ष की स्थिति में भारत इसमें भागीदार नहीं बनेगा। विकल्प के रूप में अमेरिका ने ऑक्स (आस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और अमेरिका) के रूप में नया गुट तैयार किया है। इसी के साथ ही जापान, दक्षिण कोरिया और फिलिपींस के साथ सैन्य सहयोग बढ़ाया जा रहा है। जापान के प्रधानमंत्री फुजियो किशिदा तो एशिया में सैन्य संगठन नाटो जैसी सुरक्षा व्यवस्था कायम किए जाने के हिमायती हैं।

कुछ दिन पहले रूस और चीन के बमवर्षक युद्ध विमानों ने अमेरिका के अलास्का प्रांत के पास उड़ान भरी। इन पर निगरानी रखने के लिए अमेरिका और कनाड़ा के युद्धक विमानों ने भी उड़ान भरी। यह घटनाक्रम अमेरिका के खिलाफ रूस और चीन की सैन्य लामबंदी का द्योतक है। हाल में रूस ने उत्तर कोरिया के साथ सैन्य समझौता किया है जो दक्षिण कोरिया और जापान के लिए सीधी चुनौती है।

एशिया में बदलते हुए इस परिदृश्य ने भारत की विदेश नीति के सामने बड़ी चुनौती है। भारत और अमेरिका के संबंधों के बीच खटास आने से इसमें एक नया आयाम जुड़ गया है। यह विडंबना है कि ऐसा उस समय हो रहा है जब अमेरिका में राष्ट्रपति पद की दावेदारी में भारतीय मूल की कमला हैरिस अग्रणी है। अमेरिका के राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्र में भारतीय मूल के लोगों का दबदबा लगातार बढ़ रहा है। यह द्विपक्षीय संबंधों को सकारात्मक बनाए रखने के लिए सहायक सिद्ध होगा।

एक नजर

पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर की थी पति का हत्या

पांकी(पलामू) : पांकी थाना प्रभारी उत्तम तिवारी के नेतृत्व अजय वर्मा हत्याकांड का हुआ खुलासा। पत्नी ने ही प्रेमी के साथ मिलकर अपने ही पति का किया हत्या। पति के हत्या के बाद पांकी का प्रॉपटी बेचकर प्रेमी के साथ रहने का था प्लान। पुलिस से बचने के लिए नाटकीय ढंग से भैसुर सत्येंद्र वर्मा पर हत्या का आरोप लगाया था। आपको बता दे की कुछ वर्ष पूर्व सिचाई विभाग के मैदान झूला मेला में काम करने वाला बिहार के पटना निवासी प्रेमी रंजीत सिंह ने मृतक अजय वर्मा के घर पानी लेने के लिए जाया करता था इसी बीच दोनो का संपर्क हुवा था।

सकारात्मक बदलाव के लिए युवाओं को राजनीति में आगे आना होगा : चंद्रप्रकाश चौधरी

रामगढ़ : झारखंड में विधानसभा चुनाव की आधिकारिक घोषणा तो नहीं हुई है लेकिन सभी राजनीतिक दल चुनाव की तैयारी में जुड़ गए हैं। रामगढ़ छावनी परिषद क्षेत्र के कई युवाओं ने रविवार को आजसू पार्टी का दामन थामा। उन्होंने आजसू नेता चंद्र प्रकाश चौधरी पर भरोसा जताया और कहा कि यह पार्टी स्थानीय स्तर पर विकास का कार्य करती आ रही है। चौधरी ने सभी का स्वागत किया। सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने कहा कि हेमंत सरकार की गलत नीतियों की वजह से आज राज्य का युवा ठगा हुआ महसूस कर रहा है। इस अव्यवस्था को बदलने और राज्य में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए हर वर्ग के युवाओं को राजनीति में आगे आना होगा। युवा नेता रोहित सोनी के नेतृत्व में क्षेत्र की कई युवतियों ने आजसू पार्टी पर आस्था विश्वास रखते हुए पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। सांसद ने पार्टी की नीति और सिद्धांतों को बताते हुए कहा कि हमें गर्व है कि अब हमारी बेटियां श्रोता नहीं, बल्कि क्षेत्र में नेतृत्वकर्ता के रूप में सामने आ रही हैं। मुझे उम्मीद है आप सभी अपने कर्तव्यों और दायित्वों का निर्वहन करते हुए पार्टी हित एवं जनहित में काम करेंगे।

देश की जनता को परिचित कराता है मन की बात कार्यक्रम : बाबूलाल मरांडी

रांची : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का रविवार को 112वां एपिसोड संपन्न हुआ। भाजपा कार्यकताओं ने यह कार्यक्रम बूथ स्तर पर सुना। साथ ही अपने-अपने क्षेत्रों में पार्टी के सांसदों, विधायकों, प्रदेश पदाधिकारियों, जिला, मंडल, बूथ के पदाधिकारियों-कार्यकताओं ने कार्यक्रम को सुना। प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि मन की बात सुनकर भारत दर्शन का अनुभव होता है। प्रधानमंत्री का यह संबोधन भारत की प्रकृति, संस्कृति, विकास और विरासत से देश की जनता को परिचित कराता है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम सभी वर्गों के लिए लाभकारी है। विशेषकर युवाओं को बच्चों को भारत की महान विरासत और प्रगति के नए आयामों से भी परिचित कराता है। नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम जन-जन की बात बन गया है। उन्होंने कहा कि इसमें राष्ट्र भक्ति है। राष्ट्र शक्ति है। परंपरा है। प्रगति है। प्रधानमंत्री का यह संबोधन जन-जन को जोड़ता है। प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम में भारत के विभिन्न राज्यों की प्रेरक गाथाएं, जन प्रयास की चर्चा, युवा शक्ति, नारी शक्ति का देश के विकास में योगदान, नए-नए तकनीक की खोज जैसे विषय प्रमुखता से समाहित होते हैं। उन्होंने कहा कि अब देश की जनता कार्यक्रम की प्रतीक्षा करती है।

कंचन ढाबा में जबरदस्ती शराब मांगने और गोली चलाने के आरोप में तीन गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : सतबरवा थाना क्षेत्र के कंचन ढाबा में बीती रात जबरदस्ती शराब मांगने को लेकर हुई झड़प और गोलीकांड मामले में तीन आरोपियों को पलामू पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस संबंध में सतबरवा थाना प्रभारी ने बताया कि दिनांक 27.07.2024 को वादी सुधीर प्रसाद उम्र 46 वर्ष महेन्द्र प्रसाद ग्राम व थाना सतबरया, जिला झ पलामू के द्वारा एक लिखित आवेदन दिये कि इनके इनके होटल कंचन ढ़ाबा पर स्कॉर्पियो एवं रवश से 03 (तीन) व्यक्ति आए और इन पर जान मारने के नियत से इनके दुकान में फायरिंग किये इस संबंध में सतबरवा थाना कांड संख्या 90/ 2024, दिनांक 27.07.2024, धारा 109 बी०एन०एस० एवं 27 आर्म्सएक्ट दर्ज की गई है। तीनों आरोपियों को न्यायिक हीरासत में भेज दिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में जितेन्द्र कुमार पाण्डेय उम्र 44 वर्ष पिता राज कुमार पाण्डेय पता झ गढ़वा 2. राहुल कुमार उम्र 38 वर्ष पिता सुनिल कुमार सिंह पत्ता झ गढ़वा 3. सुरेन्द्र विश्वकर्मा उम्र 50 वर्ष पिता कृष्णा विश्वकर्मा पता गोन्दा, थाना मेराल जिला झ गढ़वा का नाम शामिल है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने जप्त सामानों की विवरणी 01 (एक) स्कॉर्पियो एवं 01 (एक) रवश 02 (दो) रायफल एवं 09 (नौ) राउण्डजिन्दा गोली एवं 01 (एक) खोखा तथा 04 (चार) मोबाईल बरामद किया है।

चोरी की तीन बाइक के साथ दो को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हुसैनाबाद (पलामू) : 24 जुलाई को स्पलेन्डर मोटर साईकिल चोरी होने के संबंध में हुसैनाबाद थाना कांड 170/24 धारा 303(2) बीएनएस के तहत अज्ञात चोर के विरुद्ध दर्ज किया गया था। कांड में चोरी गये मोटरसाईकिल को बरामदगी के लिए मुकेश कुमार महतो अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी हुसैनाबाद के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया था। अनुसंधान के दौरान में छापामारी दल को 27 जुलाई 24 को गुप्त सूचना मिली की उक्त कांड में चोरी गया मोटरसाईकिल टैक्सी स्टेन्ड जपला हैदर नगर रोड में एक व्यक्ति लेकर खड़ा है। इस सूचना पर छापामारी दल ने छापामारी के क्रम में उक्त कांड में चोरी गई मोटरसाईकिल बिना नम्बर का पाया गया। जिस पर एक व्यक्ति बैठा हुआ था। नाम पता पुछने पर उसने अपना नाम अजय कुमार बताया। जिसके स्वीकारोक्ति बयान में माह जून से अबतकहुसैनाबाद थाना से 08 (आठ) बाइक चोरी करने की बात स्वीकार किया है। इसकी निशानदेही पर छापामारी दल ने जीवा बिगहामोड, अम्बा औरंगाबाद (बिहार) स्थित सोहन कुमार के मोटर साईकिल गैरेज से दो मोटरसाईकिल बरामद किया। तथा एक मोटर साईकिल शराब बेचने में कुटुम्बा थाना एवं एक मोटर साईकिल अम्बा थाना में जब्त किया जा चुका है।

विधायक प्रत्याशी चंचला देवी ने पाटन के विभिन्न गांवों का किया दौरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर(पलामू) : पाटन छतरपुर विधायक प्रत्याशी चंचला देवी ने रविवार को पलामू जिले के पाटनप्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांव का दौरा कर आमजनों की समस्याओं से रूबरू हुई और लोगों की समस्या को सुनते हुवे कहा की चुनाव जीतने के बाद सभी समस्या का समाधान किया जाएगा। वहीं विधायक प्रत्याशी चंचला देवी ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान पाटन प्रखंड के पंचकेड़या, कंचनपुर, बंजारी, नावा जयपुर, महौलिया सहित विभिन्न गांव का दौरा कर लोगो से आशीर्वाद पाया। ग्रामीणों ने चंचला देवी से शिकायत करते हुए कहा कि लोग चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे करते हैं परंतु चुनाव जीतने के बाद ग्रामीणों की समस्या को सुनने एक बार भी गांव नहीं आते है। जिसके कारण लोगों को कई समस्याओं से जूझना पड़ता है। ग्रामीणों ने कहा कि क्षेत्र में आय दिन हो रही बिजली की लचर व्यवस्था,सड़क की जर्जर स्थिति हम लोगों के लिए मुसीबत बन गई है। ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए विधायक प्रत्याशी चंचला देवी ने जल्द समस्याओं का समाधान होने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि मैं क्षेत्र की हर छोटी-बड़ी समस्याओं की निदान को लेकर हमेशा प्रयासरत हुं। क्षेत्र की हर समस्याओं को मजबूती के साथ रखने का प्रयास करूंगी। क्योंकि क्षेत्र का चहुंमुखी विकास हमारी पहली प्राथमिकता है। वही मौके पर उपस्थित विधायक प्रत्याशी चंचला देवी के पति समाज सेवी विजय चंद्रवंशी ने कहा की वह पाटनछतरपुर क्षेत्र के जनता के लिए हर तरह के सहयोग के लिए हम 24 घंटे खड़े है। इस क्षेत्र के किसी भी ग्रामीणों को कोई भी परेशानी हो तो तुरंत हमसे संपर्क करे।मैं ग्रामीणों की सेवा के लिए 24 घंटे तत्पर हूं।

ज्योति आईटीआई में टाटा मोटर्स द्वारा कैंपस प्लेसमेंट का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : कांदू मोहल्ला मेदनीनगर स्थित ज्योति आईटीआई में देश के प्रमुख कंपनी टाटा मोटर्स जमशेदपुर द्वारा दिनांक 29 जुलाई 2024 दिन सोमवार सुबह 10:00 बजे अप्रेंटिसशिप का आयोजन किया जा रहा है जिसमें शामिल होने के लिए किसी भी आईटीआई से इलेक्ट्रीशियन और फिटरट्रेड हो वह इस कैंपस में भाग ले सकते हैं इसकी जानकारी कॉलेज के प्लेसमेंट सेल के अधिकारी मनोरथ चौधरी ने दी है उन्होंने बताया कि कंपनी द्वारा 8 घंटे ड्यूटी के दौरान कैंटीनमेडिकलपीएफ की सुविधा मुहैया कराई जाएगी इसके लिए सबसे पहले आवेदकों को 29 जुलाई 2024 को अपनी सभी कागजात के साथ सुबह 10:00 से शाम 4:00 तक प्लेसमेंट सेल में निःशुल्क रजिस्ट्रेशनफॉर्म भरना होगा उसके बाद कैंपस की प्रक्रिया की जाएगी । इस कैंपस आयोजन पर संस्थान के सचिव ज्योति पांडे ने आईटीआई पास युवाओं को निमंत्रित किया है और कहा है की यह बेहतरीन अवसर है संबंधित व्यवसायों में पास युवा कैंपस साक्षात्कार में भाग लेकर अपनी योग्यता के आधार पर रोजगार हासिल कर सकते हैं और हमारा शुरू से ही प्रयास रहा है कि पलामू प्रमंडल के बेरोजगार एवं जरूरतमंदों को ज्योति आईटीआई के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा रोजगार के अवसर प्राप्त हो।

आजसू के मिलन समारोह में निर्मल उरांव समेत कई युवाओं ने थामा पार्टी का दामन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के बोड़ेया स्थित गोल्डन मोमेंट बैंक्वेट हॉल में रविवार को आयोजित मिलन समारोह में पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस दौरान केंद्रीय सचिव सह रांची महानगर प्रभारी जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में युवा समाजसेवी निर्मल उरांव ने सैकड़ों समर्थकों के साथ पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए सुदेश महतो ने कहा कि राज्य की वर्तमान परिस्थिति ने सभी लोगों को एक बार फिर सोचने पर मजबूर कर दिया है। राजनीति चिंतन का माध्यम है। यदि आपका चिंतन राज्य के हित के लिए है तो आपके साथ लोग जुड़ेंगे और आपका साथ भी देंगे। नवीन सोच और नवीन ऊर्जा के साथ हमें मिलकर आगे बढ़ना है। पार्टी में शामिल हुए निर्मल उरांव का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि आप सभी को जनता की सेवा करने का सशक्त मंच देगी आजसू पार्टी। गरीबों शोषितों और वंचित की आवाज बनकर काम करने की आवश्यकता। अपनी संस्कृति, परंपरा और विरासत को संजोने और आगे बढ़ने की जिम्मेदारी युवाओं पर है। सार्वजनिक जीवन में कदम रखने पर आपको और आपकी टीम को बधाई। पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वाले निर्मल उरांव ने कहा कि समाज की समस्याओं को करीब से जनता हूं और इन समस्याओं को दूर करने के लिए आजसू से बेहतर कोई राजनीतिक पार्टी नहीं है। सुदेश महतो द्वारा सिल्ली विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा के साथ ही खेल को बढ़ावा देने के लिए किए गए कार्य सराहनीय है। राज्य के विकास और युवाओं के कल्याण के प्रति उनके सोच से प्रभावित होकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है।

पोक्सो एक्ट पर डालसा ने एक दिवसीय कार्यक्रम का किया आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

दुमका : जला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से न्याय सदन में पॉक्सो एक्ट के तहत डिस्ट्रिक्ट लेवल मल्टी स्टेक होल्डर कंसल्टेशन कार्यक्रम रविवार को आयोजित हुई। कार्यक्रम झालसा, रांची के निदेर्शानुसार प्रधान जज सह प्राधिकार अध्यक्ष संजय चंद्रदायी के निर्देश पर आयोजित हुई। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला जज प्रथम, रमेश चंद्र, जिला जज, द्वितीय प्रकाश झा, जिला जज तृतीय राजेश सिन्हा, जिला जज चतुर्थ धर्मेंद्र कुमार सिंह, पुलिस उपाधीक्षक आकाश भारद्वाज एवं बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष अमरेंद्र कुमार यादव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर विधिवत उदघाटन किया। कार्यक्रम में पोक्सो एक्ट यानि प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफन्स एक्ट को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। पॉक्सो अधिनियम को भारत सरकार के महिला और बाल विकास मंत्रालय द्वारा वर्ष 2012 में अधिनियमित किया गया था। इसके अंतर्गत बाल यौन शोषण, यौन उत्पीड़न एवं पॉनोग्राफी के विरुद्ध कार्रवाई के लिए कड़े प्रावधान किए गये है। इसके उल्लंघन से जेल के साथ जुमार्ने का भी प्रावधान है। कार्यक्रम में पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए किस तरह केस को फ्रेम तैयार करना है। उसकी बारीकी को बताया गया। साथ ही पीड़िता को मुआवजा दिलाने की दिशा में कार्रवाई करने की बात को बताया गया। कार्यक्रम के अंत में पोक्सो एक्ट के संबंध में ओपन सेशन भी रखा गया। इसके अंतर्गत जिला जज प्रथम ने पोक्सो एक्ट की कार्यप्रणाली एवं इसमें आने वाले बाधाओं के बारे में विस्तारपूर्वक समझाया। कार्यक्रम का मंच संचालन सहायक एलएडीसी ने किया।

आदिवासियों का रहा है गौरवमयी इतिहास : हरेराम सिंह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : राष्ट्रीय चेरो जनजाति महासंघ के राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक एवं झारखंड प्रदेश के चेरो जनजातिय कार्यकर्ता सम्मेलन पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर ड्रावन में आयोजित की गई। जिसका उदघाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष सह यूपी दूधी के पूर्व विधायक हरेराम सिंह चेरो, राष्ट्रीय प्रधान महासचिव सह मनिका विधायक रामचंद्र सिंह, राष्ट्रीय संयोजक अवधेश सिंह चेरो, झारखंड प्रदेश अध्यक्ष अर्जुन सिंह व अन्य ने दीप प्रज्वलित कर व राजा मेदिनीराय के तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर किया। सम्मेलन में आदिवासियों की गिरती हुई अर्थव्यवस्था, घटती हुई जनसंख्या, उनके सामाजिक व आर्थिक उत्थान तथा हक व अधिकार समेत कई बिंदुओं पर विचार विमर्श किया गया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष हरेराम सिंह चेरो ने कहा कि आदिवासी समाज का देश स्तर पर गौरवमयी इतिहास रहा है। देश आजादी के पूर्व विड्रिान्न प्रांतों में आदिवासी की राज स्थापित रहा है। जिन्होंने अपना अमिट छाप छोड़ा है। चाहे राजा मेदिनीराय का राज रहा हो, सिद्धोकान्हू, नीलांबर पीतांबर, चांद ड्रौरव जैसे सरीखे कई आदिवासी वीर योद्धा रहे हैं जो अंग्रेजों के समय गुलामी प्रथा को समाप्त करने में अपना अहम योगदान निड्राते वीर गति को प्राप्त हुए हैं। आज राज्य या देश स्तर पर आदिवासी समाज का जो हक अधिकार व सम्मान मिलना चाहिए था वह नहीं मिल रहा है। निश्चित रूप से हमें राजनीतिक शिकार होना पड़ रहा है। ऐसी परिस्थिति में हम सड्डी को अपने समाज को संगठित करते हुए पुरानी कुरीतियों का त्याग करते हुए अपने बच्चों को शिक्षित करें। साथ ही अपने हक व अधिकार के लिए संघर्ष करें। कारण कि आदिवासी समाज संघर्ष का उपज है। मौके पर मनिका विधायक रामचंद्र सिंह ने कहा कि पलामू प्रमंडल का एक मात्र धरोहर पलामू किला जिसे राजा मेदिनीराय के द्वारा स्थापित किया गया था। आज उसे देखने के लिए पर्यटक के रूप में ड्रारत ही नहीं विश्व के विड्रिान्न देश के लोग आते हैं। जो खंडहर में देखकर अफसोस जाहिर करते हैं। केंद्र सरकार व राज्य सरकार इस पर अड्डी तक कोई ध्यान नहीं दे रही है। मैं ड्रारत सरकार से मांग करता हूं कि इसे पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किया जाये। श्री सिंह ने कहा कि पलामू किला के जीर्णोद्धार के लिए झारखंड सरकार से बात किया जायेगा। अवधेश सिंह चेरो ने कहा कि मेरा समाज जंगल व पहाड़ की तलहटियों में बसता है इसके बावजूद जल जंगल व जमीन का अधिकार हमसे छिना जा रहा है। राज्य सरकार आदिवासी के नाम पर ढोंग करती है। हमें मुलड्डूत सुविधाओं से वंचित रखती है इसलिए सड्डी को संगठित होकर एकजुटता का परिचय दें। राजनीति में हमारी हिस्सेदारी मजबूती के साथ लागू हो। इस मौके पर राष्ट्रीय मीडिया प्रड्डारीहृदया सिंह चेरो, प्रदेश अध्यक्ष अर्जुन सिंह, प्रदेश संयोजक प्रदीप सिंह, प्रदेश सचिव मृत्युंजय सिंह व अन्य ने अपने विचार व्यक्त किये।

संक्षिप्त खबरें

संकल्प ऑफ डेवलपमेंट फाऊंडेशन ने इंटर्नशिप कर रहे छात्रों को दिया प्रमाण पत्र

मेदिनीनगर (पलामू) : स्वयंसेवी संस्था संकल्प ऑफ डेवलपमेंट फाऊंडेशन ने संस्था में इंटर्नशिप कर रहे इंजीनियरिंग के छात्रों को प्रमाण पत्र दिया। संकल्प ऑफ डेवलपमेंट में दिव्यांशु रंजन तथा अभिषेक कुमार 15 जून 2024 से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे थे। प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नवनीत सुंदरम ने संकल्प में सोशलमोबलाइज के रूप में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षु को उज्जवल भविष्य का बधाई दिया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि गुलाम हैदर ने कहा कि संकल्प ऑफ डेवलपमेंट फाउंडेशन सामाजिक क्षेत्र में काम करने वाला एक प्रमुख ऑर्गेनाइजेशन है। प्रशिक्षण के दौरान आप लोग सामाजिक क्षेत्र में आने वाले समस्याओं से अवगत हुए तथा कम संसाधन में बेहतर कार्य करने का अनुभव प्राप्त किया है इंजीनियरिंग कंप्लीट होने के बाद हमें आशा है आप समाज को एक नई दिशा देंगे। संस्था के सेक्रेटरी सह सामाजिक कार्यकर्ता दिलीप पांडे ने कहा की सृष्टि को बचाने के लिए पर्यावरण का विकसित होना जरूरी है। पर्यावरण के अभाव में मानव जीवन का अस्तित्व खतरे में है इसलिए संकल्प के माध्यम से पर्यावरण जागरुकता कैंपेन चलाया जा रहा है। कैंपेन के माध्यम से आप लोग बहुत-कुछ सिखें है हमें विश्वास है आप आने वाले समय में समाज तथा देश को एक नई देंगे। कार्यक्रम में प्रकाश कुमार, मुकुंद सिंह, तथा शमशाद अंसारी ने अपने विचार व्यक्त किया।

स्केटिंग चैंपियनशिप में संत मरियम के पुष्कर ने जीता कांस्य पदक

मेदिनीनगर (पलामू) : हर कला में निपुण, विभिन्न विधाओं में पारंगत हासिल कर रहें संत मरियम के विद्यार्थी लगातार देश के विभिन्न राज्यो में अपनी काबिलियत का लोहा मनवा रहे एक बार फिर से पुष्कर राज ने अपने स्केटिंग के शानदार प्रदर्शन से संत मरियम के मान को बढ़ाया है। विदित हो की 27 जुलाई को बिहार स्केट एसोसिएशन के सहयोग से पटना डिस्ट्रिक्ट रोलरस्केटिंग एसोसिएशन द्वारा आयोजित पहला इंटर डिस्ट्रिक्ट रोलरस्केटिंगचैम्पियनशिप 2024 पटना सेंट्रल स्कूल में संपन्न हुआ। जिसमे 400 से अधिक खिलाडियों ने भाग लिया। इस चैम्पियनशिपमे संत मरियम स्कूल डालटनगंज, पलामू से 3 स्केटिंग खिलाड़ियों ने भाग लिया 9 से 11 वर्ष ग्रुप में पुष्कर राज और 11 से 14 वर्ष ग्रुप में प्रियांशु कुमार और राधाकिशनसाव ने भाग लिया। जिसमें पुष्कर राज का मेहनत रंग लाया। कांस्य पदक अपने नाम किया। पुष्कर राज को मिली सफलता को लेकर विद्यालय के चेयरमैन श्री अविनाश देव ने पुष्कर राज व स्केटिंग कोच चंदन कुमार को शुभकामनाएं देते हुए कहां की यह गर्व की बात है कि हमारे विद्यालय के कम उम्र के बच्चे भी लगातार मेहनत और ऊंची सोच की वजह से विद्यालय सहित जिले के मान को भी ऊंचा कर रहे हैं। साथ ही विफल हुए दो अतिरिक्त खिलाड़ियों को भी हौसले को अफजाई करते हुए कहा कि आपके लिए निराशा नहीं बल्कि खुशी की बात कि देश भर से आए सैकड़ो खिलाड़ियों का डटकर सामना करने के लिए आप उस स्तर तक पहुंच चुके हैं। निश्चित रूप से सफल होंगे बसरते धैर्य और निरंतरता के साथ परिश्रम करने की आवश्यकता है। वहीं स्केटिंग कोच चन्दन कुमार ने कहा कि सैकड़ो खिलाड़ियों के बीच पदक जितना अपने आप मे गर्व कि बात है हमारे सभी खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया साथ ही 1 कांस्य पदक जीत कर अपने स्कूल का मान बढ़ाया।

झारखंड लोकल बॉडी इंप्लाईज फेडरेशन ने निकाला मशाल जुलूस

मेदिनीनगर (पलामू) : नगर निकाय में कार्यरत दैनिक और मानदेयकर्मियों की सेवा नियमित करने की मांग के समर्थन में, हुसैनाबाद में कार्यरत कर्मियों ने शनिवार की शाम मशाल जुलूस निकालकर आंदोलन का आगाज कर दिया है। विगत दिनों इन कर्मियों ने हुसैनाबाद विधायक के नाम मांग पत्र सौंपा था। शनिवार को निकला मशाल जुलूस जेपी चौक और अंबेडकर चौक होते हुए विभिन्न गलियों में भ्रमण कर कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर नारे लगाए। कर्मचारी लगातार सरकार से अपनी मांगें पूरी करने का आग्रह कर रहे हैं। कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में निम्नलिखित शामिल हैं - वेतन भुगतान: निकाय कर्मियों का वेतन भुगतान के लिए सरकार अपने स्तर से शत-प्रतिशत आवंटन निर्गत करे। सेवानिवृत्ति लाभ: निकाय में सेवा निवृत्त होने वाले कर्मियों को तमाम तरह का सेवानिवृत्ति लाभ और सेवा निवृत्ति का भुगतान सरकार अपने कोष से करे। पदोन्नति: निकाय और निगम में उच्चतर पदों पर निकाय कर्मियों को ही पदोन्नति प्रदान की जाए। आउटसोर्सिंग मजदूरी भुगतान: आउटसोर्सिंग मजदूरी का भुगतान सरकार अपने स्तर से करे और भ्रष्टाचार समाप्त करे। जीवन बीमा: निकाय कर्मियों को जीवन बीमा का लाभ सरकार द्वारा प्रदान किया जाए। आंदोलन की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि 23 जुलाई 2024 से 27 जुलाई 2024 तक अपने-अपने निकाय मुख्यालयों में मशाल जुलूस निकालकर विरोध करने का कार्यक्रम तय था। इसी के तहत मशाल जुलूस निकालकर सरकार को जागरूक करने का प्रयास किया गया है। अगर सरकार ने इसके बाद भी विचार नहीं किया तो सत्ता दल के विधायकों के आवास के समक्ष 6 अगस्त 2024 को धरना दिया जाएगा। जबकि 12 अगस्त 2024 को मुख्यमंत्री आवास के समक्ष राज्यस्तरीय प्रदर्शन होगा। अगर मांगें पूरी नहीं हुईं, तो अनिश्चितकालीन हड़ताल की जाएगी।

आपने जो ज्ञान प्राप्त किया है, उसकी सुरभि सम्पूर्ण समाज में बिखेरते रहें : शैलेश मिश्र

रांची : डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के तत्वावधान में रविवार को श्रावण महोत्सव सह सौप्रस्थानिक समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर तथा स्नातक षष्ठ सेमेस्टर के छात्रों को विदाई दी गई। समारोह में विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इनमें शास्त्रीय नृत्य, संगीत एवं नाट्य प्रस्तुति शामिल थे। संस्कृत श्लोकों का सस्वर पाठ एवं भक्ति गीतों ने कार्यक्रम को आध्यात्मिकता से ओतप्रोत कर दिया। विद्यार्थियों की प्रस्तुति ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया और सभी ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनकी प्रशंसा की। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समारोह को जीवंत बना दिया। शास्त्रीय नृत्य में विद्यार्थियों ने अपनी नृत्यकला का अद्भुत प्रदर्शन किया, जिससे दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। संगीत प्रस्तुति में विद्यार्थियों ने संस्कृत के श्लोकों और भजनों को सुरम्य धुनों में गाकर समां बांध दिया। नाट्य प्रस्तुति ने दर्शकों को हर्षोल्लास से भर दिया और कार्यक्रम की समग्रता में चार चांद लगा दिए।

एक नजर

सड़क दुर्घटना में एक युवक घायल

साहिबगंज : तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के पहाड़पुर निवासी व्यक्ति कारू टुडु उम्र 50 पिता प्रधान टुडु तालझारी से बाईक पर सवार होकर अपने घर वापस लौट रहे थे कि तभी लालबन के पास अचानक सड़क पर गाय आ जाने से बाईक असंतुलित होकर सड़क पर पलट गई जिसके कारण वे सड़क पर गिर गए। जहां इस सड़क दुर्घटना में उनके सिर में चोट लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए। उधर सड़क दुर्घटना की जानकारी परिजनों को मिलते ही फौरन बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल लेकर आए जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक की देखरेख में उसका इलाज जारी है।

बाइक सवार युवक ने मारी टक्कर, 3 लोग हुए घायल

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के प्रेमनगर के पास रविवार को विपरित दिशा से आ रहे बाइक सवार युवक ने एक अन्य बाइक सवार को बचाने के चक्कर में पैदल चल रहे बड़ा लोहंडा निवासी व्यक्ति गिरधारी लाल तांती को धक्का मार दिया जिसके कारण पैदल चल रहे व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। वही बाइक चला रहे मुद्रा पहाड़िया उम्र 25 वर्ष पिता चिमरो पहाड़िया एवं दिलीप पहाड़िया उम्र 20 वर्ष पिता बुद्धू पहाड़िया घर अदरो पहाड़ भी घायल हो गए। उधर आनन फानन में तीनों घायलों को बेहतर इलाज के लिए ई रिक्शा पर लादकर सदर अस्पताल लाया गया जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. मोहन मुर्मू की देखरेख में इलाज किया गया।

सरायकेला में करंट से दो नाबालिगों की मौत

सरायकेला : जिले के खरसावां थाना क्षेत्र के गुटूसाई टोले में करंट लगने से दो नाबालिगों की मौत हो गयी। कुनी बानरा (13) और रुकमिणी सामड़ (12) रविवार दोपहर खेल रही थीं। इसी दौरान दोनों बिजली पोल के पास तार के संपर्क में आ गयीं और झुलस कर बेसुध हो गयीं। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को पहले खरसावां सीएचसी ले जाया गया। यहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को सरायकेला के सदर अस्पताल पहुंचा गया, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद पुलिस को भी इसकी सूचना दी गयी। आमदा ओपी पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और परिजनों से बयान ले रही है।

पतंजलि परिवार द्वारा संचालित चलंत कांवरिया सेवा शिविर का हुआ उद्घाटन

देवघर : भारत स्वाभिमान के जिला अध्यक्ष अनुज कुमार त्यागी के नेतृत्व में पतंजलि परिवार के द्वारा संचालित चलंत कांवरिया सेवा शिविर रविवार को जसीडीह योग कक्षा के सहयोग देवतुल्य कमरियों के लिए रात्रि सेवा में प्रसाद हलवा पूड़ी एवं पतंजलि का दिव्य पेय ,पानी, शरबत आदि वितरण किया गया चलत कांवरिया सेवा शिविर का उद्घाटन अंजुला मेंशन से मुख्य अतिथि समाजसेवी रीता चौरसिया, आनंदी मंडल योगगुरु शंभू कुमार बरनवाल ने झंडी दिखाकर रवाना किया अतिथियों ने कहा पतंजलि के द्वारा वर्षों से जारी रात्रि सेवा सचमुच में सराहनीय एवं प्रेरणादाई है, इस अवसर पर सौ से अधिक संख्या में पतंजलि परिवार के सदस्य उपस्थित थे। जिला अध्यक्ष त्यागी ने कहा कि पतंजलि के दर्जनों समर्पित कार्यकताओं के द्वारा निरंतर रात भर कांवरियों की सेवा खीर पूरी हवा के अलावे घायल कमरियों को मालिश आदि के माध्यम से सेवा दी जाती है कार्यक्रम को सफल बनाने में लड्डू लाल झंडे वाले संदीप प्रेम सुरेश बरनवाल गोपाल प्रसाद नंदकुमार गुरुदेव गुरु प्रसाद ओमप्रकाश बिल मुकेश मृत्युंजय इंद्रजीत प्रदीप, सुनील ,प्रहलाद गंगा भगवान लाल, मनोज,प्रमोद, रामेश्वर , डाक्टर शीलवंत साहु,राजीव रंजन, कार्तिक,सरिता पूनम, मंजू ,नीतू, रीता, लक्ष्मी, महिमा, नीमा, शीला, रेखा, झांकी, अनामिका, नीतू आदि शामिल है।

उपायुक्त ने की पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की समीक्षा

शहरी जलापूर्ति योजनाओं को जल्द पूरा कराएं : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती के द्वारा गोपनीय कार्यालय प्रकोष्ठ में पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, साहिबगंज अंतर्गत चल रही योजनाओं जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की विस्तृत समीक्षा की गई एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साहिबगंज मेगा वाटर सप्लाई स्कीम के तीनों पार्ट क्रमशः राजमहल मेगा रुरल वाटर सप्लाई स्कीम, बरहेट मेगा रूरल वॉटर सप्लाई स्कीम एवं साहिबगंज मेगा रूरल वाटर सप्लाई स्कीम का री टेंडर की प्रक्रिया जल्द से जल्द कराते हुए ससमय पेयजलापूर्ति कराने का निर्देश दिया गया। साहेबगंज शहरी जलापूर्ति योजना के कार्य में तेजी लाने एवं जल्द से जल्द योजना को पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन हेतू जो रोड कटिंग की जा रही है उसमें यथा शीघ्र रीस्टोर कराने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही एल एंड टी के द्वारा पाइप बिछाने के क्रम में किए जा रहे रोड कटिंग का रेस्टोरेशन का कार्य जल्द से जल्द कराने का निर्देश दिया गया। तालझारी, बोरियों, मंडरो प्रखण्ड, बरहेट बाजार एवं सन्नीकट ग्राम ग्रामीण सम्पूर्ण आच्छादन ग्रामीण जलापूर्ति योजना को ससमय पूर्ण करने एवं गुणवत्ता पूर्ण कार्य कराने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही उपायुक्त के द्वारा जिला अंतर्गत सभी जगहों पर पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही उपायुक्त के द्वारा एसवीएस/एसवीएस क्लस्टर योजना के समीक्षा के क्रम में सभी कनीय अभियंता/सहायक अभियंता को निर्देश दिया गया कि यदि संवेदक नियमानुसार कार्य नहीं करते हैं तो वैसे संवेदक के विरुद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने आकांक्षी जिला योजना (नीति आयोग)/डीएमएफटी/ जिला मद की योजना अंतर्गत स्वीकृत योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की एवं निर्देश दिया गया कि जो भी योजना का कार्य अब तक शुरू नहीं किया गया है वैसे सभी योजनाओं की सूची बनाकर कैंसिल करने हेतु अग्रेतर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। वहीं बैठक में गोविंद कच्छप कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल साहिबगंज, सुनील दत्त, गौरव कुमार सहायक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल साहिबगंज,सभी कनीय अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल साहिबगंज, राहुल कुमार जिला समन्वयक जल जीवन मिशन, आशीष कुमार यादव जिला समन्वयक स्वच्छ भारत मिशन एवं सभी प्रखण्ड समन्वयक उपस्थित थे।

चेकडैम में नहाने आए पांच नाबालिगों में दो डूबे, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : जिले के आरआईटी थाना क्षेत्र अंतर्गत आसंगी बस्ती स्थित खरकाई नदी के चेकडैम में रविवार को स्नान करने आए पांच नाबालिग युवकों में दो युवक डूब गए। चेकडैम में डूबे दो नाबालिगों में आदित्य उर्फ भोलू महतो तथा गोलू उर्फ सुमित मोदी शामिल है। दोनो नावालिग आदित्यपुर के इच्छापुर लाइन टोला का रहनेवाला है। इसकी सूचना मिलते ही आरआईटी थाना प्रभारी विनय कुमार अपने दलबल के साथ मौके पर पहुंच कर डूबे दोनों बालकों की खोजबीन शुरू कर दिया है। पुलिस द्वारा नदी का पानी कम करने के लिए गांजिया चेकडैम तत्काल बंद करने का निर्देश दिया गया है। डूबे बालकों की खोज के लिए जमशेदपुर से एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम को बुलाया गया है। पानी का काफी प्रेशर होने तथा अंधेरा हो जाने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन चलाने में दिक्कत आ रही है। पुलिस प्रशासन पानी कम होने का इंतजार कर रही है। चेकडैम के पास पत्थर होने के कारण रेस्क्यू में परेशानी हो रही है। इधर घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर काफी संख्या में ग्रामीण भी जुट गए हैं।

बसों में यात्रियों से दुगना भाड़ा वसूला जा रहा, पदाधिकारी मौन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोरियो : भुक्तभोगी मैं भी, जनता जो बोले वो अलग। जी बात जिले के परिवहन विभाग के रवैए से जुड़ा है। मामला ये है कि जिले के हरेक थाना क्षेत्रों में रोजाना वाहन जांच अभियान जिला परिवहन विभाग के द्वारा किया जा रहा है, जांच का नेतृत्व जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) विष्णुदेव कच्छप करते दिखते हैं। दोपहिया वाहनों से लेकर चारपहिया वाहन चालकों को रोक कर हेलमेट, सीट बेल्ट, और कई तरह के कागजातों को मांगते हैं। अगर सुरक्षा का ध्यान चालक के द्वारा नहीं रखा जाता है या फिर वाहन से सम्बंधित कागजात नहीं रहने पर, उन्हें चालान काट दिया जाता है। फिर वाहन मालिक या चालक जिला मुख्यालय से चालान कटवा कर वापस अपनी गाड़ी को थाना मुख्यालय से छुड़वा कर ले जाते हैं। इन सारे प्रक्रिया में एक लंबा वक्त गाड़ी मालिकों या चालकों को लग जाता है जिससे आर्थिक नुकसान भी होता है। खैर, ये तो परिवहन विभाग के दायरे में आता है इसलिए जांच पड़ताल करना जरूरी है। लेकिन इसी विभाग के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र की गाड़ियों, सफर करने वाले यात्रियों, और बस स्टैंड सम्बंधित सारी सेवाएं आती है। लेकिन विभाग की नजर सार्वजनिक बसों, ऑटो, सवारियों में, बोरियो प्रखंड मुख्यालय से साहिबगंज जिला मुख्यालय तक सफर करने वाले यात्रियों के शोषण और तकलीफों पर नहीं है। अगर आप बोरियो बस स्टैंड से किसी भी वाहन में सफर कर साहिबगंज जाना चाहते हैं या फिर आना चाहते हैं, तो आपको न्यूनतम 70 रूपए किराए देने पड़ेंगे। जबकि बोरियो से साहिबगंज जिला मुख्यालय की दूरी महज 30 किलोमीटर है, इसके बावजूद किलोमीटर के हिसाब से दोगुना से ज्यादे भाड़े स्टैंड किरानियों के द्वारा उगाही किया जाता है। जबकि राज्य सरकार के परिवहन मंत्रालय द्वारा घोषित किराए की रकम के हिसाब से बोरियो से साहिबगंज तक की किराया 30 से 35 रुपए होने चाहिए। लेकिन इस मार्ग में सफर करने के लिए 70 रूपए किराया चुकाने को यात्री मजबूर हैं। इस मार्ग में सार्वजनिक वाहनों से सफर करने वाले अधिकतर लोग गरीब या आदिवासी परिवार से आते हैं, जिस कारण किराए के रूप में हो रहे शोषण के खिलाफ विरोध नहीं जता पाते हैं। जिसका नाजायज फायदा स्टैंड किरानी, वाहन मालिक और अन्य लोगों द्वारा लिया जाता है।

ईचागढ़ विरोधियों को राजनीति से बेदखल करने का आ गया है समय : हरेलाल महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : ईचागढ़ का दुर्दशा ऐसा क्यों हुआ, 35 साल पहले तो ऐसा नहीं था। 35 साल पहले सभी लोग एकजुट होकर अपने क्षेत्र के उन्नति में योगदान देते थे, फिर किसने हमारे बीच भेदभाव का जहर घोलने का काम किया है। उक्त बातें आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव हरेलाल महतो ने कहा। रविवार को ईचागढ़ प्रखंड के चिपड़ी पंचायत अंतर्गत लावा गांव में आयोजित मिलन समारोह को संबोधित करते हुए हरेलाल महतो ने कहा कि ईचागढ़ विरोधी लोगों को जनता ने पहचान लिया है, अब उन्हें ईचागढ़ की राजनीति से बेदखल करने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि हमें मानसिक गुलामी से बाहर निकलकर स्वयं अपना भाग्यविधाता बनना होगा। हरेलाल महतो ने कहा कि उन्हें मशीहा या राजा बनने का कोई शौक नहीं है, अपने जनता के सुख दुख का साथी बनने के लिए वह राजनीति में आए हैं। राजनीति एक मंच है, जिसके माध्यम से जनता को बेहतर सेवा देना तथा जनता को अधिकार दिलाना ही एकमात्र उद्देश्य है। हरेलाल महतो ने कहा कि हम ईचागढ़ विधानसभा में जनता का राज स्थापित करना चाहते हैं और कुछ लोग स्वयं राजा बनकर जनता का शोषण कर रहे हैं। यही अंतर है आजसू पार्टी के विचारों में, जो दूसरों से अलग है। हरेलाल महतो ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में ईचागढ़ विधानसभा की जनता इतिहास रचने वाली हैं, जो 35 वर्ष में नहीं हुआ वह अब होने वाला है। हरेलाल महतो ने कहा कि हेमंत सरकार ने हर वर्ग को ठगने का काम किया है। जनता के भावनाओं के विपरीत सरकार ने काम किया है, अब जनता अपने अपमान का बदला लेने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि जनता इस निकम्मी सरकार को उखाड़ फेंकने का काम करेगी।

नेशनल प्रिपेयरिट्री कमेटी में मयूरी गुप्ता को बनाया गया झारखंड प्रमुख

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

देवघर : वर्ल्ड यूथ फेस्टिवल रूस की नेशनल प्रिपेरटॉरी कमेटी NPC के चेयरमैन वरुण कश्यप ने राज्य प्रमुख की घोषणा की है। जिसमें झारखंड प्रदेश के राज्य प्रमुख मयूरी गुप्ता को बनाया गया है। यह कमेटी रूस में होने वाले वर्ल्ड यूथ फेस्टिवल की तैयारी व चयन समिति के रूप में कार्य करेगी इस गठन के बाद झारखंड प्रदेश के विभिन्न क्षेत्र में कई युवाओं को रूस में भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्राप्त होगा विगत वर्षों में उन्होंने रूस में भारत की युवाओं के रूप में प्रतिनिधित्व किया था। इस नियुक्ति से झारखंड प्रदेश के युवाओं को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा मयूरी गुप्ता के नेतृत्व में झारखंड के युवाओ को रूस में भारत का गौरव बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे इस बार वर्ल्ड यूथ फेस्टिवल का आयोजन रूस में होना हैं। जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभावान युवा को तैयार करके उनका चयन किया जाएगा जो रूस में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे वर्ल्ड यूथ फेस्टिवल का अभी मुख्यालय मास्को रूस में है। जिसमें सभी देश के एक नेशनल प्रिपेरटॉरी कमेटी बनाई है और यह कमेटी भारत सरकार के युवा कल्याण मंत्रालय को रिपोर्ट करेगी मयूरी गुप्ता के झारखंड स्टेट की हेड नियुक्त होने पर उनहोंने NPC के चेयरमैन वरुण कश्यप सचिव उदय सूद के साथ-साथ अमनदीप सिंह साहिल कौशिक पेशी राम जयसवाल को बहुत-बहुत धन्यवाद दिया मयूरी पूर्व में भी 2017 में विश्व युवा महोत्सव रूस में भारत का प्रतिनिधित्व और झारखंड का प्रतिनिधित्व कर चुकी है वह झारखंड की एकमात्र प्रतिनिधित्व थी।

पोक्सो एक्ट पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : हमारे आसपास रहने वाले तमाम बच्चों को एक स्वस्थ जीवन जीने का हक है। शुरूआती दौर में ही बच्चों के साथ की गई कोई भी छोटी सी छोटी लैंगिक अपराध की घटना उनके मन - मस्तिष्क को प्रभावित कर सकती है। बच्चों को ऐसी कुंठाओं और लैंगिक अपराधों से बचने के लिए सभी हित धारकों को अपनी-अपनी जिम्मेदारी निभाकर बच्चों को जागरूक किया जाए जिससे बच्चे निसंकोच अपने माता-पिता को बताएं और माता-पिता का फर्ज है कि ग्राम स्तर पर जो भी लोग जिम्मेदार व्यक्ति हैं उनको बताएं और पुलिस का फर्ज है कि जैसे ही ऐसा कोई मामला संज्ञान में है एकदम तत्परता दिखाते हुए उसे मामले में जो भी उचित कानूनी कार्रवाई हो वह करना सुनिश्चित करें। उपर्युक्त बातें आज प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज के अध्यक्ष अखिल कुमार ने आज सिदो-कान्हू सभागार में आयोजित जिलास्तरीय पोक्सो एवं अन्य अधिनियम के प्रभावी कार्यान्वयन पर बहु हितधारकों के लिए आयोजित कार्यशाला में कहीं। उन्होंने कहा कि आज विश्व भर में बच्चों के प्रति लैंगिक अपराध का चलन बहुत तेजी से बढकर चेतवानी का रूप ले चूका है। भारत में विश्व के कुल बच्चों की सबसे ज्यादा जनसंख्या रहती है और अन्य देशों की तुलना में भारत में बच्चों के प्रति ज्यादा लैंगिक अपराध ज्यादा होते हैं परंतु मामले कम प्रकाश में आते हैं। इसके कारण सामाजिक ताना-बाना, शिक्षा का स्तर और बहुत से कारण हैं। जो भी बहुत कम मामले रिपोर्ट हो पाते हैं उनकी संख्या भी बहुत तेजी से बढ़ रही है इसका अर्थ बच्चों के प्रति लैंगिक अपराधों में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। सभी हित धारक को अपनी भूमिका स्पष्ट रूप से पता होनी चाहिए कि उनका क्या रोल है। उनके माता-पिता को सबको जागरूक करें। आज स्थिति भारत में यह है कि हर तीन में से एक बच्चा किसी ना किसी रूप में कभी ना कभी यौन अपराध से पीड़ित हुआ है भले वह मामला रिपोर्ट हो या ना हो। आज सबसे ज्यादा जरूरत है कि बच्चों को जागरूक किया जाए कि किसी भी तरह का कोई अपराध हो तो उसे निसंकोच अपने माता-पिता को बताएं।उन्होंने बताया कि ज्यादातर मामले में बच्चों के प्रति किए गए अपराधों में अपराधी कोई आसपास का आदमी होता है, कोई परिवार का ही लोग होता है या कोई बहुत नजदीकी होता है तो जरूरत है कि ऐसे मामलों को चिन्हीत करके दंड दिलवाया जाए ताकि समाज में यह मैसेज जाए कि अपराधी को घन घोर सजा मिली है। उपायुक्त हेमंत सती ने कहा की बदलते हुए परिवेश में हमारे जो विधि निमार्ता हैं उनके द्वारा इसकी गंभीरता को महसूस कर यह एक्ट पारित किया गया जो अपराधियों के घातक हैं। उन्होंने कहा कि पीड़िता जिसके साथ गलत कार्य हुआ है न्याय दिलवाने के साथ ही उसका रिहैबिलिटेशन भी जरूरी है जिससे वह सोसाइटी में आत्म सम्मान के साथ अपना जीवन व्यतीत कर सके।

संक्षिप्त खबरें

रेलवे फाटक पर ओवर ब्रिज निर्माण को लेकर हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर

साहिबगंज : चर्चित सामाजिक कार्यकर्ता सह पर्यावरण प्रेमी सैयद अरशद नसर ने लोगों को प्रायः लगने वाले लंबे अंतराल के भारी जाम से मुक्ति दिलाने के लिए शहर के पश्चिम रेलवे फाटक पर ओवर ब्रिज निर्माण को लेकर झारखंड हाईकोर्ट में हाईकोर्ट के विद्वान अधिवक्ता सुधांशु शेखर चौधरी के माध्यम से जनहित याचिका डबल्यू.पी. (6483) दायर की है। याचिका दायर होने के पश्चात रेल मंत्रालय भारत सरकार,चीफ ब्रिज इंजीनियर पुर्वी जोन कोलकाता, सूबे के मुख्य सचिव, सूबे के पीडब्ल्यूडी सचिव व जिले के डीसी को नोटिस निर्गत हुआ है। अरशद ने बताया कि इस मामले को लेकर वर्ष 2010 में भी जनहित याचिका दायर किया था जिसके पश्चात रेलवे व झारखंड सरकार ने ओवर ब्रिज निर्माण को लेकर रेस होते हुए डीपीआर भी बनाया गया था अब सिर्फ टेंडर होना बाकी था पर कतिपय राजनीतिक दबाव के चलते इस योजना को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया, जिसको लेकर जिले वासियों में भारी जन आक्रोश है। जिसको लेकर वो एक बार फिर से सक्रिय हो गए हैं और इस बार वो ओवर ब्रिज निर्माण करवाने को लेकर अंतिम क्षण तक उनका संघर्ष जारी रहेगी। अरशद के इस सकारात्मक व रचनात्मक प्रयास से लोगों में खुशी की लहर है और अब लोगों में आशा जगी है की अब जल्द ही लोगों को पश्चिम रेल फाटक पर लगने वाली भारी जाम से मुक्ति मिल जाएगी। इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के बेंच में सूचीबद्ध है।

भोगनाडीह किताझौर ग्रिड से बरहेट को आज से मिलेगी बिजली

बरहेट : प्रखंड क्षेत्र के लोगों को सोमवार से भोगनाडीह स्थित किताझोर ग्रिड से बिजली नियमित रूप से शुरू हो गई है। जेवीएनएल के अभियंता तथा विद्युत कर्मियों ने पिछले तीन दिनों से योजना कार्य को पूरा कर किताझौर ग्रिड सब स्टेशन से पावर सब स्टेशन बरहेट को 33 केवीए विद्युत प्रवाह शुरू करने को लेकर जोर-सोर से कार्य कर रहे थे,जो रविवार शाम तक पूर्ण कर लिया। कनीय अभियंता दिलेश्वर महतो ने कहा कि पूजा अर्चना कर सोमवार करीबन 11 बजे बरहेट को विद्युत आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी। ग्रिड से विद्युत आपूर्ति शुरू होने पर ब्रेकडाउन की समस्या से निजात मिलेगी। बताया कि विद्युत आपूर्ति शुरू करने के मौके पर जेवीएनएल के कार्यपालक अभियंता राजकुमार, एसडीओ सत्यम मरांडी तथा सभी विद्युत कर्मी मौजूद रहेंगे।

पटमदा के स्वयं सेवकों ने विधायक से मांगों को सदन में उठाने की रखी मांग

पटमदा : पंचायत स्वयं सेवक संघ पटमदा ने जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी के प्रतिनिधि चंद्र शेखर टुडू को एक ज्ञापन सौंपकर उनकी मानदेय घोषणा,नियमित करने,सरकारी योजनाओं से जोड़ने,सभी स्वयं सेवकों का पहचान पत्र निर्गत करने सहित कई मांगों को विधानसभा के सत्र में उठाने की मांग विधायक मंगल कालिंदी से ज्ञापन के माध्यम से की है इस दौरान ज्ञापन सौंपने वालों में संजय महतो, स्ताबदी दत्ता,श्यामल मोदक, फुल चांद कुंभकार,अरुण मिश्रा सहित दर्जनों स्वयं सेवकों ने उपस्थिति दर्ज की।

कचरे का लगा अंबार, ग्रामीणों को सता रही है गंभीर बीमारी होने की चिंता

साहेबगंज: सदर प्रखंड क्षेत्र के हाजीपुर पूरब पंचायत के बड़ी कोदरजन्ना के राष्ट्रीय सर्वोदय पुस्तकालय के पास इन बरसात के दिनों में कचरे का अंबार लगा हुआ है। जहां सरकार स्वच्छ भारत मिशन अभियान चला रही है,कहीं भी गंदगी ना होने पाये इसका हमेशा ध्यान रखा जा रहा है,लेकिन सरकार के द्वारा सफाई अभियान योजना फेल होता हुआ दिखाई पड़ रहा है। जबकि पूर्व में ही कचरा सफाई के लिए जलसहिया को टोली वितरण किया गया था। जबकि उस टोली में आज तक कहीं भी कचरा सफाई करते हुए नहीं देखा गया। जिसका परिणाम है कि जगह-जगह पर कचरे का अंबार लगा हुआ दिखाई पड़ता है। वही इन दिनों इस घनी आबादी के बीच इस कचरे का भंडार को देख कर ग्रामीणों को हमेशा गंभीर बीमारी होने का चिंता सता रही हैं। वही जल्द ही इस पर संज्ञान लेते हुए कूड़ा कचरा की सफाई जिला के विभागीय अधिकारी को कराने की जरूरत है, अन्यथा इस कुड़े कचरे से उत्पन्न होने वाली मच्छर के काटने से यहाँ बसर करने वाले लोग एक ना एक दिन गंभीर बीमारी का शिकार हो जायेंगे।

प्रिंसिपल ने मेरे बेटे का मर्डर किया गया में पिता बोले- डैम में जाने की प्रिंस को किसने दी परमिशन

गया। में दो दिन से लापता जवाहर नवोदय विद्यालय के 11वीं के छात्र का शव शनिवार को तेतर डैम से मिला। 14 साल के प्रिंस कुमार की कमर में भारी पत्थर बांधकर उसे डैम में फेंका गया था। पिता का आरोप है कि प्रिंसिपल ने ही मेरे बेटे की हत्या कर लाश में डैम में फेंकवा दिया है। मृतक के पिता दिनेश मिस्त्री ने प्रिंसिपल के एक बयान को रिपिट किया कि 'बच्चा जिस शर्ट में गायब हुआ है, उस शर्ट के अलावा जिंदा या मुर्दा मिले तो हमें बताइएगा। पिता का कहना है कि इतने दावे से वही यह बात कह सकता है जो प्रिंस की मौत का राजदार हो। पिता का यह भी कहना है कि स्कूल से बाहर जाने पर जिस रजिस्टर में साइन करना होता। उसमें मेरे बेटे का साइन भी मैच नहीं कर रहा है। डैम में बिना इजाजत कोई जा नहीं सकता फिर प्रिंस वहां तक कैसे पहुंचा? दिनेश मिस्त्री ने प्रिंसिपल के खिलाफ शनिवार की देर शाम अतरी थाने में केस भी दर्ज कराया है। हालांकि, पुलिस अब तक कोई सुराग किसी के खिलाफ हासिल नहीं कर सकी है। वह लगातार मामले की जांच करने में जुटी है। क्लास 6 से इसी स्कूल में पढ़ रहा था प्रिंस बता दें कि प्रिंस क्लास 6 से नवोदय विद्यालय जेठीयन में पड़ रहा था। उसने वहीं से 10ई बोर्ड की परीक्षा भी इसी साल अच्छे अंक से पास की थी। इसके बाद उसने 7 जुलाई को 11वीं में इसी स्कूल में एडमिशन लिया। उसी दिन से स्कूल हॉस्टल में रहने लगा था। जिस दिन लिया एडमिशन, उसी दिन मिला गायब पिता दिनेश मिस्त्री का कहना है

कि जिस दिन प्रिंस ने स्कूल में एडमिशन लिया, उसी दिन वह स्कूल से भाग गया था। लेकिन उसी शाम फिर वो हॉस्टल वापस आ गया था। इसके बाद कुछ दिनों तक सब कुछ ठीक रहा। 25 जुलाई गुरुवार को प्रिंस की स्कूल में कुछ लड़कों के साथ लड़ाई हुई थी। तभी से वो लापता हो गया है। इसकी जानकारी उसी रात स्कूल के एक लड़के ने हमें दी। फिर हाउस इंचार्ज ने भी इस बात की जानकारी हमें दी। पिता दिनेश मिस्त्री ने आगे बताया कि लापता होने की सूचना पर उसकी हर जगह खोजबीन की पर कहीं से कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद पुलिस को इस घटना की सूचना दी। पुलिस के साथ हम स्कूल पहुंचे। इस दौरान प्रिंसिपल ने कहा कि बच्चा जिस शर्ट में गायब हुआ है, उस शर्ट के अलावा जिंदा या मुर्दा मिले तो हमें बताइएगा। इस बयान के अगले ही दिन शनिवार की सुबह वह जिंदा तो नहीं मिला पर स्कूल ड्रेस में ही उसका शव तेतर डैम से बरामद हुआ। पिता दिनेश मिस्त्री ने ये भी बताया कि स्कूल के मेन गेट पर बाहर जाने के लिए एंट्री और आउट के लिए बच्चों का साइन होता है। जब उस रजिस्टर को देखा तो उसमें प्रिंस का नाम लिखा और साइन भी था। लेकिन साइन देख कर हमें डाउट हुआ। इस पर हमने प्रिंस के स्कूल कॉपी को दिखाने के लिए कहा। लेकिन स्कूल प्रबंधन और स्कूल का गार्ड बुरी तरह से इस मामले पर भड़क गया। वह कहने लगा कि एक आदमी को ही दिखाया जा सकता है, पूरे गांव को नहीं। किसी तरह से मामला शांत किया गया। स्कूल प्रबंधन ने अगली सुबह आने को कहा। दिनेश मिस्त्री का यह भी कहना है कि स्कूल प्रबंधन ने कहा था कि बाल कटवाने के नाम पर बाहर गया था। इसके बाद वह गायब हो गया था। इस पर जब इलाके की नाई शॉप से छानबीन की तो पता चला कि स्कूल का कोई लड़का गुरुवार को आया ही नहीं था। प्रिंसिपल ने पुलिस से बहस के दौरान स्कूल ड्रेस में ही स्टूडेंट्स के जिंदा या मुर्दा मिलने की बात क्यों कही? उसकी क्या मंशा थी? स्कूल से तेतर डैम की दूरी 4 किलोमीटर है। बीच में एक छोटी पहाड़ी भी है।

संक्षिप्त डायरी

बिहार के 19 जिलों में बारिश का अलर्ट

बिहार। में पिछले दो हफ्तों से मानसून कमजोर बना हुआ है। इस वजह से 37 जिलों में कम बारिश हुई है। 1 जून से अब तक किशनगंज को छोड़कर प्रदेश के सभी जिलों में सामान्य से कम बारिश देखने को मिली है। मौसम विभाग की माने तो आने वाले दिनों में इसमें सुधार होने की उम्मीद है। वहीं, विभाग ने आज प्रदेश के 19 जिलों में बारिश को लेकर के यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार बंगाल की खाड़ी में साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है। अगले दो-तीन दिनों में पटना समेत बिहार के कुछ इलाकों में कहीं हल्की तो कहीं मध्यम बारिश होने का पूर्वानुमान है। वहीं, 29 जुलाई को पूर्वी चंपारण और 30 जुलाई को गोपालगंज, सीवान, मुजफ्फरपुर और पश्चिमी चंपारण में भारी बारिश होने की संभावना है। समस्तीपुर और सहरसा में सामान्य से 56 फीसदी बारिश में कमी आई है। दूसरी ओर वैशाली, मधुबनी और सारण ऐसे जिले हैं, जहां सामान्य से 55 फीसदी कम वर्षा दर्ज की गई है। दरभंगा में सामान्य से 53 और राजधानी पटना में 50 फीसदी तक कम बारिश हुई है।

जिस-जिस से मदद मांगी उसने रेप किय 12 घंटे में 6 लोगों ने की दरिंदगी

बिहार। मैं दोस्त से बात कर रही थी। भीड़ ने हमें घेर लिया। मारने लगे। जान बचाकर मैं एक घर में घुस गई। मैंने मदद मांगी थी। वहां 4 लोग मुझे ऑटो में बिठाकर सुनसान जगह पर ले गए। मेरे साथ गैंगरेप किया। 500 रुपए देकर छोड़ दिया। एक बाइक वाले से मदद मांगी तो उसने भी अपने दोस्त के साथ रेप किया। इसके बाद मैं एक घर तक पहुंची। सारी कहानी बताई। मदद की बजाय वो लोग मुझे बेचने की प्लानिंग करने लगे।" ये बयान है मोतिहारी की 13 साल की लड़की का। वो 6वीं क्लास में पढ़ती है। 16 जून 2024 के पहले तक उसकी लाइफ में सब ठीक था। इसी दिन शाम को वो घर से कुरकुरे लेने निकली थी। रास्ते में उसे एक दोस्त मिला। दोस्त से बात करता देख भीड़ ने मारपीट की। बस इसके बाद उसकी पूरी लाइफ ही बदल गई। 12 घंटे में 6 लोगों ने रेप किया। उसने जिस-जिस से मदद मांगी उसने धोखा दिया। बच्ची करीब 41 दिन तक घर से गायब रही। इस दौरान पुलिस ने एक लाश की शिनाख्त कराई। परिवार ने उसकी पहचान की। परिवार लड़की का पिंड दान भी कर चुका था। 4 आरोपियों में से 2 को पुलिस गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश भी कर चुकी थी। उन्होंने अपना जुर्म भी कबूल कर लिया।मदद के लिए पास के गांव के एक घर में घुस गई। वहां 4 लोग थे। मैंने कहा, अंकल घर छोड़ दीजिए प्लीज। उन्होंने मुझसे पूरी कहानी सुनी फिर एक ऑटो मंगवाया और उसमें बिठाया कहा, चलो घर छोड़ देंगे। चारों मुझे एक सुनसान जगह पर ले गए। वहां उन्होंने मेरे साथ गैंगरेप किया। मैं रोती रही। चिल्लाती रही, लेकिन उन्होंने मेरी एक ना सुनी। वो बीच-बीच में मेरे साथ मारपीट भी कर रहे थे। रेप करने के बाद वो मुझे छतौनी बस स्टैंड लेकर आए। वहां मुझे 500 रुपए दिए और छोड़कर चले गए। उन्होंने मुझे धमकी भी दी। कहा- किसी को बताया तो जान से मार देंगे। इतना कहकर वो सभी चले गए। मैं वहीं पर खड़ी थी, इसी बीच दो बाइक पर सवार दो युवक आए। मुझसे पूछा, क्या हुआ है। मैंने उन्हें अपनी पूरी कहानी बताई। सोचा कि वो मेरी मदद करेंगे। एक बाइक वाले ने मुझे कहा कि गाड़ी पर बैठ जाओ, तुम्हें घर छोड़ देंगे। मैं बैठ गई। थोड़ा आगे गाड़ी बढ़ी तो साइन बोर्ड पर मैंने पढ़ा कि वो मुझे मुजफ्फरपुर ले जा रहा था। मैंने पूछा तो बोले वहां से घर चलेंगे। थोड़ा आगे जाकर वो मुझे एक मंदिर के पास ले गए। दोनों ने मेरे साथ रेप किया। रातभर वो मेरे साथ गंदी हरकतें करते रहे। सुबह मुझे रोड पर लाकर ऑटो में बैठाकर ड्राइवर से कहा कि इसे छोड़ देना। जब ऑटो से सारे पैसेंजर्स उतर गए तो ड्राइवर ने मुझसे पूछा कि कहां जाना है। मैंने उसे अपनी पूरी कहानी बताई। ऑटो वाले ने कहा कि माहौल खराब है। चलो तुम्हें एक जगह रख देंगे। जब माहौल ठीक हो जाएगा तो फिर तुम अपने घर चली जाना। इधर, लड़की को ढूंढ रही पुलिस ने उसके दोस्त को पकड़ा और उससे पूछताछ शुरू की। लड़के ने मुन्ना पासवान के घर में लड़की के घुसने तक की बात बताई। लड़की के पिता दरोगा टोला पहुंचे और मुन्ना पासवान से इस संबंध में बात की। मुन्ना ने बताया कि दो दिन पहले एक लड़की कहीं से भाग कर मेरे घर में घुस गई थी। उसने चेहरे को दुप्पटा से बांध रखा था। इसलिए मैं उसे पहचान नहीं सका। पर उसे मोहल्ले के ही रंजन पासवान, गुड्डू साह, अमर पासवान और मनीष पासवान उसके घर पहुंचाने के लिए ई-रिक्शा से ले गए थे। फिर क्या हुआ, मुझे नहीं पता। एएसपी ने कहा, हत्या का मामला हट जाएगा सदर एएसपी शिखर चौधरी ने बताया कि पीड़िता के बयान के बाद यह साफ हुआ है कि चार नहीं छह लोगों ने रेप की घटना को अंजाम दिया है। जिसमें चार की पहचान हो गई है, दो को न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। अन्य दो का जो नाम आया है, उसकी जांच की जा रहा है। पीड़िता की मौत की जो बात आरोपी द्वारा कही गई थी, वह गलत साबित हुआ। पीड़िता जिंदा है। वह कैसे तुरकौलिया पहुंची, इस बात की जांच कराई जा रही है।

शहर में नहीं चलेगी बसें मीटिंग में नए रूट पर लिया गया निर्णय

दरभंगा। शहर को जाम से निजात दिलाने के लिए अगस्त के पहले सप्ताह से शहर में सवारी बसों का परिचालन बंद हो जाएगा। अब दिल्ली मोड़ से कुशेश्वरस्थान और बिरौल या सहरसा जानेवाली बस स्टेशन रोड, दोनार चौक के रास्ते नहीं जाएगी।

बनाए गए नए रूट दिल्ली मोड़ से रानीपुर, बिजली, तारसराय, सकरीऔर धरौड़ा होते हुए बेनीपुर के रास्ते निकलेगा। वहीं, लहेरियासराय बस स्टैंड से मधुबनी, कमतौल सहित अन्य जगह जाने वाली बस लहेरियासराय से सैदननगर, एकमी,भरौल होते हुए शोभन बाइपास के रास्ते दिल्ली मोड़ बस स्टैंड जाएगी। इसको लेकर शनिवार को कमिश्नर मनीष कुमार केअध्यक्षता में बैठक हुई। जिसमें डीएम-एसएसपी के मुख्यालय में नहीं रहने पर उनके प्रतिनिधि के रूप एडीएम नीरज कुमारदास, सिटी एसपी शुभम आर्य, नगर आयुक्त कुमार गौरब,संयुक्त सचिव सह क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार राजेश कुमार,डीटीओ, श्रीप्रकाश, ट्रैफिक डीएसपी अवधेश कुमार आदि नेभाग लिया।

बैठक में शहर में जाम से निजात के लिए उपरोक्त प्रस्ताव पर चर्चा के बीच ऑटो के परिचालन को लेकर भीतीन रूट बनाने और ऑटो पर रंगीन पट्टी लगाने को कहा गया है। वहीं, दोनार और सोनकी में सवारी बस के लिए बीएमपी केनिकट भूमि तलाशने के बीच किराए पर भी भूमि मिलने पर उसके लिए कार्रवाई करने को कहा गया है।

वर्तमान मेंराजकुमारगंज, दोनार, सोनकी, धरौड़ा, मझौड़ा बस पड़ाव,बेनीपुर, सतीघाट, सुपौल, बेर चौक, दरभंगा, कुशेश्वरस्थान के रास्ते सहरसा तक 171 बसों को परिचालन होता है अतिक्रमण हटाने का निर्देश अतिक्रमण हटाने का सड़कों के दोनों तरफ से दुकानदारों द्वारा किया गया है।

डिवाइडर से टकरा कर स्कार्पियो पलटी चालक समेत 3 लोग घायल, एक की हालत गंभीर

पूर्णिया। में की रात भीषण सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई। इसके बाद गाड़ी पलट गई। दुर्घटना में स्कॉर्पियो सवार 3 लोग घायल हो गए। इसमें से एक की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना के तुरंत बाद पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर जुटे। घायलों को बेहतर इलाज के लिए निजी अस्पताल में एडमिट कराया गया है। अब तक घायलों की पहचान नहीं हो सकी है। घटना शहर के सहायक खजांची थाना क्षेत्र के बस स्टैंड गेट 2 के पास घटी है। स्थानीय लोगों

के अनुसार BR11H9372 नंबर प्लेट वाली व्हाइट स्कॉर्पियो मरंगा की ओर से पूर्णिया की ओर जा रही थी। इसी दौरान बस स्टैंड गेट नम्बर 2 के पास स्कार्पियो अचानक बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराई और फिर पलटी खा गई। इससे 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद स्थानीय मौके पर जुटे। वहीं, थोड़ी दूर पर गश्त कर रही सहायक खजांची थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद पुलिस और स्थानीयों की मदद से घायलों को आनन-फानन में पूर्णिया ले जाया गया।

जहां एक की हालत गंभीर बनी है। जिसे बेहतर इलाज के लिए डॉक्टरों ने हायर सेंटर रेफर कर दिया है। वहीं, कार पर सवार पर 2 अन्य लोग को इलाज के लिए लाइन बाजार स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया है। जहां दोनों का इलाज जारी है।

गैंगवार में शराब तस्कर का गोली मारकर किया मर्डर

बेतिया। में गैंगवार में शराब तस्कर की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। खून से लथपथ लाश खेत में रविवार को सुबह मिली। शव के पास भारी मात्रा में शराब की बोतलें भी मिली हैं। पुलिस का मानना है कि गैंगवार में गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया गया है। शराब तस्कर के दो गुटों के बीच गोलीबारी हुई है। घटना बैरिया थाना क्षेत्र के बथना सरेह की है। मृतक की पहचान पूर्वी नौतन के बुलेट पटेल (36) के रूप में हुई है। बताया जाता है कि बुलेट गंडक नदी के रास्ते यूपी से शराब मंगवाकर बेतिया में बेचा करता था। मृतक के भाई का कहना है कि घर से 7 किमी दूर बुलाकर गोली मारी गई है। घटना देर रात की बताई जा रही। सुबह

शौच के लिए गए लोगों ने शव को देख घटना की जानकारी बुलेट के परिवार वालों को दी। मृतक के भाई सुरेश पटेल ने कहा है कि हम रात में दूसरा ड्यूटी करने के लिए गए थे। रात में इसे बुलाया गया था। इसके बाद घर से 7 किलोमीटर दूर इसकी खेत में गोली मारकर हत्या कर दी गई है। सूचना मिलने पर हम यहां पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी दी।

एसपी अमरकेश डी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही मौके पर एफएसएल की टीम के साथ पुलिस पहुंच कर जांच पड़ताल में जुटी हुई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार बुलेट के खिलाफ बैरिया थाने में पुलिस के साथ मारपीट और शराब तस्करी के कई संगीन मामले दर्ज है।

8 अगस्त 2020 को बुलेट को पुलिस ने शराब के साथ गिरफ्तार भी किया था।

महिला डॉक्टर ने दुपट्टे से लटक कर किया सुसाइड

गया। के मगध मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के गर्ल्स पीजी हॉस्टल में रविवार सुबह एक महिला डॉक्टर की लाश मिली है। सुसाइड करने वाली डॉ. वंदना हॉस्टल नंबर 7 में रहती थी। आज सुबह उसकी ड्यूटी लगी थी, लेकिन वो अपने कमरे से बाहर नहीं निकली। हॉस्टल की अन्य साथियों को जब इसकी सूचना मिली तो सभी ने मिलकर कमरे का दरवाजा तोड़ दिया। साथियों ने देखा कि डॉ. वंदना का शव दुपट्टे से लटका हुआ है। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतारा और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि यह

सुसाइड का मामला लग रहा है। पोस्टमॉर्टम के बाद सही जानकारी सामने आ पाएगी। कमरे को अच्छे से सर्च किया जा रहा है। किसी को भी पुलिस अंदर नहीं जाने दे रही है। पुलिस हॉस्टल में लगे सीसीटीवी भी खंगाल रही है। एमबीबीएस के बाद यहां से डॉ.वंदना अस्पताल के स्त्री रोग विभाग में पोस्ट ग्रेजुएशन कर रही थी।महिला डॉक्टर मूल रूप से मुजफ्फरपुर की रहने वाली थी। मृतक के पति अमितेंद्र कुमार सिन्हा रेलवे में नौकरी में करते हैं और पटना में पोस्टेड हैं। जानकारी के मुताबिक, पति अमितेंद्र कुमार 26 जुलाई को ही पत्नी वंदना से मिलने आए थे। दोनों का एक 17 साल का बेटा है, जो दिल्ली में पढ़ाई करता है। मृतक के पति पटना से गया के लिए रवाना हो चुके हैं। पुलिस वालों का कहना है कि मृतका की छोटी बहन का कहना है कि जब तक वो गया नहीं पहुंचती तब तक शव को पंखे से नीचे नहीं उतारा जाए। गया में हाउसवेयर व्यवसायी की पत्नी ऋचा सेठ ने अपार्टमेंट की चौथी मंजिला से कूदकर जान दे दी है। सिर के बल गिरने से मौके पर ही मौत हो गई।

4 सगे भाइयों की बेहरमी से पिटाई

भोजपुर के आयर थाना क्षेत्र के इचरी गांव के भसेरा टोला में शनिवार की देर शाम खेत से ट्रैक्टर ले जाने के विवाद में गांव के लोगों ने 4 सगे भाइयों को लाठी-डंडे और लोहे की रॉड से मारकर बुरी तरह घायल कर दिया। इस दौरान उक्त लोगों ने सभी भाइयों को तब तक मारते रहे जब तक अन्य लोगों ने बीच बचाव करने नहीं पहुंचे। इसके बाद मामला शांत होने के सभी जख्मियों को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया, जहां सभी का इलाज कराया जा रहा है। घायल आयर थाना क्षेत्र के भसेरा टोला निवासी शिव मोहन सिंह के 4 बेटे बिजेंद्र यादव(25), कमलेश यादव(40), रविन्द्र कुमार(24), चितरंजन कुमार(18) शामिल है। घटना की जानकारी देते हुए जख्मी बिजेंद्र कुमार ने बताया कि वह अपने डेढ़ बिगहा खेत में रोपनी करने का काम कर रहे हैं। लेकिन उनके खेत में ट्रैक्टर ले जाने का रास्ता नहीं था। इसके बाद वो ट्रैक्टर को गांव के पड़ोसी के खेत से लेकर चले गए थे।

गोपालगंज में हिरासत में तीन महिला ग्रामीणों ने पुलिस टीम पर किया हमला पुलिसकर्मी समेत 2 घायल

गोपालगंज। के माधोपुर थाना क्षेत्र के पिपरा गांव में शनिवार को पुलिस टीम और स्थानीय महिला के बीच नोकझोंक हुई। इस दौरान ग्रामीणों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। इस कारण एक महिला समेत एक महिला सिपाही जख्मी हो गई, जिसका इलाज बरौली पीएचसी मे कराया गया। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए लाठियां भी चटकाई। साथ ही तीन महिलाओं को अपने हिरासत में ले लिया है। साथ ही बताया है कि पुलिस टीम पर आरोपियों ने मिर्च पाउडर से हमला किया। स्थिति नियंत्रण में है। जबकि, घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल व्याप्त है। दरअसल, इस संदर्भ में बताया जाता है कि माधोपुर थाना क्षेत्र के पिपरा गांव में दो पक्षों के बीच जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। इस बीच एक पक्ष ने जमीन की मापी के लिए अंचल कार्यालय में आवेदन दिया था। जबकि, दूसरा पक्ष कोर्ट में मामला लंबित होने के कारण मापी का विरोध कर रहा था।

खोजी कुत्ते ने सॉल्व की मर्डर मिस्ट्री पत्नी की हत्या कर धोकर छिपा दी थी ईंट

पटना। पुलिस ने 24 घंटे के अंदर पूजा हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। पति ने ही ईंट से कूच-कूचकर पत्नी की हत्या की थी। वारदात के बाद खून से सने ईंट को धोकर छत पर छिपा दिया था। जिसे डॉग स्क्वायड टीम के मुख्य सदस्य हीरा (स्निफर डॉग) ने खोज निकाला। आरोपी पति नीरज कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसने अपना जुर्म भी कबूल कर लिया है। पूछताछ के दौरान बताया

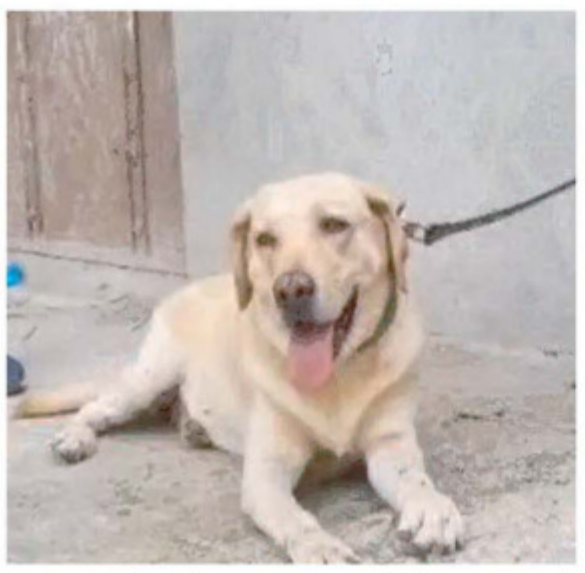

कि उसकी पत्नी पूजा का घर में व्यवहार ठीक नहीं था। अक्सर लड़ाई करती थी। मेरे पिता और मां के साथ भी गलत व्यवहार करती थी। घरेलू क्लेश से परेशान हो चुका था। इस वजह से प्लानिंग के तहत उसे मार डाला। बता दें कि पुलिस को शुक्रवार सुबह गौरीचक थाना क्षेत्र के चंदौसी गांव में नवविवाहिता पूजा कुमारी की हत्या की सूचना मिली थी। मायके पक्ष ने पति नीरज कुमार पर हत्या का आरोप लगाया था। मौके पर जांच के लिए एफएसएल और डॉग स्क्वायड की टीम भी पहुंची। टीम ने स्निफर डॉग हीरा की मदद से छानबीन शुरू की। कुछ ही देर में हीरा ने घटना में इस्तेमाल ईंट को खोज निकाला। जिसे छत पर छिपाकर रखा गया था। हत्या के बाद ईंट को धो दिया गया था। पुलिस ने जब मृतका के पति से कड़ाई से पूछताछ की तो उसने पूरे मामले का खुलासा कर दिया। डॉग स्क्वायड टीम के चमराव राम ने बताया कि हीरा 2021 से टीम के साथ है। ट्रेनिंग हैदराबाद में हुआ है।

घटना की जगह पर इसे लेकर जाते हैं तो हत्या की कई गुत्थी सुलझाने में मदद मिलती है। हीरा अभी तक 3 से 4 केस को सुलझा चुका है। पटना के गौरीचक थाना क्षेत्र के चंदौसी गांव में अपराधियों ने घर में घुसकर एक महिला की निर्मम हत्या कर दी। जबकि, महिला के पति और ससुर घायल अवस्था में मिले हैं। सूचना मिलते ही गौरीचक थाने की पुलिस, सदर डीएसपी 2 सत्यकाम मौके पर पहुंचे। मामले की छानबीन शुरू कर दी है। मृतक महिला के मायके वालों ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है।

वहीं, ससुराल वालों ने इस घटना को अपराधियों द्वारा अंजाम दिए जाने की बात बताई है। इस मामले को लेकर सदर डीएसपी से बात की गई तो उन्होंने कहा कि महिला की हत्या हुई है।

कामिका एकादशी के दिन करें ये उपाय, हर कामना होगी पूरी

पंचांग के अनुसार, साल में कुल 24 एकादशी तिथियां पड़ती हैं। इन्हीं में से एक है श्रावण माह के कृष्ण पक्ष की कामिका एकादशी जो इस बार 31 जुलाई, दिन बुधवार की पड़ रही है। कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से सभी कामनाओं की पूर्ति होती है।

हिन्दू धर्म में एकादशी तिथि का बहुत महत्व माना जाता है। पंचांग के अनुसार, साल में कुल 24 एकादशी तिथियां पड़ती हैं। इन्हीं में से एक है श्रावण माह के कृष्ण पक्ष की कामिका एकादशी जो इस बार 31 जुलाई, दिन बुधवार की पड़ रही है। कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से सभी कामनाओं की पूर्ति होती है। वहीं, ज्योतिष शास्त्र में भी बताया गया है कि इस एकादशी के अवसर पर कुछ ज्योतिष उपाय जरूर करने चाहिए जिससे आप अनेकों लाभ पा सकते हैं। ऐसे में ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स से आइये जानते हैं कामिका एकादशी के उपायों के बारे में विस्तार से।

धन लाभ के उपाय

कामिका एकादशी के दिन 5 कौड़ियां लें और उन कौड़ियों को लाला कपड़े में बांधकर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी के सामने अर्पित करें। फिर इसके बाद कौड़ियों को घर की तिजोरी में रख दें। इससे धन लाभ के योग बनेंगे और आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कामना पूर्ति के उपाय

भगवान विष्णु के बीज मंत्र ऊँ नमो: नारायणाय नम: का 108 बार संकल्प के साथ कामिका एकादशी के दिन जाप करें। संकल्प के साथ इस मंत्र का जाप करने से भगवान विष्णु की कृपा होगी और आपकी इच्छाएं पूरी हो जाएंगी। आपके काम बनने लग जाएंगे।

वैवाहिक जीवन के उपाय

गुलाब या कमल के 2 फूल लेकर उन्हें कलावे से बांधें और उसमें 7 गांठ लगाएं। फिर उस गुलाब या कमल के जोड़े को भगवान विष्णु के चरणों में रखें। इससे आपके वैवाहिक जीवन का क्लेश दूर होगा। पति-पत्नी के बीच रिश्ता मधुर बनेगा और संतान प्राप्ति के योग बनेंगे।

ग्रह दोष मुक्ति के उपाय

कामिका एकादशी के दिन पीले रेशमी कपड़े में 9 सुपारी रखें और उन सुपारियों पर अक्षत एवं रोली लगाएं। इसके बाद गांठ बांधकर घर की पूर्व दिशा में टांग दें। इससे ग्रह दोष दूर होगा। ग्रह शांत होकर कृपा बरसाएंगे और ग्रहों द्वारा आपको शुभ परिणाम नजर आएंगे।

सावन की पहली एकादशी कामिका एकादशी कब है, पूजा का शुभ मुहूर्त और महत्व

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि का विशेष महत्व है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। ऐसा करने से व्यक्ति के सौभाग्य में वृद्धि हो सकती है। साथ ही व्यक्ति के जीवन में चल रही परेशानियां दूर हो जाती है।

पंचांग के हिसाब से हर साल सावन माह के कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि के अगले दिन कामिका एकादशी मनाने की परंपरा है। यह एकादशी तिथि भगवान विष्णु को समर्पित है। इस दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। इस दिन व्रत रखने से व्यक्ति को समस्त पापों से छुटकारा मिल जाता है। साथ ही सभी मनोकामनाएं सिद्ध हो जाती है। अब ऐसे में सावन की पहली एकादशी यानी कि कामिका एकादशी कब पड़ रही है, शुभ मुहूर्त क्या है और एकादशी तिथि का महत्व क्या है। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी से विस्तार से जानते हैं।

कामिका एकादशी कब है

हिंदू पंचांग के अनुसार सावन माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 30 जुलाई को संध्याकाल 04 बजकर 44 मिनट से शुरू होगी और अगले दिन यानी कि 31 जुलाई को संध्याकाल 03 बजकर 55 मिनट पर समाप्त होगी। बता दें, हिंदू धर्म में व्रत और त्योहार के लिए सूर्योदय के बाद से तिथि की गणना की जाती है। इसलिए तिथि के हिसाब से 31 जुलाई को सावन माह की पहली एकादशी मनाई जाएगी।

पूजा का शुभ मुहूर्त क्या है?

शास्त्र के हिसाब से भगवान विष्णु की पूजा प्रात- काल में करने की मान्यता है। इसलिए साधक 31 जुलाई को सुबह 05.32 से सुबह 07.23 मिनट के बीच भगवान विष्णु की पूजा-पाठ विधिवत रूप से कर सकते हैं। इससे व्यक्ति को उत्तम फलों की प्राप्ति हो सकती है।

कामिका एकादशी के बन रहे हैं शुभ योग

कामिका एकादशी के दिन ध्रुव योग बन रहा है। यह योग दोपहर 02 बजकर 14 मिनट तक है। ज्योतिष शास्त्र में ध्रुव योग को बेहद शुभ माना जाता है। इस योग में भगवान विष्णु की पूजा करने से साधकों को मनोवांछित फलों की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही शुभ कार्यों में सिद्धि प्राप्त होती है। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग का भी संयोग बन रहा है। सर्वार्थ सिद्धि योग दिन भर है।

कामिका एकादशी व्रत का महत्व क्या है?

कामिका एकादशी के दिन जो व्यक्ति व्रत रखता है। उसे सभी पापों से छुटकारा मिल सकता है। इस व्रत को करने से जीवन के समस्त कष्टों से मुक्ति मिलती है। इस व्रत को करने से भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। बता दे, सावन के महीने में यह एकादशी व्रत पड़ता है। जिसका कारण इस एकादशी का महत्व अधिक बढ़ जाता है। इस एकादशी तिथि के दिन भगवान विष्णु के साथ-साथ भगवान

शिव का आराधना करने से हर बिगड़े काम बन जाते हैं।

कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु को लगाएं ये भोग, घर में बनी रहेगी बरकत

हिन्दू धर्म में एकादशी तिथि का बहुत महत्व माना जाता है। पंचांग के अनुसार, साल में कुल 24 एकादशी तिथियां पड़ती हैं। इन्हीं में से एक है श्रावण माह के कृष्ण पक्ष की कामिका एकादशी जो इस बार 31 जुलाई, दिन बुधवार को पड़ रही है। कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा का विधान है। मान्यता है कि सावन में आने के कारण इस एकादशी का महत्व और भी बढ़ जाता है। भगवान शिव ही इस एकादशी का फल प्रदान करते हैं। ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स ने हमें बताया कि सावन की कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु की जो भी पूजा हम करते हैं वो भगवान शिव के भाग में जाती है, उसे भगवान शिव स्वीकार करते हैं। ठीक ऐसे ही भगवान विष्णु को लगाया भोग भी शिव जी द्वारा सी ग्रहण किया जाता है। ऐसे में आइये जानते हैं कि कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु को कौन सी चीजों का भोग लगाना चाहिए और क्या है उससे मिलने वाले अद्भुत लाभ।

कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु को लड्डुओं का भोग लगाना चाहिए। बेसन या बूंदी से बने लड्डू भगवान विष्णु को प्रिय हैं। इसके अलावा, भगवान विष्णु को खीर का भोग लगाना भी शुभ माना जाता है। हालांकि एकादशी के दिन चावल का प्रयोग वर्जित माना गया है। ऐसे में मखाने की खीर का भोग लगा सकते हैं या फिर आप चाहें तो मखानों को भून कर भी भोग में भगवान विष्णु को अर्पित कर सकते हैं। भगवान विष्णु को कामिका एकादशी के दिन मालपुए या घेवर का भोग भी लगाया जा सकता है। ऐसा माना जाता है कि जब भी कोई नया मौसम शुरु होता है तो उस मौसम के फल या मिठाई का भोग अवश्य लगाना चाहिए। अभी घेवर का समय चल रहा है। ऐसे में आप कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु को घेवर का भोग लगा सकते हैं। साथ ही, मालपुए का भोग भी भगवान विष्णु को चढ़ा सकते हैं। मालपुआ श्री हरि को प्रिय है।

सावन में कांवड़ का है विशेष महत्व, कितने तरह की होती है ये यात्रा

सावन मास के प्रारंभ होने के साथ-साथ कांवड़ यात्रा भी शुरू हो जाती है। कांवड़ यात्रा में कांवड़िया गंगा नदी में स्नान कर लोटे में जल भरकर से शिव मंदिर में सावन शिवरात्रि के दिन अभिषेक करते हैं। कांवड़िया भगवान शिव से प्रार्थना कर आशीर्वाद मांगते हैं, इस कांवड़ यात्रा को लेकर यह मान्यता है कि भगवान शिव कांवड़िया की सभी इच्छाएं पूरी करते हैं।

कितने प्रकार की होती है कांवड़ यात्रा

सामान्य कांवड़ यात्रा

सामान्य कांवड़ यात्रा में शिव भक्त चलते-चलते जब थक जाते हैं तो बीच-बीच में आराम कर सकते हैं। आराम के दौरान कांवड़ियों को इस बात का खास ध्यान देना पड़ता है कि कांवड़ बीच में जमीन पर न रखें। कांवड़िया अपने साथ स्टैंड लेकर चलते हैं, साथ ही वे कांवड़ को किसी पेड़ की डाल पर भी टांग देते हैं।

डाक कांवड़ यात्रा

डाक कांवड़ यात्रा में कांवड़िया विश्राम नहीं करता है। जब वह पवित्र नदी से स्नान कर जल भरता है तब वह सीधा मंदिर में जाकर रुकता है। डाक कांवड़ यात्रा करने वाले कांवड़िया बीच में किसी भी चीज के लिए नहीं रुकते और उनकी यात्रा को सरल बनाने के लिए मार्ग में कई तरह की उचित व्यवस्था की जाती है।

खड़ी कांवड़ यात्रा

खड़ी कांवड़ यात्रा में साधक कांवड़ लेकर चलते हैं। इस खड़ी कांवड़ यात्रा में 2-3 लोग साथ में चलते हैं, जिसमें एक के थकने पर दूसरे लोग कांवड़ लेकर साधक की यात्रा पूरी करने में सहायता करते हैं।

दांडी कांवड़ यात्रा

कांवड़ यात्रा के सभी प्रकारों में दांडी कांवड़ यात्रा सबसे कठिन मानी गई है। इस दांडी कांवड़ यात्रा में कांवड़िया पवित्र नदी से स्नान कर जल भरता है और मंदिर तक दंडवती करते हुए पहुंचता है। इस यात्रा में सबसे ज्यादा समय लगता है।

कौन सी कांवड़ यात्रा है सबसे सरल और सबसे कठिन

सबसे सरल की बात करें तो सामान्य कांवड़ यात्रा सबसे सरल है। इस यात्रा में कांवड़िया बीच-बीच में कांवड़ को स्टैंड पर रखकर आराम कर सकता है। वहीं दांडी कांवड़िया कांवड़ यात्रा के सभी प्रकार में सबसे ज्यादा कठिन है। इस कांवड़ यात्रा में कांवड़िया दंडवती करते हुए भगवान शिव को कांवड़ का जल अर्पित करता है।

यात्रा के दौरान कांवड़ को जमीन में क्यों नहीं रखना चाहिए?

सावन मास में कांवड़ यात्रा का विशेष महत्व है, इस माह में कांवड़िया कांवड़ में जल भरकर शिव जी का अभिषेक करते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि कांवड़ को जमीन पर क्यों नहीं रखते? कांवड़ को जमीन में नहीं रखने के पीछे एक धार्मिक मान्यता है। इस मान्यता के अनुसार कांवड़ियों का मानना है कि कांवड़ भगवान शिव का स्वरूप है, जिसे कभी भी जमीन में रखकर उसका अपमान नहीं करना चाहते हैं। इसके अलावा कांवड़ में भरा हुआ जल भगवान शिव को चढ़ता है, ऐसे में कांवड़िया जमीन पर रखे हुए जल को भगवान शिव के ऊपर नहीं चढ़ाते हैं। जिस मार्ग में कांवड़िया विश्राम के लिए रुकते हैं, उस स्थान में कावड़िया स्टैंड या पेड़ पर कांवड़ को रखते हैं, ताकि कांवड़ जमीन को स्पर्श न हो।

सावन में रुद्राभिषेक के लिए पांच दिन हैं उत्तम... राहु, केतु और शनि भी हो जाएंगे शांत

भगवान शंकर के प्रिय माह सावन में शिवलिंग पर रुद्राभिषेक करने से कई विपदाओं से मुक्ति मिलती है। रुद्राभिषेक करने से उत्तम फलों की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में भी रुद्राभिषेक का वर्णन किया गया है। रुद्राभिषेक करने से घर में शांति बनी रहती है और ग्रहों का बुरा प्रभाव भी कम होता है। सावन महीने की शुरुआत हो चुकी है। यह माह 22 जुलाई से शुरू होकर 19 अगस्त तक चलने वाला है। इस पूरे महीने शिवालयों में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिलती है। कहा जाता है कि इस माह भगवान शिव को प्रसन्न करना आसान होता है। सावन के महीने में कांवड़ यात्रा भी निकाली जाती है। कांवड़ यात्री पवित्र नदियों से जल भरकर अपने कांवड़ में लाते हैं और अपने आसपास के शिवालयों में शिवलिंग का अभिषेक करते हैं।

रुद्राभिषेक करने की सही तिथि

सावन में रुद्राभिषेक का खास महत्व होता है। लेकिन किस दिन रुद्राभिषेक किया जाना चाहिए, इसे लेकर कन्फ्यूजन बना रहता है। आइए, जानते हैं कि सावन में रुद्राभिषेक के लिए उत्तम दिन कौन-सा है। सावन के महीने में रुद्राभिषेक करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं। शिवलिंग का अभिषेक तो किया ही जाता है, लेकिन रुद्राभिषेक करने के खास महत्व होता है। कहा जाता है कि इससे जीवन में चल रही परेशानियां दूर हो जाती हैं। इस बार सावन के महीने में ऐसी कई शुभ तिथियां आने वाली हैं, जिस दिन रुद्राभिषेक किया जा सकता है।

सावन में इस दिन करें रुद्राभिषेक

सावन शिवरात्रि का दिन भगवान शिव के रुद्राभिषेक के लिए काफी खास माना जाता है। इस दिन व्रत रखना चाहिए। इस दिन शिव जी की विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए। इस साल 2 अगस्त 2024 को सावन शिवरात्रि पड़ रही है।सावन माह की शिवरात्रि और सोमवार के साथ-साथ नागपंचमी पर भी रुद्राभिषेक करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है। इस दिन रुद्राभिषेक करना बहुत शुभ माना जाता है।

इस साल सावन मास में नागपंचमी पर्व 9 अगस्त 2024 को मनाया जाने वाला है।

सावन सोमवार का दिन भी रुद्राभिषेक के लिए उत्तम होता है। इस बार सावन का दूसरा सोमवार 29 जुलाई को पड़ रहा है। सावन का तीसरा सोमवार 5 अगस्त, चौथा सोमवार 12 अगस्त और पांचवां सोमवार 19 अगस्त को पड़ रहा है।

शास्त्रों में मिलता है रुद्राभिषेक का वर्णन

इन सभी तिथियों पर शिवजी का रुद्राभिषेक करने से जीवन में शुभ परिणाम प्राप्त होते हैं। साथ ही कोई बड़ी सफलता प्राप्त होती है। ऐसे परिवार पर हमेशा भगवान शिव की कृपा बनी रहती है। कहा जाता है कि रुद्राभिषेक करने से रोगों से छुटकारा मिलता है। इतना ही नहीं, इससे सभी मनोकामनाएं भी पूरी होती हैं। यदि आप सावन शिवरात्रि, सावन सोमवार या सावन प्रदोष के दिन रुद्राभिषेक विधि-विधान से करेंगे, तो आपको चमत्कारिक बदलाव देखने को मिलेंगे। शास्त्रों में रुद्राभिषेक को शिव जी को प्रसन्न करने का रामबाण उपाय बताया गया है भगवान शंकर के प्रिय माह सावन में शिवलिंग पर रुद्राभिषेक करने से कई विपदाओं से मुक्ति मिलती है। रुद्राभिषेक करने से उत्तम फलों की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में भी रुद्राभिषेक का वर्णन किया गया है। रुद्राभिषेक करने से घर में शांति बनी रहती है और ग्रहों का बुरा प्रभाव भी कम होता है।

निशानेबाज मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य जीतकर इतिहास रचा

–भारत को पहला पदक मिला

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक 2024 में रविवार को भारत का पदक का खाता खुल गया है। भारत को पहला पदक दिलाने वाली स्टार निशानेबाज मनु भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य जीतकर इतिहास रच दिया है। इसी के साथ निशानेबाजी में मनु इस बार कोई भी पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने दूसरी बार ही ओलंपिक में हिस्सा लिया है।

पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के साथ ही भारतीय निशानेबाज मनु भाकर ने इतिहास रच दिया है। यह मनु भाकर का दूसरा ही ओलंपिक रहा है। इससे पहले उन्होंने पिछले टोक्यो ओलंपिक 2020 में डेब्यू किया था, लेकिन 10 मीटर एयर पिस्टल क्वालिफिकेशन राउंड के दौरान उनकी पिस्टल में खराबी आ गई थी, जिस कारण वो पदक नहीं जीत पायी थी पर इस बार मनु ने कोई गलती नहीं की।

भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में तीसरे स्थान पर रहते हुए कांस्य पदक जीता है। मनु 10 मीटर एयर पिस्टल में ओलंपिक कांस्य पदक जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट बन गयी हैं। उन्होंने 221.7 के कुल स्कोर के साथ ही कांस्य पदक हासिल किया। वह रजत जीत के करीब पहुंच गयी थी पर अंतिम समय में कोरियाई निशानेबाज किम येजी ने बढ़त हासिल कर ली। किम ने 241.3 के स्कोर के साथ रजत पर निशाना साधा। वहीं कोरिया की ही ओ ये जिन ने 243.2 के साथ रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता। मनु ने मुकाबले में 10.6 शॉट से शुरुआत की। 10.9 सर्वश्रेष्ठ है जो 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के हासिल किया जा सकता है। भाकर का दूसरा शॉट 10.2 है और उनका तीसरा शॉट 9.5 पर आ गया है।

पेरिस ओलंपिक: भारत के बलराज नौकायन स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

पेरिस (एजेंसी)। भारत के बलराज पवार नौकायन के मेंस स्कल्स इवेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गये हैं। बलराज इससे पहले पुरुष एकल स्कल्स हीट में चौथे स्थान पर रहे थे। हीट में बाहर होने के बाद बलराज को रेपचाज में खेलने का अवसर मिला जिसका उन्होंने पूरा लाभ उठाया। बलराज ने नौकायन के मेंस स्कल्स इवेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाकर एक नई उपलब्धि हासिल की है। इससे पहले केवल नौकायन खिलाड़ी ही ये कारनाम कर पाये हैं। बलराज मुकाबले में चौथे स्थान पर रहे थे। उन्होंने 7:07.11 का समय निकालते हुए 2000 मीटर की दूरी तय की और रेपेचेज राउंड के लिए जगह पक्की की।

पुरुष एकल स्कल्स इवेंट में कुल 33 नौकायन खिलाड़ी छह अलग-अलग हीट में भाग लेते हैं। प्रत्येक इवेंट के शीर्ष तीन खिलाड़ियों को सीधे ही क्वार्टरफाइनल में खेलने का अवसर मिलता है। वहीं चौथे, पांचवें और छठे स्थान पर रहने वाले खिलाड़ी को क्वार्टरफाइनल में जगह बनाने के लिए रेपेचेज दौर के जरिए एक और अवसर दिया जाता है।

सूर्यकुमार यादव ने विराट कोहली के इस बड़े टी20आई रिकॉर्ड की बराबरी की

पल्लेकेले (श्रीलंका) (एजेंसी)। भारत के टी20आई कप्तान सूर्यकुमार यादव ने क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड जीतने के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली के रिकॉर्ड की बराबरी करके रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया। टी20आई क्रिकेट में गौतम गंभीर और सूर्यकुमार युग की शुरुआत जीत के साथ हुई, जब भारत ने श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज के पहले मैच में 43 रन से जीत दर्ज की। कप्तानी का भार सूर्यकुमार के लिए अपने खेलने के गतिशील अंदाज को बदलने के लिए पर्याप्त नहीं था। अपने हमेशा की तरह शानदार अंदाज और बेहतरीन शॉट चयन के साथ, भारतीय कप्तान ने शानदार पारी खेली और 223.08 की शानदार स्ट्राइक रेट से 26 गेंदों पर 58 रन बनाए। श्रृंखला में 1-0 की बढ़त लेने के बाद भारत रविवार को मेजबान टीम के खिलाफ दूसरा टी20 मैच खेलेगा।

भारत के सीरीज में एक अंक से आगे निकलने के बाद 33 वर्षीय बल्लेबाज को 69 मैचों में टी20आई प्रारूप में 16वीं बार प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने कोहली के रिकॉर्ड की बराबरी की, जिन्होंने अपने शानदार करियर में 125 मैचों में 16 क्कक्करू पुरस्कार जीते हैं। सूर्यकुमार श्रीलंका के खिलाफ आगामी दो मैचों में उनसे आगे निकलने की कोशिश करेंगे।

जिम्बाब्वे के अनुभवी ऑलराउंडर और टी20आई कप्तान सिकंदर रजा 91 मैचों में 15 POTM पुरस्कारों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बारबाडोस में टी20 विश्व कप के फाइनल में रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम के लिए मैच जिताऊ पारी खेलने के बाद इस प्रारूप से संन्यास की घोषणा की। उन्होंने 59 गेंदों पर 76 रन बनाए, जिसने भारत के स्कोर को 176/7 के प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पेरिस ओलंपिक : शरत कमल एकल से बाहर, मनिका और श्रीजा की राउंड 32 में एंट्री

पेरिस (एजेंसी)। भारत के स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंता शरत कमल रविवार को यहां पेरिस ओलंपिक की पुरुष एकल प्रतियोगिता से बाहर हो गए जबकि स्टार महिला खिलाड़ी मनिका बत्रा ने राउंड 64 में अपनी प्रतिद्वंद्वी को 4-1 से हराकर अपना अभियान शुरू किया। अपना पांचवा ओलंपिक खेल रहे 42 वर्षीय शरत को 53 मिनट तक चले मैच में अपने से 86 पायदान नीचे के प्रतिद्वंद्वी स्लोवेनिया के डेनी कोजुल से 2-4 (12-10 9-11 6-11 7-11 11-8 10-12) से हार का सामना करना पड़ा।

राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन और विश्व रैंकिंग में 40वें स्थान पर काबिज शरत ने पहला गेम जीता लेकिन इसके बाद अगले तीन गेम में उन्हें हार झेलनी पड़ी। यह भारतीय खिलाड़ी जब पीछे चल रहा था तब उन्होंने पांचवा गेम जीत कर स्कोर 2-3 किया लेकिन आखिर में वह विश्व में 126वें नंबर के खिलाड़ी को जीत से नहीं रोक सके। महिला एकल मैच में 29 साल की मनिका ने ब्रिटेन की अन्ना हर्से पर दबदबा बनाया। 2018 राष्ट्रमंडल खेलों की चैम्पियन और 18वीं वरीय मनिका ने 41 मिनट में हर्से को 11-8 12-10 11-9 9-11 11-5 से मात दी। इस तरह मनिका ने तोक्यो ओलंपिक की उपलब्धि की बराबरी की जिसमें वह एकल के राउंड 32 में पहुंचने वाली भारत की पहली महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी बनी थीं।

दिल्ली की पैडलर ने 24 मिनट में 3-0 से बढ़त बना ली थी और 4-0 से जीतने की ओर बढ़ रही थी। लेकिन हर्से ने वापसी करते हुए चौथा गेम जीत लिया। पर मनिका ने अपने से निचली रैंकिंग की प्रतिद्वंद्वी को कोई मौका नहीं दिया और पांचवां गेम जीतकर मैच आसानी से जीत लिया। अब मनिका का सामना 31 जुलाई को राउंड 32 मैच में फ्रांस की 12वीं वरीय प्रीथिका पवाडे से होगा।

इससे पहले श्रीजा अकुला ने स्वीडन की क्रिस्टीना कल्बर्ग पर 4-0 की शानदार जीत के साथ राउंड ऑफ 32 में प्रवेश किया। डब्ल्यूटीटी कंटेंडर एकल खिताब जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनकर इतिहास रचने वाली श्रीजा ने स्वीडन की खिलाड़ी को 30 मिनट में 11-4, 11-9, 11-7, 11-8 से पराजित किया। भारतीय खिलाड़ी को पहला गेम जीतने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई लेकिन अगले तीन गेम में उन्हें थोड़ा संघर्ष करना पड़ा। तीसरे गेम में एक समय स्कोर 7-5 था लेकिन इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने शानदार खेल दिखाकर कल्बर्ग को कोई मौका नहीं दिया।

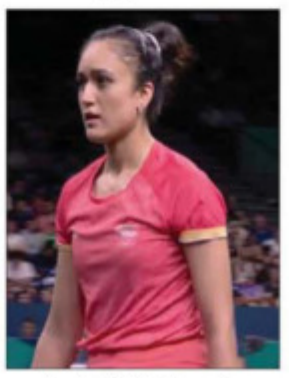

श्रीजा ने चौथे गेम में शुरू में अच्छा प्रदर्शन किया और एक समय वह 9-3 से आगे थी। भारतीय खिलाड़ी ने उसके बाद कुछ गलतियां की जिसका फायदा उठाकर कल्बर्ग ने स्कोर पहले 9-7 और फिर 10-8 कर दिया। श्रीजा ने हालांकि इसके बाद करारा शॉट जमा कर अगले दौर में प्रवेश किया।

पेरिस ओलंपिक : मुक्केबाज निखत जरीन ने प्री क्वार्टर फाइनल में किया प्रवेश

पेरिस। भारतीय महिला मुक्केबाज निखत जरीन ने रविवार को पेरिस ओलपिक खेलों में जर्मनी की मैक्सी करीना क्लोएट्जर पर 5-0 की जीत दर्ज करते हुए महिलाओं के 50 किग्रा स्पर्धा के प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। राउंड ऑफ 32 में मुकाबले की शुरूआत में जर्मनी की मुक्केबाज निखत पर हमलावर रही। हालांकि इस दौरान भारतीय मुक्केबाज ने भी कुछ जोरदार पंच लगाए लेकिन पहले राउंड के बाद जजों का फैसला 3-2 से क्लोएट्ज़र के पक्ष में रहा। निखत ने दूसरे राउंड के शुरुआती सेकेंड से ही हमलावर रुख अख्तियार किया। नियमों को न मानने के लिए दोनों मुक्केबाजों के एक-एक अंक काटे गए, लेकिन निखत ने मैच को अपने पक्ष में कर लिया और दूसरे राउंड में सर्वसम्मत जीत हासिल कर की। दो बार की विश्व चैंपियन तीसरे राउंड में भी हावी रही शुरुआती दो मिनट के बाद वापसी करते हुए निखत ने जीत दर्ज की। निखत का मुकाबला अब एक अगस्त को प्री क्वार्टर फाइनल में चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त वू यू से होगा। उल्लेखनीय है कि वू यू 52 किग्रा में मौजूदा विश्व चैंपियन हैं और एशियाई खेल 2023 में स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय पुरुष मुक्केबाज अमित पंघाल का मुकाबला (51 किग्रा) में 30 जुलाई को जाम्बिया के पैट्रिक चिनेम्बा से होगा वहीं महिला मुक्केबाज जैस्मीन लेम्बोरिया 57 किग्रा वर्ग में टोक्यो 2020 की रजत पदक विजेता फिलीपीस की नेस्टी पेटेसियो से मुकाबला करेगी।

पेरिस ओलंपिक में सिंधु की जीत से शुरुआत, मालदीव की फथीमथ को पहले दौर में हराया

पेरिस। भारत की महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने पेरिस ओलपिक में जीत से शुरुआत की है। सिंधु ने महिला एकल बैडमिंटन में मालदीव की खिलाड़ी को हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया है। अपने तीसरे ओलपिक पदक के लिए उतरी सिंधु ने एकल के ग्रुप एम में मालदीव की फथीमथ नब्बाह अब्दुल रज्जाक को आसानी से 21-9, 21-6 से हराया। इस मुकाबले में सिंधु ने पहला गेम 21-9 से जबकि दूसरा गेम 21-6 से जीता। सिंधु ने 27 मिनट में ही मुकाबला जीत लिया। सिंधु ने पहला अंक हासिल करके इस मैच में बढ़त बनानी शुरु की। इसके बाद अंकों का अंतर बढ़कर 10 अंक तक पहुंच गया। वहीं रज्जाक के 4 अंक थ। सिंधु ने अंकों का अंतर 15-5 तक पहुंचा कर इस गेम को 21-9 के बड़े अंतर से जीत लिया। पहला गेम आसानी से जीतने के बाद सिंधु ने दूसरे गेम में भी बढ़त बनायी। वह मालदीव की खिलाडी के खिलाफ 4-0 से आगे निकली हालाकि उनकी विरोधी ने भी 3 अंक हासिल कर वापसी के प्रयास किये और स्कोर 3-5 तक पहुंचा दिया। सिंधु ने इसके बाद जबरदस्त प्रदर्शन कर स्कोर 10-3 करके एक बार फिर बड़ी बढ़त हासिल कर ली। 21-6 के अंतर से दूसरा गेम सिंधु ने जीत लिया। सिंधु ने मालदीव की रज्जाक के खिलाफ बेहद आसानी से पहला मैच जीता।

ओलंपिक में पहुंचे खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ा रहा बालीवुड

मुंबई। पेरिस ओलपिक का शानदार आगाज हो चुका है। इस मौके पर बॉलीवुड सितारों ने भारतीय एथलीटों को हौसला बढ़ाया। अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने अपने सोशल मीडिया पर एथलीट्स के लिए वीडियो शेयर किया। वीडियो में बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु और टेबल टेनिस दिग्गज शरत कमल नजर आ रही है, जिन्होंने ओपनिंग सेरेमनी की परेड के दौरान ध्वजवाहक के रूप में भारतीय टीम का नेतृत्व किया। वहीं अभिनेता अजय देवगन ने पोस्ट किया, सभी भारतीय एथलीटों के लिए.... आप हमारे देश का गौरव हैं। आप जो भी करते हैं, बेस्ट करते हैं। निश्चिंत रहें कि हम आपका खेल पूरे उत्साह के साथ देखने वाले है। चीयर्स एंड गुड लक! अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर ओलपिक में भारतीय एथलीटों की एक तस्वीर शेयर की और लिखा, टीम इंडिया के लिए उत्साह। आलिया भट्ट ने भी एक तस्वीर पोस्ट कर लिखा, आगे बढ़ो टीम इंडिया। अभिनेता कार्तिक आर्यन ने चंदू चैंपियन के अपने किरदार मुरलीकांत पेटकर की तस्वीर शेयर कर नोट में लिखा, पेरिस ओलपिक 2024 में हमारे देश का प्रतिनिधित्व करने वाले एथलीटों को शुभकामनाएं। चंदू चैंपियन में एक एथलीट की भूमिका निभाना एक अविश्वसनीय अनुभव और सम्मान रहा है।

श्रीलंका ने पहली बार जीता महिला एशिया कप का खिताब, फाइनल में भारत को दी मात

दांबुला (एजेंसी)। श्रीलंका ने चमारि अथापत्थु और हर्षिता समरविक्रमा की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत भारत के खिलाफ 8 विकेट से जीत दर्ज करते हुए पहली बार महिला एशिया कप का खिताब अपने नाम किया। स्मृति मंधाना (60) और ऋचा घोष (30) की आतिशी बल्लेबाजी के दम पर भारत ने रविवार को महिला एशिया कप के फाइनल मुकाबले में श्रीलंका को जीत के लिए 166 रनों का लक्ष्य दिया। इसके जवाब में श्रीलंका ने 18.4 ओवर में 167/2 के स्कोर के साथ खिताबी जीत अपने नाम की। अथापत्थु ने 43 गेंदों पर 9 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 61 और समरविक्रमा ने 51 गेंदों पर 6 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 69 रन की पारी खेली। इसके अलावा कविशा दिलहारी

ने 16 गेंदों पर 1 चौके और 2 छक्कों की मदद से 30 रन बनाकर जीत में अपना योगदान दिया। आज यहां भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिये 44 रन जोड़े। सातवें ओवर में कविशा दिलहारी ने शेफाली वर्मा (16) को आउटकर श्रीलंका को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद नौवें ओवर में उमा छेत्री (9) रन बनाकर पवेलियन लौट गईं।

कप्तान हरमनप्रीत कौर (11) और जेमिमाह रॉड्रिग्स (29) रन बनाकर आउट हुई। स्मृति मंधाना ने 47 गेंदों में 10 चौके लगाते हुये (60) रनों की पारी खेली। ऋचा घोष ने 14 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुये (30) रन बनाये। पूजा वस्त्रकर (5) और राधा यादव (1) रन बनाकर नाबाद रही। भारत ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 165 का स्कोर खड़ा किया। श्रीलंका की ओर से कविशा दिलहारी ने दो विकेट लिये। उदेशिका प्रबोधनी, सचिनी निसांसला और चमारी अट्टापटू ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

नाइजीरियाई मुक्केबाज डोपिंग के कारण ओलंपिक से निलंबित, सोमवार को खेलना था पहला मुकाबला

पेरिस - नाइजीरिया की मुक्केबाज सिंथिया ओगुनसेमिलोर को प्रतिबंधित डोपिंग पदार्थ के सेवन का दोषी पाए जाने के बाद पेरिस ओलपिक खेलों से बाहर कर दिया गया है। अंतरराष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी के अनुसार अफ्रीकी खेलों की लाइटवेट चैंपियन ओगुनसेमिलोर का गुरुवार को परीक्षण किया गया था और उनके मूत्र में फ्यूरोसेमाइड पाया गया है। फ्यूरोसेमाइड एक मास्किंग एजेंट है जो अन्य दवाओं की उपस्थिति को छिपा सकता है। एजेंसी के अनुसार ओगुनसेमिलोर को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है और वह ओलपिक में भाग नहीं ले सकती हैं। इस 22 वर्षीय मुक्केबाज को 60 किग्रा भार वर्ग में चौथी वरीयता दी गई थी तथा उन्हें अपना पहला मुकाबला सोमवार को खेलना था। ओगुनसेमिलोर ने पिछले साल अपने वजन वर्ग में अफ्रीकी खेलों का खिताब जीता था। उन्होंने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में कांस्य पदक जीता था। वह डोपिंग के कारण पेरिस ओलपिक से बाहर होने वाली दूसरी खिलाड़ी हैं। इससे पहले शुक्रवार को इराकी जुडोका सज्जाद सेहेन का परीक्षण पॉजिटिव पाया गया था।

अर्जुन बबूता 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा के फाइनल में पहुंचे

शेटराउ (फ्रांस) (एजेंसी)। भारतीय निशानेबाज अर्जुन बबूता ने रविवार को यहां क्वालीफिकेशन में सातवें स्थान पर रहते हुए पेरिस ओलपिक खेलों की पुरुष 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाई।

25 साल के बबूता ने 105.7, 104.9, 105.5, 105.4, 104.0 और 104.6 अंक की सीरीज के साथ कुल 630.1 अंक जुटाए। बबूता सोमवार को आठ निशानेबाजों के फाइनल में पदक के लिए चुनौती पेश करेंगे। वह शनिवार को रमिता जिंदल के साथ मिश्रित टीम फाइनल में जगह बनाने से चूक गए थे। भारतीय जोड़ी क्वालीफिकेशन में छठे स्थान पर रही थी।

वर्ष 2016 से राष्ट्रीय टीम में शामिल चंडीगढ़ के बबूता ने पिछले साल चांगवोन में एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप के जरिए ओलपिक कोटा हासिल किया था। सेना के संदीप सिंह इसी स्पर्धा में 629.3 अंक के साथ 12वें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाने से चूक गए। संदीप का इसके साथ ही पेरिस खेलों में अभियान खत्म हो गया। उन्होंने अप्रैल-मई में हुए चयन ट्रायल में विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष पाटिल को पछाड़कर पहली बार ओलपिक में खेलने का हक पाया था। चीन के शेंग लिहाओ 631.7 अंक के साथ क्वालीफाइंग दौर में शीर्ष पर रहे।

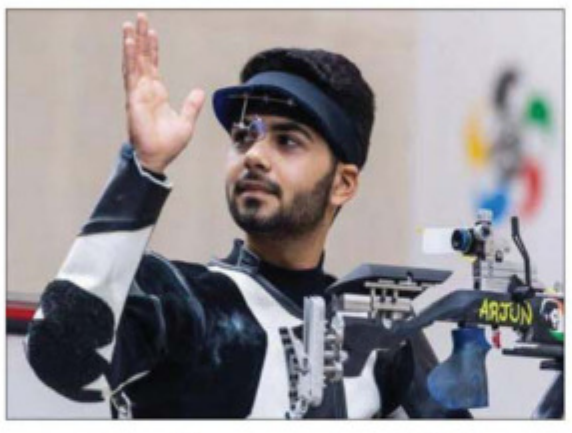

पेरिस ओलंपिक : भारतीय निशानेबाज रमिता 10 मीटर एयर राइफल के फाइनल में पहुंची, इलावेनिल बाहर हुई

पेरिस। भारतीय महिला निशानेबाज रमिता जिंदल ने ओलिपिक में शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 मीटर एयर राइफल के फाइनल में प्रवेश किया है। रमिता ने इस मुकाबले की शुरुआत में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। वह क्वालीफिकेशन दौर में पांचवें स्थान पर रहीं थीं। अब फाइनल में रमिता सोमवार को खिताबी मुकाबले में उतरेगी। फाइनल में रमिता का लक्ष्य देश के लिए स्वर्ण जीतना रहेगा। रमिता 60 शॉट के क्वालिफाइंग रांउड में कुल 631.5 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। रमिता ने पहली सीरीज में 104.3, दूसरी में 106.0, तीसरी में 104.9, चौथी में 105.3, पांचवी में भी 105.3 और छठी सीरीज में 105.7 अंक हासिल किए। वहीं भारत की ही इलावेनिल 10वें स्थान पर रहने के कारण फाइनल में नही पहुंच पाई। एलावेनिल शीर्ष-5 में बनी हुई थी। कुछ समय के लिए तो वह शीर्ष पर भी थी पर अंतिम सीरीज में वह पीछे हो गयी। 59वें शॉट में एलावेनिल ने केवल 9.8 का स्कोर किया। इसी से वह शीर्ष-8 से बाहर हो गई। अंत में उन्होंने 10.1 का स्कोर किया। एलावेनिल और 8वें नंबर की निशानेबाज में केवल 0.5 के स्कोर का अंत रहा।

ऋषभ पंत ने तोड़ा दिनेश कार्तिक का 6 साल पुराना रिकॉर्ड

दांबुला (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने अच्छी पारी खेली और 33 गेंदों पर एक छक्का और 6 चौकों की मदद से 49 रन की पारी खेली। इस मैच में वह सिर्फ एक रन से अपना अर्धशतक पूरा करने से चूक गए, लेकिन उन्होंने दिनेश कार्तिक का 6 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया तो वहीं विराट कोहली, एमएस धोनी और ऋतुराज गायकवाड़ की इस खास लिस्ट में शामिल हो गए हैं।

पंत ने तोड़ा दिनेश कार्तिक का रिकॉर्ड

ऋषभ पंत ने श्रीलंका के खिलाफ 49 रन की पारी खेली और अब वो श्रीलंका में टी20 में बतौर विकेटकीपर भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले ये रिकॉर्ड दिनेश कार्तिक के नाम पर दर्ज था जिन्होंने साल 2018 में बतौर विकेटकीपर भारत के लिए नाबाद 39 रन की पारी खेली थी। अब 6 साल के बाद पंत ने 49 रन की पारी खेलकर दिनेश कार्तिक के रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

पंत ने पहली बार टी20 में 49 रन की पारी खेली और आउट हो गए। टी20 में 49 रन के स्कोर पर आउट होने वाले वो चौथे भारतीय बल्लेबाज बन गए। पंत से पहले भारत की तरफ से टी20 में 49 के स्कोर पर विराट कोहली, एमएस धोनी और ऋतुराज गायकवाड़ आउट हो चुके हैं। अब पंत भी इन दिग्गजों की लिस्ट में शामिल हो चुके हैं।

पेरिस ओलंपिक - प्रीति प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंची

पेरिस। भारतीय महिला मुक्केबाज प्रीति पवार पेरिस ओलपिक के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं हैं। प्रीति ने 54 किग्रा भार वर्ग में पहले दौर के मुकाबले में वियतनाम की वो थी किम अन्ह को 5-0 से हरा दिया। अब दूसरे दौर में उनका सामना दूसरी वरीयता प्राप्त कोलंबिया की येनी एरियास से होगा। वियतनामी मुक्केबाज के खिलाफ मुकाबले में प्रीति हावी रही। शुरुआत में उन्हें कुछ मुश्किल हुई पर एक बार लय मिलने पर प्रीति ने जमकर हमला बोला। इस मुक्केबाज ने पिछले साल हांगझाऊ एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता और अपनी पहली विश्व चैम्पियनशिप में भी भाग लिया था। अब उनका लक्ष्य ओलपिक पदक जीतना रहेगा।

साउथ कोरिया की बीमारी ने भारत में दी दस्तक, अब मचा हाहाकार

हैदराबाद। साउथ कोरिया में नोरोवायरस ने तांडव मचाया और 1000 लोगों से ज्यादा लोगों को बीमार कर दिया। अब यही नोरोवायरस हैदराबाद में फैल रहा है। जिससे हैदराबाद के लोग खौफ में जी रहे हैं। हर दिन लगभग 100 से 120 मामले सामने आ रहे हैं। हर दिन सौ से ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। नोरो वायरस से पीड़ित सैकड़ों लोग सरकारी और निजी अस्पतालों और क्लीनिकों में आ रहे हैं। कुछ की हालत गंभीर हो गई है और उनका इलाज आईसीयू में वेंटिलेटर पर किया जा रहा है। इस तरह नोरोवायरस हैदराबादवासियों को दहशत में डाल रहा है। पीड़ित लोगों को बिना देर किए चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए। अन्यथा स्थिति घातक होने का खतरा है। हैदराबाद में कई लोग इन लक्षणों से पीड़ित हैं और उनका इलाज वेंटिलेटर पर किया जा रहा है। नोरो वायरस दूषित भोजन और पानी के सेवन से संक्रमित होता है। प्रदूषित वातावरण भी इस वायरस के फैलने का कारण बनता है। यह संक्रामक हैज इसलिए एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में तेजी से फैलता है। जो लोग संक्रमित लोगों के निकट संपर्क में आते हैं वे आसानी से इस वायरस से संक्रमित हो सकते हैं। बता दें कि सबसे तेजी से फैलने वाला नोरो वायरस हैदराबादवासियों को डरा रहा है। यह काफी तेजी से फैल रहा है और लोगों में भ्रम पैदा कर रहा है कि आखिर उन्हें हो क्या रहा है। कुछ ही दिनों में सैकड़ों मामले सामने आ रहे हैं जिससे अब शहरवासी चिंतित हैं। हेल्थ विभाग के अधिकारी सतर्क हो गए हैं। शहरवासियों को महत्वपूर्ण निर्देश दी जा रही हैं। चूंकि यह एक महामारी है, यह तेजी से फैल रही है। इससे पता चलता है कि अगर कई सावधानियां बरती जाएं तो इससे बचा जा सकता है। खासकर पुराने शहर इलाके में, कई लोग उल्टी और दस्त से पीड़ित हैं। दबीर पुरा, याकूत पुरा, पुराना हवेली, मुगल पुरा, मलक पटे जैसे इलाकों के लोग ज्यादा बीमार हो रहे हैं।

यूपी में कावड़ मेले में पहुंची पांच लाख रुपयों के नोट लगी कांवड़

- शिवभक्त ने अपनी कावड़ में लगा रखे 5 लाख 21 हज़ार रुपये के 500,100 और 50 के नोट

मुजफ्फरनगर । उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जनपद में कावड़ मेले के दौरान अनेकों रंग बिरंगी कावड़ देखने को मिल रही है लेकिन शनिवार की रात कावड़ यात्रा के दौरान नगर में एक नोटों की ऐसी कांवड़ भी पहुंची, जिसे लोग देखते ही रह गए। इस कांवड़ में 5 लाख 21 हज़ार रुपये के 500,100 और 50 के नोट लगाए गए हैं। दरसअल, दिल्ली शाहदरा के गांव सरोली निवासी सागर राणा नाम का एक शिवभक्त कावड़िया अपनी टीम के साथ हरिद्वार हर की पौड़ी से गंगाजल भरकर अपनी कावड़ लेकर यात्रा पर निकला है। शिवभक्त सागर ने अपनी कावड़ में 5 लाख 21 हज़ार रुपये के 500,100 और 50 के नोट लगा रखे हैं। आपको बता दे कि शिवभक्त कावड़िए सागर राणा की यह चौथी नोटों की कावड़ है, इससे पहले वह 200 ,100 और 10 के नोटों की कावड़ भी लेकर आ चुका है। शिव भक्त सागर राणा का कहना है कि वह अपनी कावड़ यात्रा को पूर्ण कर, दो अगस्त को शिव शंकर को जलाभिषेक करने के बाद इन नोटों से अपने गांव में भंडारा करेगा। शिवभक्त कावड़िए सागर राणा की माने तो उसने बताया कि हमें दिल्ली शाहदरा के सरोली गांव जाना है, हम हरिद्वार से 25 की सुबह 5:00 चले थे और 1 तारीख तक पहुंच जाएंगे, इसमें 500 के 4:30 लाख रुपए लग रहे है और 100 और 50 को करके टोटल 465000 हैं। कुल ?मिलाकर यह 5 लाख 21 हजार रुपए हैं, यह मैं हर साल ला रहा हूं और यह मेरी चौथी कावड़ है और पहले 200 की उससे पहले 100 की और उससे भी पहले 10 की कावड़ थी। इस बार बड़ी कावड़ है, अगली बार का तो तभी पता चलेगा, हमारी यह चार लोगों की टीम है, इन पैसों का कावड़ के बाद अपने बाबा के नाम का भंडारा होगा और हम हमेशा इस तरह ही करते हैं हमेशा सेवा में ही पैसे लगते हैं।

दुष्कर्म पीड़िताओं और गवाहों के लिए प्रोटेक्शन स्कीम 2024 लाने की तैयारी

भोपाल। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश, भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के लागू होने के बाद सारे देश में विटनेस प्रोटक्शन योजना लागू की जा रही है। दुष्कर्म पीड़ताओं,महिलाओं, और जघन्य अपराध के गवाहों को सुरक्षा देने के लिए, मध्य प्रदेश सरकार विटनेस प्रोटक्शन स्कीम 2024 तैयार कर रही है। प्रमुख गृह सचिव संजय दुबे के अनुसार दुष्कर्म पीड़िताओं और गवाहों की सुरक्षा के लिए नया बिल लाने की तैयारी शुरू हो गई है। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में यह कमेटी बनेगी। जो प्रोटक्शन बिल का प्रस्ताव तैयार करेगी। इसे जल्द ही कैबिनेट में भेजा जाएगा। कैबिनेट की मंजूरी मिल जाने के बाद इस योजना को लागू किया जाएगा। इस योजना का मुख्य उद्देश्य पीड़ित महिलाओं की सुरक्षा, जीवन यापन और गवाहों की सुरक्षा के विशेष प्रावधान होंगे। इस कानून में पीड़ित महिला का नाम, पता बदलने का प्रावधान होगा। उनका पुनर्वास भी कराया जाएगा। अपराधी उनका पता ना लगा पायें,इसका भी प्रावधान किया जाएगा। कामकाजी महिलाओं के लिए सरकार फीस इत्यादि की व्यवस्था करेगी। प्रतिमाह मुआवजा देने की योजना भी इस प्रस्ताव में शामिल होगी।

प्रलोभन और बयान बदलने पर लगेगी रोक- इस नए प्रावधान से अदालत में गवाहों या पीड़िता के जो बयान दबाव से बदलवाये जाते हैं, उसमें रोक लगेगी। पीड़ताओं को सुरक्षा मिलेगी। उन्हें प्रलोभन नहीं दिया जा सकेगा। गवाह और पीड़िता के आवेदन पर उसके घर की सुरक्षा की जाएगी। सीसीटीवी,पुलिस सुरक्षा तथा किसी भी आकस्मिक स्थिति में सहायता दिए जाने का प्रावधान होगा।

हर साल 4000 से ज्यादा दुष्कर्म- कड़े कानून होने के बाद भी हर साल मध्य प्रदेश में दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। ओसतन 4000 से अधिक दुष्कर्म की घटनाएं प्रतिवर्ष हो रही हैं। इस स्थिति को देखते हुए तथा नई भारतीय न्याय संहिता और भारतीय नागरिक सुरक्षा सहायता लागू हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने जो निर्देश दिए हैं। उसके अनुसार नई पॉलिसी तैयार की जा रही है।

मुस्लिम पर्सनल लॉ के बहाने बाल विवाह नहीं कराया जा सकता : हाईकोर्ट

तिरुअनंतपुरम। केरल हाईकोर्ट ने उन लोगों को फटकार लगाई जो मुस्लिम पर्सनल लॉ के बहाने बाल विवाह को सही ठहराने की वकालत करते हैं। कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण मामले में अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि बाल विवाह विरोधी नियम 2006, बिना किसी धार्मिक भेदभाव के समान रूप से सभी भारतीयों के ऊपर लागू है। जस्टिस पी वी कुन्निकृष्णन ने यह भी साफ किया कि नागरिकता पहले है और धर्म बाद में, इसलिए यह कानून हर भारतीय पर बिना किसी भेदभाव के लागू होगा। बेंच ने हाल ही में पलक्कड़ में एक बाल विवाह के मामले में आरोपी की याचिका को खारिज करते हुए यह निर्देश जारी किया। न्यायालय ने आरोपी पिता और कथित पति की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि उनके विरुद्ध दायर किया गया केस रद्द कर दिया जाए। कोर्ट का यह फैसला ऐसे समय में आया है जब भाजपा शासित असम में कई अल्पसंख्यक लोग बाल विवाह करवाते पकड़े गए हैं। जस्टिस कृष्णन ने कहा कि बाल विवाह रोकना हमारे आधुनिक समाज का हिस्सा है। आज के दौर में यह कहीं से भी जायज नहीं है कि एक बच्चे कि शादी कर दी जाए। यह उस बच्चे के मानवीयअधिकारों का उल्लंघन है। बच्चों को पढ़ने दिया जाए, घूमने दिया जाए,अपनी जिंदगी को जीने दिया जाए और फिर जब वह उस उम्र में आ जाए तो उन्हें खुद से यह फैसला लेने दिया जाए कि वह किससे शादी करते हैं। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की दुहाई देते हुए याचिकाकर्ताओं ने कहा कि कोई भी मुस्लिम लड़की अगर प्यूबर्टी तक पहुंच जाती है तो पर्सनल लॉ बोर्ड के हिसाब से वह शादी के लिए तैयार है और केंद्र उसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकता। याचिका कर्ताओं ने कहा कि यह बाल विवाह विरोधी कानून उनके पर्सनल लॉ बोर्ड के खिलाफ है और उनके अधिकारों का हनन कर रहा है। हालांकि हाइकोर्ट ने याचिकाकर्ताओं की सभी दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि यह कानून किसी पर्सनल लॉ बोर्ड या किसी भी धर्म से भी ऊपर है। पूरे भारत में और भारत के बाहर रहने वाले भारतीय नागरिकों को भी यह नियम मानना ही होगा, इसमें किसी भी प्रकार की कोई कोताही नहीं बरती जाएगी।

हैल्थ विभाग ने स्वाइन फ्लू को लेकर जारी की एडवाइजरी

- देश के कई शहरों में स्वाइन फ्लू के केस हुए कन्फर्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वास्थ्य विभाग ने स्वाइन फ्लू (एच1एन1) को लेकर एडवाइजरी जारी की है। मौसम में हो रहे बदलाव और बढ़ती उमस को देखते हुए यह एडवायजरी जारी की है। देश के कई शहरों में स्वाइन फ्लू के केस कन्फर्म हुए हैं। ऐसे में विभाग ने एहतियात के तौर पर एडवाइजरी जारी की हैं।

हैल्थ विभाग की ओर से डेंगू की रोकथाम को लेकर भी घर- घर जाकर चैकिंग और लोगों को जागरूक किया जा रहा है। मानसून सीजन की शुरूआत से पहले ही विभाग ने टीम बना ली थी जो फील्ड में काम कर रही है। 120 के करीब कर्मी इसमें लगे हैं। हालांकि यह डेंगू का पिक सीजन नहीं है, लेकिन थोड़ी सी भी लापरवाही इस वक्त भारी पड़ सकती है। बारिश हालांकि अभी ज्यादा नहीं हो रही। आने वाले दिनों में यह बढ़ेगी, जोकि मच्छरों के पैदा होने के लिए सही कंडीशन उन्हें देगी। विभाग की टीमें घर-घर जाकर चैकिंग कर रही हैं और लापरवाही को लेकर चालान काटने के लिए पांच टीम बनाई हैं। विभाग

के पास 10 हाथ चलाने वाली फॉगिंग मशीन और 4 गाड़ी वाली फॉगिंग मशीन हैं जिसकी मदद ली जा रही हैं।

एच1एच1 से ऐसे बचें के तरीके की बात करें तो छींकते समय टिश्यू पेपर से नाक को ढके और फिर उस पेपर से सावधानी से नष्ट कर दे। हाथों को लगतार साबुन से धोते रहें। घर, ऑफिस के दरवाजों के हैडल, कीबोर्ड, मेज अदि साफ रखें। जुकाम के लक्षण दिखाई दें तो घर से बाहर ना जाएं और दूसरों के नजदीक ना जाएं। बुखार अगर आया हो तो उसके ठीक होने के 24 घंटे बाद तक घर पर रहे। लगातार पानी पीते रहें। फेस मास्क जरूर पहनें। स्वाइन फ्लू के लक्षण यूं तो सामान्य जुकाम जैसे ही होते हैं, परंतु इसमें 100 डिग्री तक का बुखार आता है, भूख कम होजाती है और नाक से पानी बहता है। कुछ लोगों को गले में जलन, उल्टी और डायरिया भी हो जाता है। डाक्टर्स की मानें तो यहलक्षण होने पर तुरंत अस्पताल में चैक कराएं, लेकिन टैस्ट डाक्टर के परामश के बाद ही कराएं। स्वाइन फ्लू एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में संपर्क से फैलता है।

जब कोई स्वाइन फ्लू का मरीज छींकता है तो उसके आसपास 3 दूर तक खडे, व्यक्तियों फीट की दूर के शरीर में इस स्वाइन फ्लू का वायरस प्रवेश कर जाता है। यदि कोई व्यक्ति अपनेछींकते समय - नाक को हाथ से ढक लेता है तो फिर यदि वह जहां कहीं भी उस हाथ को लगाता है (दरवाजे, खिडकियां, मेज, कीबोर्ड आदि) वहां यह वायरस लग जाता है और फिर वहां से किसी अन्य व्यक्ति के हाथों पर लगक र शरीर में प्रवेश हो जाता है। डॉक्टरों का कहना है कि यह मौसम सीजनल फ्लू का होता है, जिसमें स्वाइन फ्लू, डेंगू मलेरिया, चिकनगुनिया समेत कई वेक्टर बोर्न डिजीज यानी पानी से होनी वाली बीमारियां का खतरा रहता है।

पाक की मेहविश और चूरू के रहमान ने निकाह किया

चूरू। पाकिस्तान की सीमा हैदर और भारत के सचिन मीणा की प्रेम कहानी जैसी ही एक कहानी राजस्थान में दोहराई गई है। इसके पात्र हैं पाकिस्तान की मेहविश और राजस्थान के चूरू जिले का रहमान। भारत-पाक सीमा के दोनों तरफ के प्यार ये पंछी अब एक हो चुके हैं। इन दोनों कहानियों में कुछ समानताएं हैं तो कुछ बातें अलग भी हैं। लक्ष्य एक है प्यार को पाना। पाकिस्तान के लाहौर की रहने वाली मेहविश (25) ने चूरू जिले के पिथिसर गांव निवासी रहमान (30) से निकाह कर लिया है। इन दोनों की मुलाकात सोशल मीडिया प्लेटफार्म इमो नाम के एप पर ऑनलाइन हुई थी। सीमा हैदर और सचिन की ऑनलाइन मुलाकात पबजी गेम के जरिये हुई थी। इन ई-मुलाकातों के बाद ये दोनों जोड़े प्रेम की पींगे मारने लगे। सीमा हैदर जहां अपने 4 बच्चों को लेकर अवैध तरीके से नेपाल के रास्ते भारत पहुंची थी। वहीं मेहविश अपने दोनों बच्चों को छोड़कर बाघा बॉर्डर से भारत आई है। सीमा हैदर और सचिन जहां दोनों अलग-अलग धर्म के थे वहीं मेहविश और रहमान एक ही धर्म से ताल्लुक रखते हैं। दोनों ही जोड़ों के प्यार की शुरुआत ऑनलाइन मुलाकातों से हुई, लेकिन परिस्थितियां अलग-अलग रही हैं। मेहविश जहां अपने पति से तलाक ले चुकी है। वहीं रहमान भी अपनी पत्नी को छोड़ चुका है। दोनों के 2-2 बच्चे हैं। जबकि सीमा के 4 बच्चे हैं। सीमा हैदर सोशल मीडिया बेहद पॉपुलर रही, लेकिन मेहविश के साथ ऐसा कुछ नहीं है। पाकिस्तान से राजस्थान के रहमान की दुल्हन बनकर आई मेहविश बरसों तक ब्यूटी पार्लर का काम करती रही है। साल 2006 पाकिस्तान के बादामी बाग के खुर्रम शहजाद से निकाह करने वाली मेहविश का अपने पति से 2018 में तलाक हो गया था। इस बीच उनके 2 बेटे हुए। इनमें एक बेटा 12 तो दूसरा 7 साल का है।

भारी बारिश में ऐसी जगहों पर परिवार को ले जाने से बचे

-चार दिनों तक का 'येलो अलर्ट जारी किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में पिछले 24 घंटे की अवधि के दौरान हुई भारी बारिश के कारण 15 सड़कें वाहनों के आवागमन के लिए बंद कर दी गईं। इसके साथ ही मौसम विभाग ने अगले चार दिन यानी 28 जुलाई तक अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश का 'येलो अलर्ट जारी किया है। मानसून में पहाड़ों पर घूमना बहुत रोमांचक हो सकता है, लेकिन हिमाचल प्रदेश की कुछ जगहों पर भारी बारिश के कारण खतरनाक परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। यदि आप घूमने के लिए हिमाचल जाने का प्लान बना रहे हैं तो अभी रूक जाइए। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, कुल 15 सड़कें वाहनों के आवागमन के लिए बंद कर दी गईं, जिनमें मंडी की 12, किन्नौर की दो और कांगड़ा जिले की एक सड़क शामिल हैं। मौसम विभाग ने तेज हवाओं और निचले इलाकों में जलभराव के कारण राज्य में बागानों और फसलों, कमजोर संरचनाओं तथा कच्चे घरों को होने वाले नुकसान के बारे में भी चेतावनी दी है। जनजातीय जिला लाहौल और स्पीति का कुकुमसेरी मंगलवार रात 10.2 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ सबसे ठंडा रहा, जबकि ऊना दिन में सबसे गर्म रहा जहां तापमान 36.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

ऐसे में पर्यटकों को यही सलाह दी जा रही है कि

कुल्लू मनाली, धर्मशाला, मैक्लोडगंज, और शिमला जैसे स्थानों पर यात्रा करते समय विशेष सावधानी बरतें और सभी सुरक्षा उपायों का पालन करें। कुल्लू और मनाली मानसून के दौरान भारी बारिश और भूस्खलन के लिए जाने जाते हैं। सड़कों पर पानी भरने और भूस्खलन की वजह से यात्रा के दौरान दुर्घटनाओं की संभावना रहती है।धर्मशाला और मैक्लोडगंज में भी मानसून के दौरान भूस्खलन का खतरा रहता है। बारिश के कारण सड़कें बंद हो सकती हैं और यातायात प्रभावित हो सकता है। शिमला में भारी बारिश के कारण सड़कों पर पानी भर जाता है, जिससे यात्रा करना खतरनाक हो सकता है। मानसून में सफर करने के दौरान सावधानी बरतें। यात्रा से पहले मौसम का पूर्वानुमान जरूर देखें और उसी के अनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाएं। अगर मौसम खराब है, तो यात्रा को टालना बेहतर होगा।

स्थानीय लोगों से वर्तमान मौसम की स्थिति और सड़कों की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त करें। वे आपको अधिक सही और अद्यतन जानकारी प्रदान कर सकते हैं। अपनी कार में प्राथमिक चिकित्सा किट, टॉर्च, अतिरिक्त बैटरी, और गर्म कपड़े रखें। यात्रा के दौरान हमेशा उचित सुरक्षा उपकरण साथ रखें। ऐसे मार्गों का चयन करें जो कम भूस्खलन प्रवण हों और जहां सुरक्षा के उपाय बेहतर हों। आपातकालीन सेवाओं के संपर्क नंबर और नजदीकी अस्पतालों की जानकारी अपने पास रखें।

ममता का माइक बंद करने वाली बात झूठी : अधीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। शनिवार को दिल्ली में पीएम मोदी ने नीति आयोग की बैठक बुलाई थी। इसमें ममता बनर्जी ने माइक बंद करने का आरोप लगाया था। उनके इस बयान पर पश्चिम बंगाल कांग्रेस प्रमुख अधीर रंजन चौधरी ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि नीति आयोग की बैठक के बारे में ममता बनर्जी जो कुछ कह रही है, मुझे लगता है कि वह झूठ बोल रही हैं। यह बहुत आश्चर्यजनक है कि किसी राज्य के सीएम को बोलने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ममता जानती थीं कि वहां क्या होने वाला है। उनके पास स्क्रिप्ट थी।

इस मामले पर उनके विचार उनकी पार्टी कांग्रेस से अलग थे, जिसने कहा कि ममता बनर्जी के साथ जो व्यवहार किया गया वह अस्वीकार्य है। हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में टीएमसी के यूसुफ पठान से हारने वाले अधीर रंजन, ममता बनर्जी के सबसे बड़े आलोचकों में से एक हैं। चुनाव से पहले उन्होंने ममता पर कई हमले किए थे। बाद में टीएमसी ने आम चुनाव अकेले लड़ने के अपने फैसले के लिए अधीर रंजन चौधरी को दोषी ठहराया था।

अधीर रंजन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि पश्चिम बंगाल में अराजक स्थिति है। राज्य में कानून व्यवस्था बहाल करने के लिए उनसे हस्तक्षेप करने की मांग की थी। चौधरी ने कहा था कि व्यक्तिगत स्तर पर मेरे लिए राज्य में अराजक स्थिति को देखना न केवल परेशान करने वाला है, बल्कि बहुत पीड़ादायक भी है। सत्ताधारी दल का रवैया काफी क्रूर है।

ममता बनर्जी ने शनिवार को दावा किया कि बीजेपी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों को बोलने के लिए अधिक समय दिया गया था, लेकिन पांच मिनट बाद ही उनका माइक बंद कर दिया गया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आरोपों का खंडन किया था। कांग्रेस ने बाद में नीति आयोग पर निशाना साधते हुए कहा कि यह अपनी स्थापना के बाद से ही पीएम नरेंद्र मोदी के लिए ढोल बजाने का काम कर रहा है। इसका कामकाज स्पष्ट रूप से पक्षपातपूर्ण रहा है और यह पेशेवर और स्वतंत्र बिल्कुल नहीं है।

अतिक्रमण के नाम पर लोगों को उजाड़ने के बजाय... योगी सरकार को मायावती ने दी नसीहत

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा है कि प्रदेश में अतिक्रमण के नाम पर लोगों को उजाड़ने के बजाय सरकार गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई व बिगड़ी कानून-व्यवस्था से त्रस्त लोगों के जीवन के सुधार पर ध्यान दे। उत्तर प्रदेश में सोमवार 29 जुलाई से शुरू हो रहे विधानमंडल सत्र से पहले बसपा प्रमुख ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि प्रदेश में बाढ़ की तबाही से प्रभावित लाखों परिवारों को सरकारी मदद की तत्काल आवश्यकता है और इसके प्रति सरकार का उदासीन रवैया ठीक नहीं है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''उप्र में बाढ़ की तबाही से प्रभावित लाखों परिवारों को सरकारी मदद की तत्काल आवश्यकता है, जिनके प्रति सरकार का उदासीन रवैया चिन्तनीय है।'' बसपा प्रमुख ने रविवार को सोशल मीडिया मंच 'एक?स' पर अपने एक अन्य पोस्ट में कहा, ''उप्र विधानसभा का मानसून सत्र कल सोमवार से प्रारंभ हो रहा है, जिसमें सरकार अनुपूरक बजट भी पेश करेगी।''

मायावती ने इसी पोस्ट में कहा, ''हालांकि यह सत्र भी संक्षिप्त ही होगा। लेकिन, भाजपा में जारी घमासान तथा इनकी अंदरूनी लड़ाई अगर सदन में हावी न हो और (सत्तारूढ़ दल) लोगों तथा प्रदेश के हित में कार्यों का निर्वहन करे तो बेहतर होगा।'' उन्होंने यह सुझाव भी दिया, ''अतिक्रमण के नाम पर लोगों को उजाड़ने के बजाय सरकार गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई व बिगड़ी कानून-व्यवस्था से त्रस्त लोगों के जीवन सुधार पर ध्यान दे।'' विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप कुमार दुबे की ओर से शनिवार को जारी एक सूचना के अनुसार 29 जुलाई को सदन की कार्यवाही शुरू होगी जो दो अगस्त तक चलेगी।

सुनहरे भविष्य की चाह में छोड़ा देश अब कनाडा से हुआ मोहभंग

- अधूरी पढ़ाई छोड़ लौटे भारत बोले- जैसा सोचा था ऐसा कुछ नहीं है वहां

बठिंडा(एजेंसी)। अच्छा भविष्य बनाने भारत से कनाडा गए युवा अब वतन वापस हो रहे हैं या फिर किसी अन्य देश में पलायन कर रहे हैं। पंजाब के युवा अपना भविष्य संवारने के लिए कनाडा में बसने को सबसे ज्यादा उत्सुक रहते हैं, लेकिन अब वहां की परिस्थितियां अत्यंत कठिन होती जा रही हैं। अब कनाडा में स्थानीय लोग भी बेरोजगारी की मार झेल रहे हैं। प्रवासियों की हालत अत्यधिक खराब है और इसमें भी बेरोजगारी व महंगाई के कारण छात्रों की हालत सबसे ज्यादा खराब है।

एक अनुमान के मुताबिक बठिंडा जिले में करीब 100 ऐसे छात्र हैं जो कनाडा छोड़कर अपने घर वापस आ गए हैं। कनाडा से मोहभंग होने के बाद भारत लौटे छात्र गुरशरन सिंह ने बताया

कि वह 25 लाख रुपए खर्च करके अपना भविष्य बनाने कनाडा गया था लेकिन वहां ऐसा कुछ भी नहीं था, जैसा कि हमने जाने से पहले सोचा था। वहां काम ही नहीं मिलता और यदि मिलता भी है तो मजदूरी का काम। उससे तो खर्च भी नहीं निकलता था। घर से पैसे मंगवाकर वहां रहना संभव नहीं था। इस कारण वापस आ गया और अब यहां पर पढ़ाई कर रहा हूं।

वहीं बठिंडा के ही छात्र नवदीप पुआर ने कहा कि वह पढ़ाई में होशियार है और उसने सोचा था कि कनाडा में पढ़ाई के दम पर अपने भविष्य को उज्ज्वल बना लूंगा लेकिन वहां पहुंचने पर पता चला कि वहां पढ़ाई की कोई वैल्यू ही नहीं है। वहां तो उसको मजदूरी करनी पड़ेगी। कुछ दिन मजदूरी की बाद में परिवार से बात की और वापस लौट आया। अब कभी भी कनाडा जाने के बारे में नहीं सोचूंगा और अपना भविष्य अपने देश में ही बनाऊंगा। कनाडा सपनों का देश है, ऐसे सपने जो कभी भी सच नहीं होते हैं।

कनाडा के दौरे से लौटे एक वरिष्ठ पत्रकार सरबजीत सिंह धालीवाल ने बताया कि कनाडा में भारतीय छात्रों की स्थिति बहुत खराब है। वे वहां काफी छात्रों से मिले हैं। उनमें से 60 फीसदी छात्र वापस आना चाहते थे जबकि कुछ शर्म के कारण आने से कतरा रहे हैं परंतु आना वे भी चाहते हैं। लेखिका गुरमीत कौर जस्सी ने कहा कि छात्रों के कनाडा से मोहभंग के कई कारण हो सकते हैं। इनमें मकानों का बढ़ता किराया और महंगाई है। इस कारण अब भारतीय छात्र पढ़ाई के लिए कनाडा में रहने से कतरा रहे हैं।

भारत के मिसाइल टेस्ट की निगरानी करने चीन ने भेजा जासूसी जहाज

- मात्र 120 मील की दूरी से नजर रख रहा चीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ने अपने जासूसी जहाज जियांग यांग होंग 03 को हिंद महासागर में भेजा है। चीन इस जहाज को रिसर्च जहाज बताता है। लेकिन बताया गया है कि यह जहाज जासूसी में इस्तेमाल होता है। लेकिन चीन की ओर से इस जहाज को भेजने का समय बेहद खास है। जहाज को ऐसे समय पर भेजा गया है जब भारतीय नेवी सब सरफेस फायरिंग करने वाला है। चीन का जासूसी जहाज मिसाइल फायरिंग वाले इलाके से 222 किमी की दूरी पर है। ओपन सोर्स इंटेलिजेंस रिसर्चर ने एक ग्राफिक्स शेयर कर इसकी जानकारी दी है। इसमें उन्होंने बताया कि बंगाल की खाड़ी में लगभग 595 किमी के एरिया में भारतीय नौसेना सब सरफेस फायरिंग अभ्यास करने वाला है। चीन का समुद्री रिसर्च पोत जियांग यांग होंग 03 वर्तमान में बंगाल की खाड़ी में जा रहा है। यह अभ्यास वाली जगह से 120 समुद्री मील (222 किमी) दूरी पर चल रहा है। चीन ने संभवतः इसे जानकारी इकट्ठा करने के लिए भेजा होगा। इससे पहले भी जब भारत को मिसाइल लॉन्च करना था तब भी चीन ने अपने जासूसी जहाजों को भेजा था। मार्च में भारत की ओर से ओडिशा तट पर मिसाइल लॉन्च के लिए अलार्म जारी किया गया था। इसके कुछ दिनों बाद एक चीनी रिसर्च जहाज भारत के पूर्वी समुद्री तट पर पहुंच गया। इसके बाद अग्नि पांच मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया था। पीएम मोदी ने एक्स पर इसकी पुष्टि की थी। तब चीन ने जियान यांग होंग-1 जासूसी जहाज को भेजा था। चीन के ये कथित रिसर्च जहाज जासूसी के लिए इस्तेमाल होते हैं। चीन का कहना है कि वह इनके जरिए समुद्र का शोध कर रहा है। लेकिन विशेषज्ञ चेतावनी दे चुके हैं कि इस जहाज में सैन्य ग्रेड के उपकरण लगे हो सकते हैं। यह समुद्र की मैपिंग कर सकता हैं जो भारत के साथ युद्ध में चीनी पनडुब्बियों को फायदा पहुंचाएगा। पहले यह जहाज श्रीलंका के बंदरगाह पर रुकते थे। लेकिन भारत के विरोध के बाद श्रीलंका ने इसे अपने तट पर रुकने से मना कर दिया। भारत से तनाव के बीच मालदीव ने चीन के जासूसी जहाज को अपने तट पर रुकने दिया। अप्रैल में यह जहाज दूसरी बार मालदीव के तट पर रुका था।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रधान संपादक-देवेंद्र सिंह*** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**